निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

• 18 मई 2025 रविवार • बोकारो संस्करण • वर्ष : 09 • अंक : 1 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

देश और दुनिया के इतिहास में आज की प्रमुख घटनाएं

1848 : जर्मनी में पहली नेशनल एसेंबली का उद्घाटन हुआ।

1912 : पहली भारतीय फीचर लेंथ फिल्म श्री पुंडालिक रिलीज हुई।

1974 : राजस्थान के पोखरण में अपने पहले भूमिगत परमाणु बम परीक्षण के साथ भारत परमाणु शक्ति संपन्न देश बना था। इस परीक्षण को 'स्माइलिंग बुद्धा' का नाम दिया गया।

2006 : नेपाल नरेश को कर के दायरे में लाया गया।

2012 : प्रसिद्ध धार्मिक गुरु जय गुरुदेव का निधन।

झारखंड से निकाले जाएंगे बांग्लादेशी और रोहिंग्या

जिलों में बनेंगे होल्डिंग सेंटर, केंद्र ने मुख्य सचिव को लिखा पत्र

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड में रह रहे बांग्लादेशियों और रोहिंग्या को चुन-चुन कर निकाला जाएगा। जल्द ही इसकी कवायद प्रदेश में शुरू कर दी जाएगी। इसके लिए स्पेशल टास्क फोर्स सभी जिलों में बनाया जाएगा। यही स्पेशल टास्क फोर्स बांग्लादेशियों और रोहिंग्या को चिन्हित करने का काम करेगी। इस बाबत केंद्र की ओर से राज्य के मुख्य सचिव को पत्र लिखा गया है। 2 मई को लिखे गए पत्र में पूरा प्रोसिजर बताया गया है।

झारखंड हाईकोर्ट में भी बांग्लादेशी घुसपैठ को लेकर सुनवाई जारी है

जिलों में बनाए जाएंगे होल्डिंग सेंटर्स

केंद्र की ओर से सभी राज्य को यह पत्र भेजा गया है। जिसमें कहा गया है कि सरकारें अवैध तरीके से रहने वाले बांग्लादेशी और म्यांमार निवासियों को चिन्हित करें। इसके बाद इन्हें होल्डिंग सेंटर में रखें। चिन्हित बांग्लादेशियों और रोहिंग्या को होल्डिंग सेंटर पर रखने के लिए सभी जिले में ऐसा सेंटर बनाने को कहा है। केंद्र ने कहा है कि ऐसा करने के लिए जिलावार स्पेशल टास्क फोर्स बनाएं, ताकि इन्हें डिपोर्ट किया जा सके। होल्डिंग सेंटर में जांच-पड़ताल पूरी करने के बाद उन्हें बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स और कोस्ट गार्डस को सौंपा जाएगा। इसके बाद संबंधित देश को उनके नागरिकों को सौंपा जाएगा। नागरिकता के दावे पर 30 दिनों में सत्यापनपत्र में कहा गया है कि अगर कोई बांग्लादेशी या रोहिंग्या भारतीय नागरिक होने का दावा करते हैं और वे बताते हैं कि संबंधित राज्य में वह रहते हैं तो संबंधित राज्य सरकार, गृह सचिव और जिला प्रमुख उसका नाम, माता-पिता, आवासीय पता, निकटतम रिश्तेदारों का विवरण उक्त राज्य में भेजेगा। इसके बाद संबंधित राज्य/जिला प्रमुख 30 दिनों के भीतर उक्त आदमी के दावे का सत्यापन कर संबंधित राज्य सरकार के जिला प्रमुख को रिपोर्ट सौंपेगी। पत्र में कहा गया है कि राज्य सरकार सभी जिले के प्रमुख को वेरिफिकेशन के लिए दिशा-निर्देश जारी करे। इसके बाद चिन्हित होने पर संबंधित व्यक्ति को उनके देश भेजने तक होल्डिंग सेंटर पर रखा जाएगा।

- पूरी जांच- पड़ताल के बाद अवैध रूप से रह रहे विदेशियों को बीएसएफ एवं कोस्ट गार्ड को सौंपा जाएगा
- 30 दिनों के अंदर नागरिकता के दावे का किया जायेगा सत्यापन

संथाल में आदिवासी घुसपैठ है बड़ा मुद्दा

बता दें कि झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठ बड़ा मुद्दा है। विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा ने इसे चुनावी मुद्दा बनाया था। वहीं बांग्लादेशी घुसपैठ को लेकर झारखंड हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक में सुनवाई चल रही है। झारखंड हाईकोर्ट में केंद्र सरकार की ओर से पक्ष रखते हुए सॉलिसिटर जनरल ऑफ इंडिया तुषार मेहता ने कहा था कि संथाल परगना में बांग्लादेशियों की घुसपैठ की स्थिति अलार्मिंग है। वहीं याचिकाकर्ता के वकील ने राष्ट्रीय जनगणना के हवाले से हाईकोर्ट के समक्ष जो डेटा पेश किया, उसके मुताबिक साल 1951 में संथाल परगना क्षेत्र में आदिवासी आबादी 44.67 प्रतिशत से घटकर साल 2011 में 28.11 प्रतिशत हो गई। इसके पीछे की एक बड़ी वजह बांग्लादेशी घुसपैठ है।

दो दिन बिहार में रहेंगे पीएम मोदी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

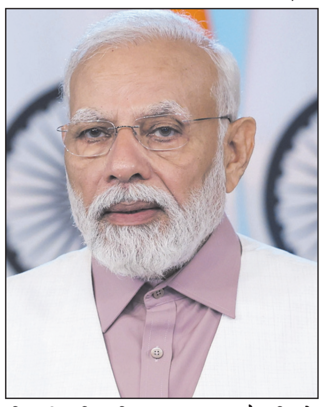

पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पहली बार बिहार आ रहे हैं। पहले वह केवल एक दिवसीय दौरे पर बिहार आने वाले थे लेकिन अब इसमें बदलाव हो गया है। अब पीएम दो दिन तक बिहार में रहेंगे। यह जानकारी बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने दी है। प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि पीएम मोदी दो दिवसीय दौरे पर बिहार आ रहे हैं। 29 मई को पीएम पटना एयरपोर्ट के नए भवन का लोकार्पण करने के बाद रात्रि विश्राम पटना में करेंगे। इसके बाद 30 मई को बिक्रमगंज में जनसभा को संबोधित करेंगे। इधर, पीएम मोदी के कार्यक्रम में किसी तरह की कोई कमी नहीं हो, इसे लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के नेता लगातार निरीक्षण कर रहे हैं। तीन दिन पहले डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया था। दोनों नेताओं ने घोसियां एवं गोडारी में स्थल निरीक्षण किया तथा विधि व्यवस्था संधारण एवं सुरक्षा के दृष्टिकोण से उपस्थित पदाधिकारियों के विस्तार से चर्चा की थी। डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि पीएम मोदी 30 मई को बिहार में कई योजनाओं की सौगात देंगे। पीएम मोदी पटना हवाई अड्डे के नए टर्मिनल का उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा पटना-सासाराम फोर लेन सड़क का शिलान्यास करेंगे। साथ ही औरंगाबाद के नवीनगर में 600 मेगावाट पावर प्रोजेक्ट का भी शिलान्यास करेंगे। कुल मिलाकर पीएम मोदी बिहार में हजारों करोड़ रुपये की योजनाओं की सौगात देने वाले हैं। राजनीतिक पंडितों की मानें तो आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी का यह दौरा काफी अहम होगा।

पेड़ से टकराई कार, पति-पत्नी समेत मासूम की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गिरिडीह। जिले के बगोदर में सड़क हादसा हुआ है। यहां तेज रफ्तार एक कार ने पेड़ में जोरदार टक्कर मार दी। इस घटना में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई है। घटना बगोदर थाना क्षेत्र के बगोदर-सरिया रोड पर अम्बाडीह मोड़ के पास शुक्रवार देर रात की बतायी जा रही है। जानकारी के अनुसार छोटकी सरिया निवासी आशीष कुमार बर्णवाल अपनी पत्नी श्वेता बर्णवाल और डेढ़ वर्षीय बेटे पलटू के साथ रांची से सरिया लौट रहे थे। इसी दौरान अम्बाडीह मोड़ के निकट उनकी तेज रफ्तार कार अचानक अनियंत्रित होकर एक पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। घटना की सूचना मिलते ही बगोदर थाना प्रभारी विनय कुमार यादव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घंटों की कड़ी मशक्कत

के बाद तीनों को कार से बाहर निकाला। आनन-फानन में सभी को बगोदर सीएचसी ट्रॉमा सेंटर लाया गया लेकिन तब तक श्वेता बर्णवाल और मासूम पलटू की मौत हो चुकी थी। आशीष कुमार गंभीर रूप से घायल थे, जिन्हें प्राथमिक इलाज के बाद हजारीबाग रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में उन्होंने भी दम तोड़ दिया। जैसे ही यह खबर परिवार और इलाके में फैली, कोहराम मच गया। अस्पताल परिसर में परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल था। घटनास्थल पर पहुंचे भाकपा माले नेता पवन महतो ने शोकसंतप्त परिजनों को ढांढस बंधाया। इस दुर्घटना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। एक ही झटके में एक पूरा परिवार उजड़ गया। बगोदर थाना प्रभारी विनय कुमार यादव ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया है कि एक कार पेड़ से जा टकरायी, जिसमें एक परिवार के तीन लोगों की जान चली गई है।

- रांची से सरिया लौटने के दौरान हुआ हादसा
- टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पूरी कार के परखच्चे उड़ गये
- पुलिस ने घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद तीनों को निकाला कार से बाहर

पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में यूट्यूबर गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हिसार। पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में हरियाणा की यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को गिरफ्तार किया गया है। हिसार पुलिस ने शनिवार को ज्योति को कोर्ट में पेश कर 5 दिन की रिमांड पर ले लिया। पिछले एक हफ्ते में ज्योति के अलावा हरियाणा से 3 और पंजाब से 3 पाकिस्तानी जासूस अरेस्ट किए। हिसार पुलिस के मुताबिक, 15 मई को डीएसपी जितेंद्र कुमार के नेतृत्व में एक टीम ने ज्योति को उसके घर से हिरासत में लिया। उसके खिलाफ हिसार सिविल लाइन थाने में मामला दर्ज किया गया है। केंद्रीय एजेंसियां ज्योति से पूछताछ कर रही हैं। हिसार पुलिस के मुताबिक, 'ज्योति पाकिस्तान की खुफिया एजेंसियों के संपर्क में थी। सोशल मीडिया के माध्यम से भारत की गोपनीय जानकारी भेज रही थी।

पुलिस व नक्सलियों के बीच मुठभेड़, कई नक्सली घायल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर (पलामू)। मनातू थाना क्षेत्र के जसपुर गांव के पास स्थित जंगल में शनिवार को पुलिस व टीएसपीसी नक्सलियों के बीच जोरदार मुठभेड़ हो गई। पुलिस के मुठभेड़ के दौरान नक्सली पीछे हटने को मजबूर हो गए। सूचना के अनुसार मुठभेड़ में कुछ नक्सलियों को गोली लगी है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हो सकी है। घटनास्थल से नक्सलियों के सामान बरामद किए गए हैं। घटना के बाद पुलिस व सुरक्षा बलों ने पूरे क्षेत्र में सर्च अभियान तेज कर दिया है। इलाके में अतिरिक्त बलों की तैनाती की गई है ताकि कोई भी नक्सली बचकर निकल न सके।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर टीम जंगल में गश्त पर निकली थी। इसी बीच नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मोर्चा संभालते हुई फायरिंग स्टार्ट कर दी। लगभग आधे घंटे तक दोनों ओर से फायरिंग होती रही।

सनकी पति ने गला रेतकर की पत्नी की हत्या

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गिरिडीह। गिरिडीह के बेंगाबाद के फिटकोरिया पंचायत के कजरो गांव में एक महिला की उसके पति ने धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी। इसके बाद आरोपित पति फरार हो गया। शनिवार सुबह मृतका की बेटी ने मां का खून से लथपथ शरीर देखा, तो शोर मचाया। इसके बाद आसपास के ग्रामीण जुटे और जानकारी बेंगाबाद पुलिस को दी गई। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और मामले की जांच में जुट गई। कड़ी मशक्कत के बाद पुलिस हत्या की गुत्थी सुलझाने में सफल रही। पुलिस के दबाव में फरार पति ने सरेंडर कर दिया। बताया जाता है कि वारदात के समय मकसुद मियां उर्फ भोला मियां की पत्नी आसमा खातून अपने एक बच्चे के साथ घर में थी। जबकि उसका एक पुत्र अन्य प्रदेश में मजदूरी करता है। शुक्रवार की शाम को मकसूद मियां बेटी को लेकर शादी समारोह में दूसरे गांव चला गया। इसके बाद शनिवार सुबह घर में आसमा का खून से लथपथ शरीर देखा गया। मामले की जानकारी मिलने के बाद बेंगाबाद पुलिस और मुखिया प्रतिनिधि घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस को जांच के दौरान मृतका के पति पर संदेह हुआ। इसके बाद पुलिस ने मुखिया के पति से बात की। फिर आरोपित को एक स्थान पर बुलाया, जहां से उसे गिरफ्तार किया गया। पुलिस गिरफ्त में आरोपित मकसूद ने बताया कि उसकी पत्नी समूह से जुड़ी थी। वे पत्नी को समूह से लोन लेने बोल रहा था लेकिन पत्नी उसकी बात नहीं मान रही थी। इसी बात से खफा होकर उसने पत्नी के मर्डर का प्लान बनाया। इसके बाद शुक्रवार को वह बेटी के साथ एक शादी समारोह में गया। इस बीच रात में वह वापस घर गया और पत्नी की हत्या की। फिर दोबारा शादी समारोह में पहुंच गया, ताकि उस पर किसी को शक न हो।

5वीं मंजिल से गिरा छात्र, मौत

जमशेदपुर (नबिटा ब्यूरो)। सरायकेला में एनआईटी जमशेदपुर के एक छात्र की आत्महत्या से हड़कंप मच गया। ड्रीम सिटी अपार्टमेंट की 5वीं मंजिल से गिरने से कंप्यूटर साइंस के छात्र दिव्यांशु गांधी (20) की मौत हो गई। सोसायटी के लोगों ने दिव्यांशु को टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल पहुंचाया। चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शनिवार को पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। आशंका जाहिर की जा रही है कि छात्र ने आत्महत्या की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। दिव्यांशु रांची के जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के हवाई नगर का रहने वाला था। उनके पिता ब्रजकिशोर प्रसाद रेलवे में लोको पायलट हैं। जानकारी के अनुसार दिव्यांशु कुछ समय से डिप्रेशन में था। बीमारी के कारण वह परीक्षा में शामिल नहीं हो पाया था।

श्रावणी मेला व भादो मेला पर साफ- सफाई में खर्च होंगे एक करोड़

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

दुमका। उपायुक्त के निर्देश पर राजकीय श्रावणी मेला महोत्सव 2025 की बेहतर साफ- सफाई को लेकर नगर पंचायत सक्रिय हो गया है। इस बार एक करोड़ की लागत से श्रावणी मेला व भादो मेला पर साफ- सफाई होगी। प्रशासनिक स्तर पर तैयारी की जा रही है। इसे लेकर नगर पंचायत कार्यालय सभागार में नपं प्रशासक अजमल हुसैन की उपस्थिति में आवश्यक बैठक हुई। इसमें मेला क्षेत्र में साफ-सफाई व प्रकाश की समुचित व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिया। 11 जुलाई से 09 अगस्त तक लगने वाले राजकीय श्रावणी मेले के दौरान लाखों श्रद्धालु बासुकिनाथ धाम आते हैं। श्रावणी मेले के बाद लगने वाला भादो मेला भी महत्वपूर्ण धार्मिक मेला है। इसमें भी लाखों श्रद्धालु देश के विभिन्न

भागों से यहां आते हैं। नगर पंचायत प्रशासक अजमल हुसैन ने बताया कि श्रावणी मेले में साफ-सफाई का निविदा निकाला गया था। सील बंद निविदा आमंत्रित की गयी थी। निविदा निष्पादन को लेकर नगर पंचायत कर्मी एवं प्रतिभागी संवेदकों की उपस्थिति में सील बंद बॉक्स खोला गया। इसमें प्रतिभागी संवेदकों में श्रावणी माह के लिए अनूपलाल मंडल को 76 लाख रुपये में सफाई कार्य का जिम्मा दिया गया, जबकि भादो व अश्विन माह के 15 दिन सहित कुल 45 दिन के लिए प्राप्त निविदा में हिमांशु शेखर यादव को साफ-सफाई कराने को लेकर पक्ष में निविदा का निष्पादन किया गया। नपं प्रशासक ने संबंधित संवेदक को निर्देश देते हुए कहा कि मेले के दौरान साफ-सफाई में कोताही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। देश-विदेश से श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। श्रद्धालु यहां से बेहतर संदेश साथ लेकर जायें। इसे ध्यान में रखकर सभी तरह के कार्य करायें। इसमें हिमांशु शेखर यादव ने सबसे निम्न दर 41.57 फीसदी दर कोट किया था। नपं प्रशासक अजमल हुसैन ने श्रावणी मेला शुरू होने से पहले क्षेत्र के सभी नालियों की साफ सफाई व पोल में लगे वेपर लाइट की मरम्मत कराने का निर्देश दिया गया। आवश्यक सामग्री की आपूर्ति को लेकर संबंधित अधिकारी को आवश्यक निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि मेला क्षेत्र के सभी मौके पर नगर प्रबंधक प्रियंका कुमारी, सहायक अभियंता शैलेश कुमार, कनीय अभियंता पिंटू यादव, राजकुमार, दुर्गेश झा, भाष्कर, आदित्य शर्मा, कुंदन, धीरज, हरगोविंद मंडल, अजय कृष्णा झा, रमेश मिश्रा, सारंग झा, रविंद्र सिंह, शिवरंजन तिवारी व नगर पंचायत के कर्मी मौजूद थे।

नए बहुमंजिला पार्किंग भवन का नीतीश ने किया लोकार्पण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नए बहुमंजिला पार्किंग भवन (मल्टी मॉडल हब) और पटना जंक्शन तक भूमिगत पथ (सब-वे) का शिलापट्ट अनावरण कर एवं फीता काटकर लोकार्पण किया। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा है कि बहुमंजिला पार्किंग भवन और सब-वे की शुरुआत होने से पटना जंक्शन और इसके आसपास के इलाकों में भीड़भाड़ कम होगी। साथ ही सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था सुदृढ़ होगी। इससे पहले उन्होंने नवनिर्मित बहुमंजिला पार्किंग भवन से बसों और यात्री वाहन के परिचालन का शुभारंभ किया। लोकार्पण के बाद नवनिर्मित सब-वे का मुख्यमंत्री ने निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने ट्रैवेलेटर, एस्केलेटर आदि का जायजा लिया और यात्री सुविधाओं

तथा कनेक्टिविटी के संबंध में अधिकारियों से जानकारी ली। सीएम नीतीश कुमार ने पत्रकारों से कहा कि जीपीओ गोलंबर के नजदीक मल्टीलेवल हब को पटना जंक्शन से जोड़ने के लिए सब-वे का निर्माण कराया गया है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य पटना जंक्शन रेलवे स्टेशन परिक्षेत्र अंतर्गत यातायात व्यवस्था को विकसित करना है। इस सब-वे और बहुमंजिला पार्किंग भवन का लोकार्पण होने से पैदल चलने वाले लोगों को पटना जंक्शन तक आवागमन में काफी सुविधा होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने पहले भी कई बार इस परियोजना के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया था। उस दौरान बेहतर और व्यवस्थित ढंग से निर्माण कार्य तेजी से पूरा कराने का निर्देश दिया था। नगर विकास एवं आवास विभाग द्वारा 84.83 करोड़ रुपये की लागत से पटना जंक्शन के समीप भूमिगत पथ (सब-वे) का निर्माण कराया गया है। यह पटना जंक्शन के पास से शुरू होकर जीपीओ गोलंबर तक जाता है, जिसकी लंबाई 440 मीटर है। इस परियोजना में जीपीओ गोलंबर के नजदीक 66.81 करोड़ रुपये की लागत से बहुमंजिला पार्किंग भवन (मल्टी मॉडल हब) का निर्माण किया गया है जहां बस, ऑटो, टैक्सी एवं निजी वाहनों के लिए पार्किंग की व्यवस्था है। लोगों की सुविधा के लिए भूमिगत पथ तक पहुंचने के लिए दो लिफ्ट और दो स्वचालित सीढ़ियां (एस्केलेटर) भी लगायी गयी हैं। पूरी लंबाई में एयरकंडीशनिंग की सुविधा भी दी गयी है। भूमिगत पथ में बुद्ध स्मृति पार्क के निकट एक अतिरिक्त प्रवेश या निकास की सुविधा भी दी गयी है। भविष्य में इस भूमिगत पथ को निर्माणाधीन पटना मेट्रो स्टेशन से भी जोड़ने की योजना है।

FOR REGISTRATION : ISO, TRADE MARK, PATENT
DESIGN AND COPYRIGHT, ATTORNEY
GLOBAL VISION
(A Complete Solution in Professional Services)
: Regd. Office/ Head Office :
Manaitand, Near Water Tank
Dhanbad, Jharkhand- 826001
Command Office : Jagat Trade Centre, Patna
Contact No.- 9835333441, 8210823092
E-Mail : globalvision96@yahoo.in

C M Y K

संक्षिप्त समाचार

लालू यादव की बढ़ी मुश्किल, इस मामले में कोर्ट ने दिया कुर्की प्रक्रिया शुरू करने का आदेश

सिवान, एजेंसी। सिवान कोर्ट ने लालू प्रसाद यादव पर कुर्की की प्रक्रिया जारी करने का आदेश दिया है। मामला साल 2011 का है ,जब विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र संख्या 109 दारौंदा के राजद प्रत्याशी परमेश्वर सिंह के समर्थन में तत्कालीन रेल मंत्री एवं राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव आचार संहिता का उल्लंघन करते हुए भाषण दिया था।

जिस स्थल पर उन्होंने भाषण दिया था वहां पर पूर्व से धारा 144 लगी हुई थी और ध्वनि विस्तारक यंत्र का प्रयोग करना वर्जित था, लेकिन लालू प्रसाद यादव ने ध्वनि विस्तारक यंत्र का प्रयोग करते हुए भाषण दिया। इसके बाद उनके विरुद्ध आचार संहिता उल्लंघन का मामला दर्ज हुआ था। इसी मामले में उनकी लगातार अनुपस्थिति को देखते हुए एसीजेएम प्रथम सिवान की अदालत ने कुर्की जब्ती की प्रक्रिया जारी करने का आज आदेश पारित किया है। इस मामले की अगली सुनवाई 30 मई को होगी।

बिहार में स्मार्ट प्रीपेड मीटर के अपग्रेडेशन की डेडलाइन बढ़ी, अब इस तारीख तक कई सेवाएं बाधित

पटना, एजेंसी। राज्य में स्मार्ट प्रीपेड मीटर के डाटा मैनेजमैंट सिस्टम के अपग्रेडेशन कार्य की अवधि को 19 मई तक के लिए बढ़ा दी गई है। यह अपग्रेडेशन कार्य 13 मई से आरंभ हुआ था और इसे सुचारू रूप से पूर्ण करने हेतु यह विस्तार किया गया है।बिजली कंपनी की ओर से दी गई

आधिकारिक जानकारी के अनुसार इस अवधि के दौरान उपभोक्ताओं को रिचार्ज की जानकारी मीटर पर तुरंत नहीं दिखेगी। हालांकि विद्युत आपूर्ति बाधित नहीं होगी, परंतु अपग्रेड प्रक्रिया के पूर्ण होने तक कुछ सेवाएं सीमित रह सकती हैं।

इससे पहले स्मार्ट प्रीपेड मीटर उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से राज्य की दोनों विद्युत वितरण कंपनियां साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड और नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड की ओर से प्रीपेड मीटर प्रणाली को अपग्रेड किया जा रहा है। जिसकी कार्य अवधि 13 से 15 मई थी, लेकिन अब चार दिन और बढ़ा दी गई है। अपग्रेडेशन का कार्य गया, मुजफ्फरपुर तथा भागलपुर शहरी क्षेत्रों को छोड़ कर राज्य के अन्य सभी शहरी क्षेत्रों में चल रहा है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार 29 मई को बिहार आएंगे पीएम मोदी, कई बड़ी योजनाओं की देंगे सौगात

पटना, एजेंसी। विधानसभा चुनाव को लेकर चुनाव आयोग की तैयारियों के साथ ही राजनीतिक दलों सक्रिता भी बिहार में तेजी से बढ़ रही है। सत्तापक्ष एवं विपक्ष के साथ ही तीसरा कोण बनाने को लेकर कई नए नवेले दल दम ठोक रहे हैं। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भी चार महीने के अंदर तीसरी बार 29 मई को दो दिवसीय दौरे पर बिहार आने का कार्यक्रम निर्धारित हो गया है। मोदी 29 की शाम पटना पहुंचेंगे और लोकनायक जयप्रकाश नारायण हवाई अड्डे के नए टर्मिनल भवन का लोकार्पण करेंगे। इसके उपरांत रात्रि विश्राम पटना में करेंगे।

अगले दिन 30 मई को रोहतास जिले के विक्रमगंज में जनसभा को संबोधित करेंगे। इससे पहले कई योजनाओं का पीएम के हाथों उद्घाटन एवं शिलान्यास प्रस्तावित है।

प्रधानमंत्री इससे पहले गत वर्ष लोकसभा चुनाव के दौरान पटना में रोड शो के उपरांत राजभवन में रात्रि विश्राम किए थे। मोदी की दो दिवसीय यात्रा की भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप

जायसवाल ने पुष्टि की है।

मोदी चार महीने के अंदर तीसरी बार बिहार आएंगे। इससे पहले 24 फरवरी को भागलपुर एवं 24 अप्रैल को मिथिलांचल की यात्रा पर मधुबनी आए थे। भागलपुर की यात्रा दौरान प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 19वीं किस्त की राशि डीबीटी के माध्यम से देश के किसानों के खाते में भेजी थी। साथ कई योजनाओं का शिलान्यास एवं शुभारंभ किया था। इसके उपरांत मोदी ने राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर 24 अप्रैल को मधुबनी यात्रा के दौरान जीविका दीदियों के लिए केंद्र सरकार की ओर से की जा रही मदद को विस्तार से गिनाया था। साथ ही रेलवे, सड़क एवं बाढ़ प्रबंधन से संबंधित कई योजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया था। अब मोदी विक्रमगंज की सभा राजग (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) की कमजोर हो रही जड़ में राजनीतिक खाद-पानी डालेंगे। लोकसभा चुनाव के दौरान शाहाबाद क्षेत्र की पांच सीटों पर राजग की हार हुई थी।

रामविलास को भारत रत्न, निजी क्षेत्र में आरक्षण, चुनाव से पहले लोजपा रामविलास ने की बड़ी मांग

पटना, एजेंसी। बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले सभी राजनीतिक दल अपनी तैयारियों में जुट गए हैं। इसी क्रम में लोक जनशक्ति पार्टी-रामविलास के अध्यक्ष राजू तिवारी की अध्यक्षता में शुक्रवार को कार्यकारिणी की बैठक हुई। वहीं, दूसरी ओर जदयू प्रवक्ताओं ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा तेलंगाना में जातीय गणना को बेहतर मॉडल बताने पर आपत्ति जताई।

लोक जनशक्ति पार्टी-रामविलास की कार्यकारिणी बैठक में विधानसभा चुनाव में पार्टी की स्वतंत्र पहचान के साथ भागीदारी सुनिश्चित करने और निजी क्षेत्र में आरक्षण लागू कराने की मांग संबंधी प्रस्ताव पारित किया गया।

साथ ही, बोधगया अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का नामकरण भगवान बुद्ध के नाम पर करने, रामविलास पासवान को भारत रत्न देने और उनकी प्रतिमा संविधान सदन में स्थापित करने तथा बहुजन-भीम संकल्प समागम का आयोजन करने संबंधी प्रस्ताव पारित किया गया।

अपने संबोधन में नेताओं ने राहुल गांधी पर जमकर हमला बोला और कहा कि राहुल गांधी सिर्फ बिहार घूमने आते है। राहुल गांधी ने दरभंगा के दलित छात्रावास में जाकर सिर्फ फोटो सेशन कराया और दलितों के प्रति संवेदनशील होने का ढोंग किया।

कार्यक्रम का संचालन पार्टी के प्रधान महासचिव संजय पासवान ने किया। बैठक में सांसद अरुण भारती, मुख्य प्रवक्ता राजेश भट्ट, संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष हुलास पांडे और झारखंड के चतरा विधायक जनार्दन पासवान समेत सभी जिलाध्यक्ष मौजूद थे।

जदयू ने शुक्रवार को यह सवाल किया कि अगर तेलंगाना सरकार की जातीय गणना पारदर्शी है तो अब तक उसके आंकड़े सार्वजनिक क्यों नहीं किए गए? कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए जदयू प्रवक्ताओं ने कहा कि उनके पास जानकारी का घोर अभाव है।

जदयू प्रदेश कार्यालय पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद, विधानपार्षद सह मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार एवं प्रदेश प्रवक्ता निहोरा प्रसाद यादव ने एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में इस विषय को उठाया। जदयू प्रवक्ताओं ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा तेलंगाना में जातीय गणना को बेहतर मॉडल बताने के दावे पर कड़ी आपत्ति जताई।

यह कहा गया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार सरकार ने जातीय गणना से पूर्व ही 215 जातियों की सूची सार्वजनिक की और प्रत्येक जाति को यूनिक कोड आवंटित किया गया, जिससे डाटा की पारदर्शिता और सटीकता सुनिश्चित हो सके।

बिहार की जातीय गणना केवल जनसंख्या तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसमें यह भी दर्ज किया गया कि किस जाति के पास कितने लैपटाप, दोपहिया एवं चारपहिया वाहन, बैंक खाता, मोबाइल, टीवी और जमीन है। यह सर्वे सामाजिक और आर्थिक स्थिति की समग्र तस्वीर प्रस्तुत करता है।

इसके विपरीत, तेलंगाना सरकार की जातीय गणना में न तो इन पहलुओं को शामिल किया गया और न ही किसी अधिकृत जाति सूची या यूनिक कोडिंग का कोई प्रमाण सामने आया है। यह अंतर स्वयं सिद्ध करता है कि बिहार मॉडल कहीं अधिक वैज्ञानिक, व्यापक और पारदर्शी है।

बाढ़ में बना 100 बेड का मार्डन अस्पताल: 300 गांव के लोगों को नहीं जाना पड़ेगा पटना

पटना, एजेंसी। पटना के बाढ़ अनुमंडल में नया आधुनिक अस्पताल जल्द ही शुरू होने जा रहा है। इस अस्पताल से 7 प्रखंड के 300 से अधिक गांवों के लोगों को सुविधाएं मिलेंगी। 19.50 करोड़ रुपये की लागत से बने इस अस्पताल का निर्माण 16 जनवरी 2023 से शुरू हुआ था। ग्राउंड फ्लोर समेत तीन मंजिला इस अस्पताल भवन में आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

ब्लड कलेक्शन की भी होगी सुविधा- नवजात के लिए नीकू-पीकू वार्ड की विशेष व्यवस्था की गई है। बर्न यूनिट और गर्भवती महिलाओं के लिए अलग-अलग वार्ड बनाए गए हैं। अस्पताल में ब्लड कलेक्शन की सुविधा भी होगी, जिससे मरीजों को ब्लड के लिए पटना नहीं जाना पड़ेगा।

फिलहाल बाढ़ अनुमंडल अस्पताल एक जर्जर बिल्डिंग में चल रहा है। विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी के कारण यह केवल एक रेफरल अस्पताल बन कर रह गया है। दुर्घटना के मामलों में भी मरीजों को पी.एम.सी.एच.रेफर करना पड़ता है।

15 से 20 जून तक हो सकता है उद्घाटन : एसडीएम- एसडीएम शुभम कुमार का कहना है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जून में अस्पताल का उद्घाटन करेंगे। पटना से आई डीपीएम हेल्थ की टीम ने नए भवन का निरीक्षण कर लिया है। उद्घाटन के बाद पुराने भवन को तोड़ दिया जाएगा। 15 से 20 जून के बीच अस्पताल का उद्घाटन होने की संभावना है। उद्घाटन के दो सप्ताह बाद अस्पताल को मरीजों के लिए खोल दिया जाएगा।

लगभग सभी काम पूरा : उपाधीक्षक- अस्पताल के उपाधीक्षक विनय कुमार चौधरी ने कहा कि नए भवन के उद्घाटन के बाद ब्लड स्टोरेज की सुविधा उपलब्ध होगी। एंबुलेंस की संख्या बढ़ाई जाने की मांग भी की जाएगी। विद्युत कनेक्शन छोड़कर लगभग सभी काम पूरे हो चुके हैं। विद्युत कनेक्शन के बाद टेस्टिंग की जाएगी, जिसके बाद उद्घाटन की तारीख तय की जाएगी। पोस्टमार्टम के भवन की व्यवस्था भी की गई है, विभिन्न रोग विशेषज्ञ की मांग भी विभाग से की जाएगी।

आरा में सड़क हादसे में घायल किसान की मौत

पिछले 15 दिनों से पटना में भर्ती थे, अज्ञात वाहन ने टक्कर मारी थी

आरा (भोजपुर), एजेंसी। आरा के टाउन थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में घायल किसान की इलाज के दौरान मौत हो गई। पिछले 15 दिनों से पटना के प्राइवेट अस्पताल में भर्ती थे। मृतक श्रीनिवास सिंह (30) तीयर गांव के रहने वाले थे। खेती-बाड़ी करते थे। 30 अप्रैल को तिलक समारोह में शामिल होने के लिए जमीरा गांव जा रहे थे। धरहरा के पास तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मार दी थी। परिजनों ने बताया कि वाहन की टक्कर से श्रीनिवास सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। पहले आरा में ही भर्ती थे। बाद में डॉक्टरों ने पटना रेफर कर दिया था। जहां शुक्रवार को उनकी मौत हो गई। मृतक 3 भाई और 4 बहन में सबसे छोटा था। सभी का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है। परिजनों के बयान के आधार पर छानबीन की जा रही है।

सेना के शौर्य और सम्मान में लॉन्च हुआ मनोज तिवारी का सिंदूर की ललकार

पटना, एजेंसी। भोजपुरी फिल्म अभिनेता और उत्तर-पूर्वी दिल्ली से भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने शुक्रवार शाम अपना नया देशभक्ति गीत ÷सिंदूर की ललकार÷ सोशल मीडिया पर लॉन्च किया। यह गाना उन्होंने भारतीय सेना के शौर्य और सम्मान में समर्पित किया है। इसका संगीत सूरज विश्वकर्मा ने तैयार किया है और सुरभि तिवारी ने इसे प्रोड्यूस किया है। गाने की परिकल्पना नीलकांत बख्शी की है और इसे साविका फिल्म्स ने प्रस्तुत किया है।

गाने में बताया गया है कि जब 30 लाख सैनिकों के पीछे 150 करोड़ हिंदुस्तानी खड़े हों, तो दुश्मनों को जवाब देने में देर नहीं लगती।

गाने की पंक्तियां हैं - 30 लाख सैनिक के पीछे, 150 करोड़ हिंदुस्तानी...नाप देंगे, जब चाहेंगे, दुश्मन में कितना है पानी..,धर्म पूछ कर चली गोलियां सहन नहीं हो पाता है, खून और पानी साथ बहे अब यह नहीं संभव होगा..। बता दें कि हाल ही में भारतीय सेना द्वारा किए गए ÷ऑपरेशन सिंदूर÷ में आतंकियों को करारा जवाब दिया गया है। भारतीय सेनाओं ने पहलगाम में हुए आतंकी हमला में भारतीय महिलाओं का सिंदूर मिटाने वाले जिहादियों को जहन्नुम में पहुंचाया है। उनके इस शौर्य और पराक्रम को संपूर्ण भारतीय सलाम कर रहे हैं। देशवासी सेनाओं को अपने-अपने तरीके से सम्मान दे रहे हैं। इसी बहादुरी से प्रेरित होकर मनोज तिवारी ने यह गीत लिखा और अपनी आवाज में इसे प्रस्तुत भी किया। गीत को सोशल मीडिया पर लोगों से जबरदस्त सराहना मिल रही है। मनोज तिवारी का यह प्रयास भारतीय सेना के प्रति आम जनता की भावना को आवाज देता है।

छात्रों को आरक्षण नहीं देने वाले निजी विश्वविद्यालयों की बढ़ी मुश्किल, शिक्षा विभाग ने मांगी रिपोर्ट

पटना, एजेंसी। प्रदेश में संचालित निजी विश्वविद्यालयों में भी आरक्षण का पालन हो रहा है या नहीं, इसकी जांच होगी। इसके मद्देनजर शिक्षा विभाग ने निजी विश्वविद्यालयों से आरक्षण का पालन संबंधी रिपोर्ट मांगी है। रिपोर्ट के आधार पर शिक्षा विभाग यह भी परखेगा कि निजी विश्वविद्यालयों में आरक्षण का पालन हो रहा है या नहीं।

अपनी गतिविधियां बताने के लिए प्रत्येक निजी विश्वविद्यालय को शिक्षा विभाग के समक्ष प्रेजेंटेशन देना होगा। इस संबंध में शिक्षा विभाग ने संबंधित निजी विद्यालयों को दिशा-निर्देश जारी किया है।

शिक्षा विभाग द्वारा जिन निजी विश्वविद्यालयों के अध्यक्ष व सचिव को पत्र भेजा गया है, उनमें सामाजिक कल्याण संस्था, संदीप फाउंडेशन, दवे मंगल मेमोरियल ट्रस्ट,

अल-करीम एजुकेशनल ट्रस्ट।

माता गुजरी मेमोरियल मेडिकल कॉलेज एवं लायंस सेवा केंद्र हास्पिटल, आल इंडिया सोसाइटी फॉर इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कंप्यूटर टेक्नोलॉजी और रितनंद बेल्व्ड एडुकेशन फाउंडेशन शामिल हैं। निर्देश के मुताबिक संबंधित निजी विश्वविद्यालयों के नियम एवं परिनियम का सरकार से अनुमोदन, नामांकन की प्रक्रिया एवं आरक्षण का पालन, शुल्क में प्रविधान के अनुरूप दी जाने वाली छूट का अनुपालन, फीस संरचना, फीस के लिए समिति का गठन, फीस संरचना से राज्य सरकार को अवगत कराना। अकादमिक कैलेंडर, परीक्षा कैलेंडर, खेल कैलेंडर का निर्माण एवं समय-सीमा के अनुरूप उसका अनुपालन, विश्वविद्यालय का डायनामिक सेक्योर्ड वेबसाइट, छात्रों के लिए प्लेसमेंट सेल का गठन एवं उसकी उपलब्धियां, विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रविधानों का अनुपालन की जानकारी मांगी गई है। इसके अलावा एनसीआरएफ, सीबीसीएस के साथ-साथ एबीसी-एनएडी आदि लागू कराया जाना, समर्थ पोर्टल एवं इसके सदृश्य अन्य साफ्टवेयर टेक्नोलॉजी का उपयोग, आडिट एवं वार्षिक लेखा प्रतिवेदन तथा अन्य विशेष शैक्षिक गतिविधियों के बारे में सूचना देने को कहा गया है।

पटना के 5 रूट पर पिंक बस सेवा शुरू, किराया 6 रुपये से शुरू, महिला ही कंडक्टर

पटना, एजेंसी। बिहार की राजधानी पटना में 5 रूट पर लेडीज स्पेशल पिंक बस सेवा शुरू हो गई है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को पटना से 6 जिलों के लिए 20 पिंक बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पटना में पिंक बस में पहले दिन 250 से ज्यादा महिला यात्रियों ने सफर किया। इसमें गांधी मैदान से 4 बसों का परिचालन शुरू हुआ। एक बस एनआईटी पटना से कंकड़बाग ऑटो स्टैंड तक चलेगी। पिंक बस का किराया 6 रुपये से शुरू है। अधिकतम टिकट 25 रुपये का है। इन बसों में कंडक्टर महिलाएं हैं।

पिंक बस सेवा केवल महिला यात्रियों के लिए है। महिलाओं की सुरक्षा के लिए सीट पर जीपीएस ट्रैकिंग सिस्टम और इमरजेंसी अलार्म है। ये बसें सीएनजी से चलाई जा रही हैं। हर बस में बैठने के लिए 22 आरामदायक सीटे हैं। सीटों पर पैनिक बटन के साथ ही बस में सीसीटीवी कैमरा भी है। हर सीट के पास महिला यात्रियों को मोबाइल चार्जिंग की सुविधा भी दी गई है।

पटना में इन रूट पर चलेंगी पिंक बस

- गांधी मैदान से पटना जीपीओ, आर ब्लॉक, इनकम टैक्स गोलंबर, पटना वीमेंस कॉलेज, सचिवालय, राजवंशी नगर मोड़, पटेल नगर होकर बाबा चौक तक
- गांधी मैदान से पटना जीपीओ, आर ब्लॉक, इनकम टैक्स, पटना वीमेंस कॉलेज, बिहार म्यूजियम, बोरिंग रोड, एएन कॉलेज, पाटलिपुत्रा, पीएंडएम मॉल होकर कुर्जी तक
- एनआईटी पटना से गांधी मैदान, पटना स्टेशन, कंकड़बाग कॉलोनी मोड़ होते हुए कंकड़बाग ऑटो स्टैंड तक
- कारगिल चौक से बिस्कोमान भवन बस स्टॉप, दूरदर्शन केंद्र, बाटा मोड़, डाक बंगला चौक बस स्टॉप, तारामंडल, जीपीओ, आर ब्लॉक, इनकम टैक्स चौराहा, पटना वीमेंस कॉलेज, बिहार म्यूजियम, हड़ताली मोड़, सचिवालय, ललित भवन, चिड़ियाघर, शेखपुरा, आईजीआईएमएस, आशियाना मोड़, जगदेव पथ, गोला रोड, आरपीएस मोड़, सगुना मोड़, दानापुर तक
- कारगिल चौक से बिस्कोमान भवन, डाक बंगला चौराहा, तारामंडल, जीपीओ, आर ब्लॉक, सप्तमूर्ति, पुराना सचिवालय, चितकोहरा मोड़, अनीसाबाद, ख्वाजा इमाम मजार, महावीर कैंसर संस्थान, फुलवारीशरीफ ब्लॉक, वाल्मी, पटना एम्स तक

6 से 25 रुपये तक है किराया- पिंक बसों का किराया भी इतना रखा गया है कि महिलाओं पर आर्थिक बोझ ना पड़े। 6 रुपये से 25 रुपये खर्च कर महिलाएं पिंक बस में सफर कर सकती हैं। अगर गांधी मैदान से दानापुर रेलवे स्टेशन तक जाते हैं, तो अधिकतम 25 रुपये खर्च होंगे।

मुकेश सहनी के इंतजाम में जुट गई बीजेपी, हर प्रमंडल में मछुआरा सम्मेलन करेगी

पटना, एजेंसी। बिहार में लगभग 8-9 फीसदी निषाद समाज के वोटरों पर सन ऑफ मल्लाह के नाम से मशहूर मुकेश सहनी का प्रभाव काटने और यथासंभव वोट बटोरने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने हर प्रमंडल में मछुआरा सम्मेलन करने का फैसला किया है। महत्वपूर्ण ये बात है कि आयोजन एनडीए के बैनर तले नहीं होगा बल्कि भाजपा का खुद का कार्यक्रम होगा। शुक्रवार को ही चिराग पासवान की पार्टी लोजपा-रामविलास ने भी एनडीए में रहते हुए अलग से बहुजन भीम संवाद के नाम से स्वतंत्र कार्यक्रम आयोजित करने का फैसला किया है। कुछ समय पहले एनडीए के दलों ने मिलकर अभियान और कार्यक्रम की बात की थी लेकिन ज्यों-ज्यों चुनाव नजदीक आ रहा है, इस तरह के स्वतंत्र कार्यक्रमों से क्या संदेश जाएगा, समझने वाली बात है।

भाजपा मत्स्यजीवी प्रकोष्ठ की शुक्रवार को पटना में प्रदेश भाजपा कार्यालय में आयोजित बैठक में निर्णय हुआ है कि पार्टी हरेक कमिश्नरी मुख्यालय में मछुआरा सम्मेलन करेगी। इस बैठक में प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल भी

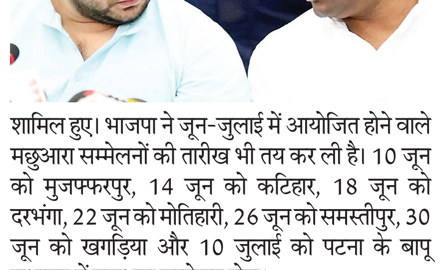

शामिल हुए। भाजपा ने जून-जुलाई में आयोजित होने वाले मछुआरा सम्मेलनों की तारीख भी तय कर ली है। 10 जून को मुजफ्फरपुर, 14 जून को कटिहार, 18 जून को दरभंगा, 22 जून को मोतिहारी, 26 जून को समस्तीपुर, 30 जून को खगड़िया और 10 जुलाई को पटना के बापू सभागार में मछुआरा सम्मेलन होगा।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने बैठक के बाद कहा कि 15 दिनों के अंदर मछुआरा आयोग का गठन कर दिया जाएगा, जिसमें इसी समाज के नेता सदस्य और अध्यक्ष बनाए जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

लातेहार में अवैध शराब से भरा कंटेनर पकड़ा गया:48 लाख रुपए की अंग्रेजी शराब जब्त

लातेहार, एजेंसी। लातेहार के चंदवा थाना पुलिस ने गुरुवार को वाहन चेकिंग के दौरान 48 लाख रुपए की अवैध अंग्रेजी शराब जब्त की। शराब दमन दीव से बिहार ले जाई जा रही थी। बोतलों पर सेल फॉर ऑनली फॉर भूटान लिखा था। चंदवा थाना प्रभारी रणधीर सिंह ने बताया कि लातेहार एसपी कुमार गौरव को गुप्त सूचना मिली थी कि अवैध शराब बिहार भेजी जा रही है। इसके बाद चंदवा थाना प्रभारी रणधीर कुमार के नेतृत्व में टीम बनाई गई।चंदवा के इंदिरा गांधी चौक पर वाहन चेकिंग अभियान चलाई गई। इसी दौरान दमन दीव से आ रही कंटेनर ट्रक रोका गया। जांच में उसमें 1000 पेटी रॉयल स्पेशल अंग्रेजी शराब मिली। एक पेटी में 180 एमएल की 48000 छोटी बोतलें थीं।चालक से कागजात मांग की गई, लेकिन वह कोई दस्तावेज नहीं दिखा सका। पुलिस ने ट्रक और शराब जब्त कर ली। चालक जयपाल सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया। वह मध्य प्रदेश का रहने वाला है।

जमशेदपुर में पूजा-पाठ के सामान के गोदाम में आग, 2 करोड़ से ज्यादा का नुकसान

जमशेदपुर, एजेंसी। जमशेदपुर के गोविंदपुर थाना क्षेत्र के गदड़ा में शुक्रवार देर रात पूजा सामग्री के गोदाम में आग लग गई। आग की तेज लपटों के कारण आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। लोग अपने घरों से बाहर निकलकर सुरक्षित स्थानों की ओर भागे। झारखंड सरकार और टाटा मोटर्स की ओर से 6 दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। इसके बाद आग पर काबू पाया जा सका। जब आग लगी थी तब तेज हवा भी तेज चल रही थी। इस कारण आग की लपटें तेजी से फैल रही थीं। इससे आसपास के रिहायशी इलाकों में भी आग फैलने का खतरा बना हुआ था। गोदाम में लकड़ी, अगरबत्ती, धूप, पूजा की सजावटी सामग्री और अन्य ज्वलनशील सामान रखा था। गोदाम मालिक के मुताबिक, आग से 2 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ है। शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका है।

गिरिडीह में नक्सलियों के हथियारों का जखीरा बरामद

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह पुलिस और सीआरपीएफ को नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे सर्च अभियान में बड़ी सफलता मिली है। खुखरा थाना क्षेत्र के जोकानाल के पास से नक्सलियों का बंकर बरामद किया गया है। गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए संयुक्त ऑपरेशन में पुलिस ने जंगल में जमीन के अंदर छिपाए गए 14 हथियार बरामद किए। इनमें 303 बोर का राइफल, एसएलआर, एक 12 बोर बंदूक और 14 सिंगल शॉट बंदूकें शामिल हैं। बरामद सामग्री में 7.62 एमएम की 38 और 9 एमएम की 10 गोलियां , बंडल कॉर्डेक्स वायर और भारी मात्रा में बारूद भी शामिल है। गिरिडीह एसपी डॉ. बिमल कुमार ने बताया कि पुलिस और सीआरपीएफ की टीमें पारसनाथ पर्वत की तराई वाले इलाके में नक्सलियों के खिलाफ अभियान जारी रखे हुए हैं। बरामदगी में नक्सलियों के दैनिक उपयोग की अन्य सामग्री भी मिली है। पुलिस और सीआरपीएफ की टीमें क्षेत्र में लगातार सर्च अभियान चला रही हैं।

बाबूलाल सठिया गए हैं..., इरफान अंसारी ने नेता प्रतिपक्ष पर लगाए ये गंभीर आरोप

रांची, एजेंसी। राज्य सरकार के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी को निशाने पर लिया है। बोकारो की घटना पर मरांडी की प्रतिक्रिया को उन्होंने गलत बताते हुए कहा कि बाबूलाल मरांडी सठिया गए हैं। उनकी राजनीति का स्तर अब पूरी तरह गिर चुका है। बोकारो की घटना पर जिस तरह की भ्रामक और अमानवीय बातें वे कह रहे हैं, वह दुर्भाग्यपूर्ण और उनके नैतिक और मानसिक दिवालियापन का प्रमाण है।एक महिला के साथ क्या हुआ, यह जांच का विषय है। लेकिन भाजपा खुद को कानून से ऊपर मानती है और निर्णय भी खुद ही लेने लगी है। ऐसे समय में पीड़िता के परिवार को सांत्वना देना अगर गलत है तो मैं यह गलती बार-बार करूंगा, क्योंकि मानवता से बड़ा कोई धर्म नहीं होता। अंसारी ने कहा कि भाजपा के पास ना तो कोई जनहित का मुद्दा है, ना कोई संवेदनशीलता, सिर्फ घृणा और नफरत फैलाकर वोट बैंक की राजनीति करना इनका काम रह गया है।

अब ट्रेनों में स्लीपर के यात्री का फर्स्ट एसी में नहीं होगा अपग्रेडेशन

जमशेदपुर, एजेंसी। ट्रेनों के स्लीपर श्रेणी में सफर करने वाले यात्रियों को अपग्रेडेशन के तहत फर्स्ट एसी में यात्रा करने की सुविधा नहीं मिलेगी। रेल मंत्रालय ने आदेश जारी करते हुए अपग्रेडेशन नीति में संशोधन करते हुए सुविधाओं में कटौती की है।

रेलवे बोर्ड के निदेशक (पैसेंजर मार्केटिंग-2) द्वारा जारी आदेश के तहत किसी भी ट्रेन में उपलब्ध सीटों के अधिकतम उपयोग के उद्देश्य से रेल प्रशासन वेटिंग सूची के यात्रियों को अपग्रेडेशन सुविधा का लाभ देती थी।

2006 से शुरू इस योजना के तहत उपलब्ध रिक्त स्थान के बदले में पूरा किराया देने वाले यात्रियों को उच्च श्रेणी में अपग्रेडेशन की सुविधा देती थी, लेकिन अब इस नीति में परिवर्तन किया गया है।

नए नियम के तहत अब स्लीपर के वेटिंग टिकट वाले यात्रियों का अपग्रेड पहले विकल्प के रूप में थर्ड एसी इकोनॉमी या थर्ड एसी में होगा। यहां सीट

रेलवे ने लागू किया नया नियम

उपलब्ध नहीं होने पर उन्हें संबंधित यात्री के टिकट को दूसरे विकल्प के रूप में सेकेंड एसी में अपग्रेड किया जाएगा।

वहीं, सेकेंड एसी के यात्री का ही अपग्रेडेशन फर्स्ट श्रेणी में हो पाएगा। इसी तरह, सेकेंड सीटिंग के यात्री की टिकट को अब केवल एसी चेयरकार में अपग्रेडेशन मिलेगा, जबकि चेयरकार के यात्री को एक्जीक्यूटिव चेयरकार व विस्टाडोम कोच में और विस्टाडोप कोच के यात्रियों को एक्जीक्यूटिव अनुभूति श्रेणी में ही अपग्रेड किया जाएगा।

नई व्यवस्था क्रिस में अपलोड होने के बाद यह व्यवस्था पूरे देश में प्रभावी होगी। नई व्यवस्था राजधानी, दुरंतो सहित सभी तरह के ट्रेनों में प्रभावी होगी।

किसी यात्रा के लिए ट्रेन में टिकट बुक कराते समय संबधित यात्री को आवेदन फार्म में अपग्रेडेशन का विकल्प चुनना होगा, तभी उन्हें अपग्रेडेशन की सुविधा मिलेगी। आइआरसीटीसी से ऑनलाइन टिकट बुक कराते समय यात्रियों को ऑटोमेटिक अपग्रेडेशन की सुविधा मिलती है।

रेल मंत्रालय द्वारा जारी आदेश के तहत वैसे वरिष्ठ नागरिक, जिन्होंने निचले बर्थ कोर्ट के तहत बुकिंग कराई है, ऐसे यात्री यदि अपग्रेडेशन का विकल्प चुनते हैं तो उन्हें रेलवे की ओर से एक मैसेज भेजा जाए कि आपका टिकट अपग्रेडेशन के तहत निचली सीट मिल सकती है या नहीं। इसके लिए क्रिस सॉफ्टवेयर में आवश्यक अपडेट करने का आदेश दिया गया है। वहीं, रेल मंत्रालय ने आदेश दिया है कि सभी रिक्त सीटों को बिना किसी रोक के अपग्रेडेशन का लाभ दिया जाए।

साथ ही आदेश में स्पष्ट कहा गया है कि यदि भविष्य में कोई नई श्रेणी शुरू की जाती है तो यात्रियों को अपग्रेडेशन का लाभ केवल दो स्तरों तक ही मिलेगी।

एसडीपीओ को रेहला थाना में घुसने से रोकना थाना प्रभारी को पड़ा महंगा, एसपी ने लिया एक्शन

विश्रामपुर (पलामू), एजेंसी। विश्रामपुर एसडीपीओ को रेहला थाना में घुसने से रोकना थाना प्रभारी को महंगा पड़ा। इस मामले में एसपी रीष्मा रमेशन ने कार्रवाई करते हुए थाना प्रभारी संतोष कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया।

दरअसल, पूरा मामला बुधवार की रात का है, जब विश्रामपुर एसडीपीओ आलोक कुमार टूटी ने अवैध रूप से बालू का उठाव करते हुए एक ट्रैक्टर को पकड़ा। वह ट्रैक्टर को लेकर रेहला थाना गए, लेकिन थाने के मुख्य गेट पर ताला लगा हुआ था।

एसडीपीओ ने तत्काल थाना प्रभारी को कॉल किया, लेकिन कॉल का कोई जवाब नहीं मिला। इस दौरान एसडीपीओ ने मौके पर तैनात ऑन ड्यूटी पुलिस अधिकारी से जानकारी ली। जिसमें उनको बताया गया कि थाना प्रभारी के निर्देश पर गेट पर ताला लगा हुआ है।

इस मामले में एसडीपीओ ने रिपोर्ट बनाकर एसपी को दी। जिसके आधार पर एसपी ने कार्रवाई करते हुए थाना प्रभारी संतोष कुमार को निलंबित कर दिया। उनके स्थान पर शहर थाना में तैनात सब इंस्पेक्टर गुलशन बिरुआ को रेहला का नया थाना प्रभारी बनाया गया है।

उन्होंने शुक्रवार को थाना प्रभारी के पद पर योगदान दे दिया। उन्होंने कहा कि अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। इसके अलावा पुलिस और पब्लिक के बीच की दूरी को कम करना है। पुलिस हमेशा सेवा कार्य के लिए तत्पर है।

कौन सी शादी? कैसी शादी, हम लोग कुछ नहीं जानते, फिर तिलक की राह देख रहा दूल्हा पहुंच गया थाना

विश्रामपुर (पलामू), एजेंसी। रेहला थाना क्षेत्र के सिगसीगी पंचायत अंतर्गत सुलूमदाग जावा खांड़ में 15 अप्रैल को सुजीत कुमार उरांव के घर पर चहल-पहल थी। उसके नाते- रिश्तेदार, पास-पड़ोसी, दोस्त-यार, ग्रामीण सभी जुटे हुए थे।

सभी को खिलाने के लिए मुर्गा-भात बन चुका था। मौका सुजीत कुमार उरांव के तिलक का था। जो भवनाथपुर थाना क्षेत्र के मकरी गांव के जमुना उरांव के घर से आने वाला था। लेकिन निर्धारित समय तक तिलक लेकर दुल्हन पक्ष के लोग नहीं पहुंचे तो वर पक्ष के लोगों को चिंता होने लगी।

उसके बाद जब लड़की के जीजा जितेंद्र उरांव को फोन किया गया तो जीजा ने कहा कि कौन सी शादी, कैसी शादी, हम लोग कुछ नहीं जानते हैं। इस पर वर पक्ष की ओर से लड़की के गांव में लोकल परिचितों को भेजा गया तो पता चला कि सास-ससुर समेत दुल्हन को उसका बहनोई कहीं भगा ले गया है।

इस पर वर पक्ष के लोग रेहला थाना पहुंचे। जहां सुजीत कुमार उरांव के पिता कपिलदेव उरांव ने आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने बताया कि दुल्हन पक्ष की ओर से उनको धोखा दिया गया है।

तिलक समारोह में मेहमान भी आ चुके थे। घर को चारों ओर से सजाया भी गया था। मुर्गा चावल भी बना हुआ था। उनके लड़का का शादी कार्ड भी बंट गया था। बरात जाने के लिए गाड़ी, डीजे, फूल-माला सभी बुक कर दिया गया था। जिसमें उनका लाखों रुपया का नुकसान हुआ है।

पुलिस धोखाधड़ी का मामला दर्ज करते हुए उनके द्वारा खर्च की गई राशि को दुल्हन पक्ष से दिलाने का कार्य करें तभी उनको राहत मिलेगी अन्यथा बर्बाद हो जाएंगे।

झारखंड से निकाले जाएंगे बांग्लादेशी और रोहिंग्या

एसटीएफ करेगी इनकी पहचान, जिलों में बनेंगे होल्डिंग सेंटर

रांची, एजेंसी। झारखंड में रह रहे बांग्लादेशियों और रोहिंग्या को चुन-चुन कर निकाला जाएगा। जल्द ही इसकी कवायद प्रदेश में शुरू कर दी जाएगी। इसके लिए स्पेशल टास्क फोर्स सभी जिलों में बनाया जाएगा। यही स्पेशल टास्क फोर्स बांग्लादेशियों और रोहिंग्या को चिह्नित करने का काम करेगी। इस बाबत केंद्र की ओर से राज्य के चीफ सेक्रेटरी को पत्र लिखा गया है। 2 मई को लिखे गए पत्र में पूरा प्रोसिजर बताया गया है।

जिलों में बनाए जाएंगे होल्डिंग सेंटर्स : केंद्र की ओर से सभी राज्य को यह पत्र भेजा गया है। जिसमें कहा गया है कि सरकारें अवैध तरीके से रहने वाले बांग्लादेशी और म्यांमार निवासियों को चिह्नित करें। इसके बाद इन्हें होल्डिंग सेंटर में रखें। चिह्नित बांग्लादेशियों और रोहिंग्या को होल्डिंग सेंटर पर रखने के लिए सभी जिले में ऐसा सेंटर बनाने को कहा है।

केंद्र ने कहा है कि ऐसा करने के लिए

जिलावार स्पेशल टास्क फोर्स बनाएं, ताकि इन्हें डिपोर्ट किया जा सके। होल्डिंग सेंटर में जांच-पड़ताल पूरी करने के बाद उन्हें बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स और कोस्ट गार्ड्स को सौंपा जाएगा। इसके बाद संबंधित देश को उनके नागरिकों को सौंपा जाएगा।

नागरिकता के दावे पर 30 दिनों में सत्यापन : पत्र में कहा गया है कि अगर कोई बांग्लादेशी या रोहिंग्या भारतीय नागरिक होने का दावा करते हैं और वे बताते हैं कि संबंधित राज्य में वह रहते हैं तो संबंधित राज्य सरकार, होम सेक्रटरी और जिला प्रमुख उसका नाम, माता-पिता, आवासीय पता, निकटतम रिश्तेदारों का विवरण उक्त राज्य में भेजेगा। इसके बाद संबंधित राज्य/जिला प्रमुख 30 दिनों के भीतर उक्त आदमी के दावे का सत्यापन कर संबंधित राज्य सरकार के जिला प्रमुख को रिपोर्ट सौंपेगी। पत्र में कहा गया है कि राज्य सरकार सभी जिले के प्रमुख को वेरिफिकेशन के लिए दिशा-निर्देश जारी करे। इसके बाद चिह्नित होने पर संबंधित व्यक्ति को उनके देश भेजने तक होल्डिंग सेंटर पर रखा जाएगा।

संथाल में आदिवासी घुसपैठ है बड़ा मुद्दा : झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठ बड़ा मुद्दा है। विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा ने इसे चुनावी मुद्दा बनाया था। वहीं बांग्लादेशी घुसपैठ को लेकर झारखंड हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक सुनवाई चल रही है। झारखंड हाईकोर्ट में केंद्र सरकार की ओर से पक्ष रखते हुए सॉलिसिटर जनरल ऑफ इंडिया तुषार मेहता ने कहा था कि संथाल परगना में बांग्लादेशियों की घुसपैठ की स्थिति अलार्मिंग है।

वहीं याचिकाकर्ता के वकील ने राष्ट्रीय जनगणना के हवाले से हाईकोर्ट के समक्ष जो डेटा पेश किया, उसके मुताबिक साल 1951 में संथाल परगना क्षेत्र में आदिवासी आबादी 44.67 प्रतिशत से घटकर साल 2011 में 28.11 प्रतिशत हो गई। इसके पीछे की एक बड़ी वजह बांग्लादेशी घुसपैठ है।

धुर्वा में दोहरे हत्याकांड का खुला राज, दुष्कर्म का बदला लेने के लिए काट दिए युवकों के सिर

तुपुदाना (रांची), एजेंसी। धुर्वा थाना क्षेत्र के गरसुल बांध के पास मिले दो युवकों के शव की पहचान के बाद पुलिस हत्या के पीछे के कारण का भी पता लगा चुकी है। सूत्रों के अनुसार इस हत्याकांड के मुख्य आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया है।

पूछताछ में पुलिस को जानकारी मिली है कि कुछ दिनों पहले दोनों युवकों ने मिलकर खूंटी जिले की एक नाबालिग के साथ दुष्कर्म किया था। पीड़िता का रिश्तेदार खुद जिले का कुख्यात अपराधी है। उसे घटना की जनकारी मिली, जिसके बाद वह गुस्से से पागल हो गया।

बदला लेने के प्लान के तहत उसने अपने कुछ गुर्गों को उनके पीछे लगाया, जो धीरे-धीरे उनसे घुलमिल गए। इसके बाद बीते शनिवार को उसने अपने गुर्गों के जरिए दोनों युवकों तक मैसेज भिजवाया कि धुर्वा के गरसुल बांध के पास एक पार्टी रखी गई है। गुर्गे दोनों को लेकर गरसुल बांध के पास पहुंचे और वहां उन्हें खिलाने-पिलाने के बाद मौका देखकर दोनों के गर्दन काटकर हत्या कर दी।

शवों को वहीं छोड़कर सभी मृतकों की केटीएम बाइक और मोबाइल फोन लेकर फरार हो गए। ये जानकारी गिरफ्तार किए गए मुख्य आरोपित ने पुलिस को दी है। हालांकि, पुलिस अभी इसकी पुष्टि नहीं कर रही है। संभवतः शुक्रवार को प्रेस कान्फ्रेंस कर पुलिस पूरी जानकारी देगी।

रांची और खूंटी पुलिस लगातार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापामारी कर रही थी। टेक्निकल सेल की मदद से मुख्य आरोपित को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने पहले तो पुलिस को घूमाने का प्रयास किया, लेकिन टेक्निकल सेल द्वारा जुटाए गए साक्ष्य एवं सख्ती के आग टूट गया। इसके बाद युवकों की हत्या करने की बात कबूल ली।

पूछताछ में उसने बताया कि हत्याकांड में उसके अलावा उसके चार-पांच और साथी शामिल हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार आरोपित कुख्यात अपराधी है। उसपर दर्जनों मामले दर्ज हैं।

धुर्वा थाना क्षेत्र के बालसिरिंग स्थित गरसुल बांध के पास 11 मई को दो युवकों की सिर कटी लाश मिली थी। अगले दिन शवों की पहचान हुई। दोनों मृतक खूंटी थाना क्षेत्र के चामडी गांव के रहने वाले थे। उसके बाद पुलिस ने रिम्स के मार्चरी हाउस से दोनों के शव परिजनों को सौंप दिए थे।

इसके बाद धुर्वा थाने में इंस्पेक्टर विमल किड़ो के लिखित आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज की गई थी। हटिया डीएसपी प्रमोद कुमार मिश्रा के नेतृत्व में लगातार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापामारी की जा रही थी, जिसके बाद मुख्य आरोपित की गिरफ्तारी हुई।

रांची में सरकारी शराब दुकान में 45 लाख का गबन, 4 कर्मियों पर दर्ज हुई एफआईआर

रांची, एजेंसी। राजधानी के शराब दुकानों में काम करने वाले कर्मचारी लगातार चोरी और गबन कर रहे हैं।ताजा मामला रांची के लालपुर थाना क्षेत्र का है।यहां स्थित एक सरकारी शराब दुकान के कर्मचारियों ने 45 लाख रुपए का गबन किया है।मामले को लेकर लालपुर थाने में शराब दुकान के चार कर्मचारियों पर एफआईआर दर्ज करवाई गई है।

लालपुर थाने में मामला दर्ज

रांची के लालपुर थाना क्षेत्र के करमटोली चौक के पास स्थित सरकारी शराब दुकान में करीब 45 लाख रुपए का गबन कर लिया गया है।गबन का आरोप दुकान के चार कर्मचारियों गोवर्धन ठाकुर, निरंजन उरांव, राकेश कुमार और सौरभ कुमार सिंह पर लगा है।इस मामले में सरकारी शराब दुकानों से पैसा वसूली के लिए नियुक्त कंपनी एमएस फ्रंटलाइन बिजनेस सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंधक सर्वजीत कुमार ने चारों के खिलाफ लालपुर थाने में बुधवार को प्राथमिकी दर्ज करायी है।

क्या है एफआईआर में

कंपनी के प्रबंधक की ओर से थाना में दिए गए आवेदन में कहा गया है कि आरोपियों ने जुलाई 2023 से फरवरी 2025 के बीच गबन किया है।इसका खुलासा ऑडिट के बाद भौतिक सत्यापन के दौरान हुआ है।जिसमें पाया गया कि जुलाई 2023 से फरवरी 2025 के बीच करीब 16 करोड़ की शराब दुकान में होनी चाहिए थी।लेकिन जांच में यह पता चला कि 27 मार्च 2024 और 25 अक्टूबर 2024 को दुकान में चोरी हुई थी।उस समय 21 लाख की शराब चोरी हुई थी।

उसके बाद जनवरी 2025 को दुकान में आग लग गई थी।जिसमें एक करोड़ से अधिक की क्षति हुई थी।इस हिसाब से 14 करोड़ 66 लाख रुपए सरकारी खाता में जमा होना चाहिए था।मगर 14 करोड़ 21 लाख रुपए ही सरकार के खाते में जमा हुआ।करीब 45 लाख रुपए का गबन किया गया है।वहीं एफआईआर दर्ज होने के बाद लालपुर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

ईजी मनी के चक्कर में साइबर क्राइम की दलदल में फंस रहे युवा, 5 गिरफ्तार

दुमका, एजेंसी। जिले में ईजी मनी प्राप्त करने के चक्कर में युवा साइबर क्राइम की दलदल में फंसते जा रहे हैं। शुक्रवार को पुलिस ने 20 - 22 साल उम्र के पांच युवकों को साइबर ठगी के मामले में गिरफ्तार किया। इन सभी को जेल भेज दिया गया है। दुमका के तालझारी थाना की पुलिस ने प्रतिबिंब एप के माध्यम से साइबर ठगी करने वाले पांच शातिर ठगों को गिरफ्तार कर शुक्रवार को जेल भेज दिया। सभी लोग एक पहाड़ी पर बैठ लोगों को ठगने का प्रयास कर रहे थे। गिरफ्तार युवकों के नाम वरुण यादव, संजय यादव, विनय यादव, कुंदन यादव और पप्पू मंडल है। ये पांचों 20 - 22 वर्ष के हैं। पप्पू मंडल साइबर क्राइम के मामले में ही पहले भी जेल जा चुका है।

ये सभी लोग कस्टमर केयर में अपना

मोबाइल नंबर डालकर लोगों को शिकार बनाते थे। इसके साथ ही लोगों के मोबाइल फोन पर लॉटरी, इनाम, लोन और अन्य तरीकों से रुपए का लालच देकर अपना शिकार बना लेते थे। पुलिस ने इनके पास से एक बाइक, 11 स्मार्ट फोन, 23 सिम और आठ एटीएम कार्ड बरामद किए हैं। एसपी पीतांबर सिंह खेरवार ने बताया कि सूचना मिली कि हेठतीनघरा पहाड़ पर कुछ लोग झाड़ी में बैठकर साइबर ठगी कर रहे हैं। सभी को पकड़ने के लिए छापेमारी दल का गठन किया गया। जिसमें यह सफलता मिली है। पूछताछ में आरोपितों ने स्वीकार किया कि वे गूगल के कस्टमर केयर में अपना मोबाइल नंबर डालकर लोगों को शिकार बनाते थे। ठगी के लिए हर हथकंडा अपनाते थे। ईजी मनी के चक्कर में इस क्षेत्र को अपनाया। एसपी ने बताया कि पप्पू पहले भी साइबर ठगी में जेल जा चुका है।

इनके पास से बहुत सी जानकारी हाथ लगी है, उसी के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है।उन्होंने जानकारी दी कि साइबर क्रिमिनल को पकड़ने के लिए पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है और पिछले 45 दिनों में 20 से अधिक साइबर को जेल भेजा जा चुका है। उन्होंने आम जनता से अपील की कि कोई भी आपको आसानी से किसी तरह का इनाम या रुपए नहीं देने वाला है। यह सब साइबर क्रिमिनल्स का जाल होता है। इस अपराध से अगर आप बचाना चाहते हैं तो जागरूक बनिए।

देवघर में मिड-डे-मील खाने के बाद बच्चों की तबीयत बिगड़ी, आनन-फानन में छात्रों को अस्पताल में कराया गया भर्ती

देवघर, एजेंसी। जिले के मोहनपुर प्रखंड के जमुनिया विद्यालय में गुरुवार को मध्याह्न भोजन (मिड-डे-मील) खाने के बाद कुछ बच्चों की तबीयत बिगड़ गई।स्कूल से घर पहुंचने के बाद कुछ बच्चों को अचानक उल्टी होने लगी।परिजनों ने बच्चों की स्थिति देखकर उन्हें आनन-फानन में अस्पताल में भर्ती करवाया।

अस्पताल में बच्चों का इलाज शुरू किया गया।चिकित्सक के अनुसार दो से तीन बच्चों की तबीयत ज्यादा खराब थी।इस कारण उनका इलाज किया जा रहा है और बाकी सभी बच्चों को जांच के बाद घर भेज दिया गया है।हालांकि इस दौरान परिजन काफी सहमे नजर आए।अस्पताल में परिजनों की भीड़ लग गई थी। वहीं, पूरे मामले पर देवघर के जिला शिक्षा पदाधिकारी विनोद कुमार ने बताया कि जैसे ही उन्हें जानकारी मिली उन्होंने संबंधित पदाधिकारी से बात की।जिसमें बताया गया कि दो-तीन बच्चों की ही तबीयत खराब हुई थी।अन्य बच्चे शक की वजह से अस्पताल में भर्ती हो गए थे।जिला शिक्षा पदाधिकारी ने बताया कि वर्तमान में सभी बच्चों की स्थिति सामान्य है।उन्होंने कहा कि जिन दो-तीन बच्चों की तबीयत ज्यादा खराब है उनके संबंध में डॉक्टर से बात कर रहे हैं और उनके इलाज को लेकर निगरानी बनाए हुए हैं।जिला शिक्षा पदाधिकारी ने कहा कि मामले की जांच के लिए पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया है।जांच रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा कि तबीयत खराब होने की वजह मध्याह्न भोजन है या फिर किसी अन्य कारण से बच्चों की तबीयत खराब हुई है।

Page 3_16.12.2018 PAGE-04.qxd 17-05-2025 22:10 Page 1

अंतिम संस्कार में गये तीन लोग डूबे, सनसनी

▸ मृतक में पिता-पुत्र भी शामिल
▸ एक की लाश बरामद, खोज जारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रोहतास। जिले के नौहट्टा थाना क्षेत्र अंतर्गत उल्ही सोन नदी घाट पर शनिवार को बड़ा हादसा हो गया। एक ही परिवार के तीन सदस्य, जिनमें पिता-पुत्र और एक अन्य रिश्तेदार शामिल हैं, नदी में डूब गए। घटना के बाद अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन और स्थानीय गोताखोरों ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। अब तक एक युवक रितेश शर्मा (पुत्र सत्येंद्र शर्मा) का शव बरामद कर लिया गया है। जबकि नागेश्वर शर्मा (65) और उनके पुत्र रंजन शर्मा (20) की खोजबीन अभी भी जारी है। बताया जा रहा है कि तीनों लोग काजीपुर गांव से उदय शर्मा की माता के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए आए थे। संस्कार के बाद परंपरा के अनुसार कुछ लोग नदी में स्नान करने चले गए। इसी दौरान तीनों व्यक्ति गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। स्थानीय लोगों ने बचाव की कोशिश की, लेकिन सिर्फ रितेश शर्मा के शव को ही बाहर निकाला जा सका।

घटना की सूचना मिलते ही नौहट्टा थाना पुलिस, अंचलाधिकारी, और स्थानीय प्रशासन मौके पर पहुंच गए। स्थानीय गोताखोरों के साथ-साथ एसडीआरएफ की टीम को भी सूचना दी गई है। सासाराम सदर अस्पताल में एक शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। तीनों के डूबने की खबर से परिवार में कोहराम मच गया है। गांव में मातमी सन्नाटा छा गया है। घटना स्थल पर भीषण गर्मी के बावजूद बड़ी संख्या में लोग मौजूद हैं।

विशेषज्ञों और स्थानीय ग्रामीणों के मुताबिक, सोन नदी में हो रहे अवैध बालू खनन के चलते घाटों पर गहरे गड्ढे बन गए हैं, जो नहाने वालों के लिए जानलेवा साबित हो रहे हैं। हाल ही में तुंबा गांव के पास भी इसी तरह के हादसे में सात बच्चों की मौत हुई थी।

युवती ने होमगार्ड प्रत्याशी को जड़ा थप्पड़

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नाथनगर। सीटीएस मैदान के रनिंग ट्रैक पर स्कूटी चलाने से मना करने पर शुक्रवार की शाम एक युवती ने होमगार्ड अभ्यर्थी को थप्पड़ जड़ दिया। जिसके बाद बवाल मच गया।

दोनों पक्ष के लोग आमने-सामने हो गए। दोनों ओर से पत्थरबाजी होने लगी। जिसमें दोनों पक्ष के कई लोग जख्मी हो गए। घायलों को जेएलएनएमसीएच में भर्ती कराया गया।

स्थिति अराजक होते देख किसी ने पुलिस को घटना की जानकारी दे दी। 10-15 मिनट में ही आधा दर्जन थाना की पुलिस मौके पर पहुंच गई।

खुद एसएसपी, एसडीएम, डीएसपी भी पहुंचे और पार्षद व शांति समिति से जुड़े लोगों के साथ मिलकर मामला शांत कराया। बताया जा रहा है कि गुरुवार की शाम से विवाद चल रहा था। जो शुकवार की शाम मारपीट में तब्दील हो गया।

अपार्टमेंट में शार्ट सर्किट से लगी भीषण आग

आधा दर्जन दमकल की गाड़ियों ने आग पर पाया काबू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। दीघा क्षेत्र में स्थित सिग्नेचर टावर अपार्टमेंट में शनिवार दोपहर भीषण आग लग गई। आग लगते ही अपार्टमेंट के सभी फ्लैट के लोग बाहर निकल गए। फौरन अग्निशमन की टीम को सूचना दी। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आग इतनी भीषण थी कि अग्निशमन कर्मियों को दीवार तोड़कर टावर परिसर में घुसना पड़ा। इसके बाद अग्निशमन विभाग की टीम ने आधा दर्जन से अधिक दमकल की गाड़ियों की मदद से कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पाया। आग को बुझाने के लिए अग्निशामक अधिकारियों ने विशेष उपाय करना पड़ा।

अग्निशमन विभाग के अजित कुमार ने बताया कि आग की सूचना मिलने के बाद पांच बड़ी और तीन छोटी दमकल गाड़ियों के साथ-साथ हाइड्रोलिक मशीन का उपयोग किया गया। प्रारंभिक जांच में यह पता चला है कि आग बेसमेंट में शॉर्ट सर्किट के कारण लगी थी। बेसमेंट में धुंआ भर जाने के कारण अंदर जाना बेहद कठिन हो गया था, जिससे स्थिति को नियंत्रित करना चुनौतीपूर्ण हो गया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि अधिकारियों ने समय पर कार्रवाई की नहीं तो आग की लपटें बेसमेंट में खड़ी 30 गाड़ियों को भी नुकसान पहुंचा सकती थी। इस घटना के बाद सभी निवासियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया, जिससे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। अपार्टमेंट में रहने वाले मदन दुबे ने बताया कि उन्होंने पहले भी बिल्डर के खिलाफ शिकायत की थी और नगर निगम के अधिकारियों को जानकारी दी थी। इसके अलावा, मामले में न्यायालय में केस भी चल रहा है। उन्होंने कहा कि अगर समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जाता, तो यह एक बड़ी दुर्घटना बन सकती थी।

करंट से दो चचेरे भाईयों की मौत

सारण। जिले के डेरनी थाना क्षेत्र अंतर्गत पिरारी गांव में करंट लगने से दो चचेरे भाइयों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान भेल्दी थाना क्षेत्र के बसौता गांव निवासी हसेंद्र सिंह के पुत्र आलोक कुमार सिंह और बासुदेव सिंह के पुत्र अनीश कुमार सिंह के रूप में की गई है। दोनों रिश्ते में चचेरे भाई थे और एक साथ बारात में शामिल होने के बाद अपने ननिहाल पहुंचे थे। मिली जानकारी के अनुसार आलोक और अनीश एक रथ को लेकर इसुआपुर थाना क्षेत्र के भिठ्ठी गांव से डेरनी थाना के खिड़कियां गांव में बारात लगाने के लिए गए थे। द्वारपूजा की रस्म पूरी होने के बाद दोनों अपने ननिहाल पिरारी गांव आ गए।

जिंदा बमों के मिलने से सनसनी

किया गया निष्क्रिय, भय और असुरक्षा का माहौल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मधुबनी। जिले के रुद्रपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत रखबारी गांव में उस समय हड़कंप मच गया जब कमला तटबंध के पास तीन जिंदा बम बरामद किए गए। बम मिलने की सूचना पर इलाके में अफरातफरी का माहौल बन गया। मौके पर पुलिस, प्रशासन और बम निरोधक दस्ता तुरंत सक्रिय हुआ और तीनों बमों को सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय कर दिया गया।

जानकारी के मुताबिक, घटना की शुरूआत तब हुई जब गांव निवासी भरत पासवान की कुछ भैंसें रोज की तरह तटबंध की ओर चरने गई थीं। उनमें से एक भैंस कमला बलान नहर में पानी पीने के लिए उतरी और बाहर निकलते समय उसके पैर के नीचे एक जर्दा डिब्बे में रखा सुतली बम फट गया, जिससे भैंस आंशिक रूप से घायल हो गई। इस छोटे से विस्फोट ने पूरे गांव में सनसनी फैला दी।

सूचना मिलते ही रुद्रपुर थानाध्यक्ष आयशा कुमारी, झंझारपुर सर्किल इंस्पेक्टर बीके ब्रजेश, झंझारपुर एसडीएम समेत भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। स्थिति को गंभीरता से लेते हुए दरभंगा से विशेष बम निरोधक दस्ता (बीडीडीएस) को बुलाया गया। बम निरोधक दस्ते ने नहर के पानी को पंपसेट की मदद से बाहर निकाला और सतह पर करीब दो फीट गड्ढा खोदकर जूट की बोरी बिछाई। बम निरोधक छड़ी से तलाशी के दौरान तीन जिंदा बम होने के संकेत मिले। सभी बमों को बोरे पर रखा गया और सुरक्षित तरीके से मिट्टी में भिगोकर आग लगाकर निष्क्रिय किया गया।

इस अभियान में बीडीडीएस के हवलदार विजय कुमार सिंह, धनंजय प्रसाद और सुधीर कुमार महतो शामिल रहे।

उनके नेतृत्व में पूरी कार्रवाई को अंजाम दिया गया। चारों ओर से सुरक्षा घेरे में लिए गए इलाके में तमाशा देख रही भीड़ को भी हटाया गया ताकि कोई अप्रिय घटना न हो।

घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों में भारी डर और बेचैनी का माहौल है। लोग सहमे हुए हैं और सवाल कर रहे हैं कि आखिर बम तटबंध के पास कैसे पहुंचे? ग्रामीणों का कहना है कि यह इलाका शांत माना जाता था, लेकिन अब उन्हें अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता सताने लगी है।

जमीन विवाद में पिता-पुत्र की गोली मारकर हत्या

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

वजीरगंज। गया जिले के वजीरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत नगर पंचायत के दखिनगांव में एक सनकी युवक ने शनिवार को अपने ही चाचा 65 वर्षीय अशोक सिंह एवं उनके पुत्र 30 वर्षीय कुणाल कुमार को दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी। सूचना पर अपर पुलिस अधीक्षक अनवर जावेद अंसारी एवं वजीरगंज डीएसपी सुनील कुमार पांडे पुलिस बल के साथ पहुंचे। इस मामले की छानबीन में जुट गए। डीएसपी ने बताया कि घटनास्थल से देसी पिस्टल का दो खोखा बरामद हुआ है। दोनों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

उन्होंने बताया कि स्थल पर ग्रामीणों से मिल रहे संकेत के अनुसार प्रथम दृष्टया हत्या का कारण जमीनी विवाद सामने आ रहा है। घटना को अंजाम देने में मृतक अशोक सिंह का भतीजा नीतीश कुमार को चिह्नित किया गया है। हत्या के बाद वह फरार है।

जिसकी गिरफ्तारी के लिए वजीरगंज थानाध्यक्ष द्वारा लगातार छापामारी की जा रही है। स्थल पर जमे ग्रामीणों के अनुसार नीतीश ने पहले अपने चाचा अशोक सिंह को घर में घुसकर गोली मारी, फिर करीब पांच सौ मीटर दूर अवस्थित मोटर पंप के केबिन में कुणाल बैठा था, जहां पहुंचकर उसे भी गोली मारकर वहां से फरार हो गया।

पिता-पुत्र की हत्या से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। जितने मुंह उतनी बातें होने लगी। दोनों की हत्या के बाद उनके घर में कोई वारिस नहीं बचा। उनकी एक बेटी विवाहित है जो ससुराल में रहती है, उन्हें घटना की सूचना देकर यहां बुलाया गया, फिर उनके बयान पर पुलिस ने प्राथमिकी कर आगे की कार्रवाई प्रारंभ की है।सूत्रों के अनुसार कुणाल एक प्रतिभावान छात्र था, जो दिल्ली में रहकर यूपीएससी की तैयारी कर रहा था। शनिवार को भी वह दिल्ली जाने के लिए तैयार था। पड़ोस के एक ग्रामीण ने बताया कि कुछ ही देर बाद वह दिल्ली के लिए निकलने वाला था।

इसी बीच उसके पिता अशोक सिंह एवं नीतीश के साथ जमीनी मामले को लेकर बहस होने लगी, लेकिन कुणाल इस बहस में नहीं पड़कर घर से कुछ दूरी पर अवस्थित मोटर पंप के केबिन में चला गया। लेकिन ईश्वर को यह मंजूर नहीं था इसमें बहस से अलग हो जाने के बाद भी मौत उसका पीछा नहीं छोड़ा।

वजीरगंज थाना क्षेत्र के दखिनगांव निवासी अशोक सिंह पिता सबित सिंह एवं कुणाल सिंह पिता अशोक सिंह हत्याकांड को गयाजी के वरीय पुलिस अधीक्षक आनंद कुमार ने गंभीरता से लेते हुए अपर पुलिस अधीक्षक, गयाजी के मार्गदर्शन एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वजीरगंज के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया।

पेड़ गिरने से वृद्ध की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नबीनगर। बिहार में शनिवार को मौसम अचानक बदला और तेज आंधी से कई जगहों पर बारिश भी हुई। तेज आंधी के साथ हुई वर्षा से शनिवार को ग्रामीणों को परेशानी हुई। माली रोड, नबीनगर-अंबा पथ एवं नबीनगर-बारुण पथ में सड़क के किनारे कई जगह पर पेड़ गिर गया। प्रखंड के चंद्रगढ़ पंचायत के कर्मा फतेहपुर गांव में शनिवार के दोपहर तेज आंधी एवं वर्षा होने के कारण घर के ऊपर पेड़ गिरने से दीवार के नीचे दबकर 69 वर्षीय वृद्धा जनक देवी की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार जनक देवी तेज वर्षा एवं आंधी से बचने के लिए घर में छिपी हुई थी। तभी आंधी में पेड़ गिरने से दीवार गिर गई। उसमें दबने के कारण वृद्धा की मौत हो गई। ग्रामीणों के द्वारा घटना की सूचना नबीनगर पुलिस को दिया गया। सूचना मिलने पर मौके पर दलबल के साथ पुलिस पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए औरंगाबाद सदर अस्पताल भेज दिया।

दो बच्चों संग लापता महिला सकुशल बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। वैशाली जिले में एक महिला के अपने दो छोटे बच्चों संग अचानक लापता हो जाने की घटना ने पूरे इलाके में हड़कंप मचा दिया था। हालांकि पुलिस की त्वरित कार्रवाई और सूझबूझ से महज 24 घंटे के भीतर महिला और उसके दोनों बच्चों को सकुशल बरामद कर लिया गया। घटना तीसीऔता थाना क्षेत्र की है। जहां चंदा देवी नामक महिला अपने दो बेटों सुभम और रौनक के साथ घर से यह कहकर निकली थी कि वह मोबाइल रिपेयर कराने बाजार जा रही है। लेकिन इसके बाद उसका परिवार उससे संपर्क नहीं कर सका, जिससे घर में चिंता और अफरातफरी का माहौल पैदा हो गया।

महिला के ससुर परमानंद चौधरी ने तीसीऔता थाने पहुंचकर अपनी बहू और दो पोतों के लापता होने की सूचना दी। उन्होंने बताया कि महिला का पति गोवा में मजदूरी करता है, और घर पर चंदा देवी ही बच्चों के साथ रहती थी। सूचना मिलते ही थाना अध्यक्ष सत्येंद्र कुमार सत्यार्थी के नेतृत्व में पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू की और लापता महिला की मोबाइल लोकेशन ट्रेस की।

मोबाइल ट्रैकिंग के जरिए महिला की लास्ट लोकेशन हाजीपुर में पाई गई। इसके बाद पुलिस तत्काल हाजीपुर रवाना हुई और सटीक कार्रवाई कर महिला और उसके दोनों बच्चों को बरामद कर लिया। पुलिस के अनुसार, महिला से पूछताछ की जा रही है। हालांकि उसके द्वारा दी गई जानकारियों में विरोधाभास पाया गया है, जिससे पुलिस अभी स्पष्ट रूप से कुछ कहने की स्थिति में नहीं है।

थाना अध्यक्ष सत्येंद्र कुमार सत्यार्थी ने जानकारी दी कि परिजनों की लिखित शिकायत पर कार्रवाई शुरू की गई थी। मोबाइल लोकेशन के आधार पर महिला और बच्चों को ढूंढ़ निकाला गया है।

वॉट्सऐप चैटिंग के जरिए अवैध हथियारों की तस्करी

तीन चढ़े पुलिस के हत्थे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। पटना से आई एसटीएफ टीम एवं भोजपुर जिला पुलिस ने वॉट्सऐप पर अवैध हथियारों की सेल का राजफाश करते हुए तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। साथ ही पकड़े गए सदस्यों के पास से एक पिस्टल एवं पांच कारतूस बरामद किया गया है।

इसके अलावा तस्करी में प्रयुक्त मोबाइल फोन भी जब्त किया गया है। मोबाइल में भी हथियार समेत फोटो भी पाया गया है। गिरफ्तारी टाउन थाना क्षेत्र के मझौंवा बांध एवं एमपी बाग मोहल्ले से हो सकी। इसकी जानकारी शनिवार को एसपी राज ने पुलिस कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में दी। उन्होंने बताया कि इस मामले में मुफस्सिल थाना के सनदियां गांव निवासी श्रवण यादव के अलावा आरा के पत्थर गली, एमपी बाग निवासी दो कम उम्र के लड़कों पकड़ा गया है।

इसे लेकर टाउन थाना में आर्म्स एक्ट के तहत पांच के विरुद्ध प्राथमिकी की गई है। दो अन्य सदस्यों की तलाश जारी है। एसपी के अनुसार पटना एसटीएफ को गुप्त सूचना मिली थी कि वॉट्सऐप चैटिंग के जरिए अवैध हथियारों की तस्करी हो रही है।

जिसके बाद एसटीएफ एवं टाउन थाना पुलिस ने संयुक्त रूप से पहले मझौंवा बांध के समीप छापेमारी कर पहले श्रवण यादव को 7.65 एमएम के एक देसी पिस्टल व पांच कारतूस समेत धर दबोचा गया। साथ उसके पास से जब्त मोबाइल को चेक किया गया तो वॉट्सऐप पर अवैध हथियारों की खरीद-बिक्री का चैट एवं ऑडियो मिला। नंबर के बारे में पूछे जाने पर बताया कि उपरोक्त नंबर एमपी बाग पत्थर गली निवासी एक शख्स का है, जिसके पास से ही उसने देसी पिस्टल व गोली खरीदा है।

इसके बाद टीम ने उसकी निशानदेही पर एमपी बाग पत्थर गली मोहल्ला में छापामारी कर एक 16 साल के नाबालिग हथियार सप्लायर लड़के को धर दबोचा गया। पूछने पर उसने दो अन्य साथियों का नाम बताया और यह भी जानकारी दी कि तीनों मिलकर अवैध हथियार की खरीद-बिक्री करते है। एमपीबाग से पकड़े गए नाबालिग का मोबाइल चेक करने पर एमपी बाग पत्थर गली मोहल्ले के ही तीन अन्य लड़कों का फोटो अवैध हथियार के साथ पाया गया। पकड़े गए कम उम्र के सप्लायर ने यह खुलासा कि वे चारों वॉट्सऐप पर ही देसी हथियार का फोटो भेजकर तस्करी करते हैं।

इसके बाद टीम ने उसके एक अन्य नाबालिग साथी को भी धर दबोचा। सूत्रों की मानें तो हथियार के प्रकार के साथ रेट भी लिखकर शेयर करते थे। टीम में टाउन इंस्पेक्टर देवराज राय, दारोगा अरविंद कुमार, प्रमोद चौधरी एवं राकेश शामिल थे।

टाउन थाना क्षेत्र के बलबतरा मोहल्ला में पुलिस ने छापामारी कर एक रेगुलर रायफल एवं कारतूस के साथ एक शख्स को धर दबोचा। एसपी राज के अनुसार पकड़ा गया आरोपित पप्पू कुमार बलबतरा मोहल्ला का निवासी है। उसके पास से रायफल के अलावा दो कारतूस बरामद किया गया। इसे लेकर दारोगा अरविंद कुमार के बयान पर आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी की गई है। हालांकि, उसके पास से रेगुलर हथियार का कोई वैध लाइसेंस नहीं पाया गया है। इसलिए पुलिस चोरी के होने की संभावना जता रही है।गुप्त सूचना मिली थी कि बलबतरा मोहल्ला में एक शख्स रायफल लिए बैठा है। जिसके बाद टीम गठित कर छापेमारी की और धर दबोचा गया।

पेड़ से लटकी मिली नेपाली युवक की लाश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

समस्तीपुर। शहर के बहादुरपुर मोहल्ला स्थित मॉडल हाई स्कूल के पास एक नेपाली युवक ने शुक्रवार रात अमरूद के पेड़ से लटक कर जान दे दी। मृतक नेपाल के तेरेथुम जिला के अठेय वार्ड-5 मोहल्ला का रहने वाला उत्तम कुमार बताया गया है। घटना की सूचना पर नगर पुलिस ने शव को जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है।

घटना को लेकर उसके साथ रहने वाले नेपाल के ही गंगा प्रसाद, हिमालय गोलाय आदि युवक ने बताया कि वे नेपाल के रहने वाले कुल पांच युवक हैं। बहादुरपुर में एक इंजीनियर के मकान में किराएदार के रूप में रहकर शहर के गोला रोड के पास फास्ट फूड की दुकान चलाते हैं। सभी लोग पार्टनरशिप में थे। गत वर्ष दशहरा के मौके पर समस्तीपुर आए थे। उत्तम कुमार पिछले दो दिनों से दुकान नहीं जा रहा था। क्वार्टर में ही रहकर सोता था।

पत्नी ने की आत्महत्या, पति और ससुर गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ। हरनौत प्रखंड के तेलमर थाना क्षेत्र के हदन बिगहा निवासी सुजीत मांझी की 30 वर्षीय पत्नी महली देवी ने आत्महत्या कर ली। उसने एक नर्तकी के साथ पति की तस्वीर मोबाइल फोन पर देखी थी। वह इस कारण आहत थी। मामले में मृतका के पति और ससुर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

उनके एक स्वजन ने बताया कि बुधवार रात पड़ोस के गांव मोहन खंधा में बरात आई थी। जिसमें सुजीत आर्केस्ट्रा देखने गया और स्टेज पर नर्तकी के साथ नाचने लगा। नाचने के दौरान उसने नर्तकी के साथ कुछ फोटो खिंचवाए थे।

पति जब घर आया तो पत्नी ने उसका मोबाइल ले लिया। फोन का लॉक खुला होने के कारण उसने सारी तस्वीरें देख लीं। फोटो देखने के बाद महिला महली देवी उससे नाराज हो गई। फोटो देखने के बाद से पत्नी और पत्नी के बीच झगड़ा हुआ था।

जब घर में कोई नहीं था तब उसने आत्महत्या की। उसे चिकित्सक के पास भी ले जाया गया था, लेकिन उसकी मृत्यु हो चुकी थी। पत्नी का पार्थिव शरीर को लेकर सुजीत सलेमपुर थाना (पटना) क्षेत्र के ग्यासपुर गंगा घाट पहुंचा। जहां दाह संस्कार की तैयारी की जा रही थी। इसी बीच किसी ने स्थानीय थाना को सूचना दे दी। थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बरामद किया। तेलमर थानाध्यक्ष शत्रुधन प्रसाद शाह ने बताया कि प्रथम दृष्टया से मामला आत्महत्या का प्रतीत होता है। महिला के दो छोटे बच्चे हैं। पति सुजीत मांझी एवं ससुर अरविंद मांझी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

बढ़ते तापमान को ले स्कूलों के समय में परिवर्तन का आदेश

जहानाबाद। लगातार बढ़ते तापमान एवं दोपहर में पड़ रही भीषण गर्मी के दृष्टिगत बच्चों के स्वास्थ्य एवं जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव की संभावना को ध्यान में रखते हुए जिला पदाधिकारी अलंकृता पाण्डेय ने महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है।

सभी सरकारी विद्यालयों (प्री-स्कूल एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों सहित) निजी विद्यालयों एवं कोचिंग संस्थानों में 18 मई से 25 मई तक प्रत्येक दिन पूर्वाह्न 11:30 बजे के बाद किसी भी प्रकार की शैक्षणिक गतिविधियों पर रोक लगा दी है।

जिला पदाधिकारी ने सभी विद्यालय प्रबंधनों को यह निदेशित किया है कि वे उक्त अवधि में अपने शिक्षण कार्यक्रमों एवं समय-सारिणी का पुनर्निर्धारण करते हुए आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करें।

नेपाल के रास्ते भारत में घुसा बंगलादेशी युवक, गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

किशनगंज। एसएसबी की 41वीं बटालियन ने भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा पर एक बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान मोहम्मद रेडॉय खान के रूप में हुई है। वह बांग्लादेश के नाटोर जिले का रहने वाला है।

प्राप्त जानकारी के आधार पर एसएसबी की सी कंपनी ने बॉर्डर पिलर नंबर 90/1 के पास से आरोपी को पकड़ा। यह स्थान भारतीय क्षेत्र में बीओपी पनी टंकी से करीब 800 मीटर अंदर है। पूछताछ में पता चला कि रेडॉय 12 नवंबर 2024 को वैध पासपोर्ट और वीजा पर नेपाल पहुंचा था। वह काठमांडू के थामेल में यशिन होटल में रुका था। वहां 20-25 अन्य बांग्लादेशी नागरिक भी ठहरे थे। रेडॉय सर्बिया जाना चाहता था। इसके लिए उसने इमरान नाम के एक व्यक्ति से संपर्क किया। इमरान ने फर्जी सर्बियाई वीजा लगवाने का वादा करके उसका पासपोर्ट ले लिया और बाद में पैसों की मांग की। काठमांडू में रहते हुए रेडॉय का एक स्पा सेंटर में काम करने वाली नेपाली युवती अरुना मगर से प्रेम संबंध भी बना।

पासपोर्ट न होने की स्थिति में रेडॉय ऑनलाइन गेम फ्री फायर के जरिए राजेश नाम के एक भारतीय से जुड़ा। राजेश ने उसे भारत आने के लिए प्रेरित किया और यात्रा के लिए 2000 नेपाली रुपये भेजे। 13 मई 2025 को वह काठमांडू से बस में काकरविट्टा पहुंचा। वहां से एक नेपाली गाइड उसे ऑटो से सीमावर्ती क्षेत्र लाया और भारत में प्रवेश करवाया। आरोपी के पास से कोई आपत्तिजनक दस्तावेज या हथियार नहीं मिले। उसने अपनी मां के मोबाइल नंबर से अपने बांग्लादेशी पासपोर्ट और जन्म प्रमाण पत्र की तस्वीरें साझा कीं।

पुजारी हत्या कांड का पुलिस ने किया उद्भेदन

गांव की लड़कियों के साथ भोग-विलास में रहता था संलिप्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेगूसराय। बेगूसराय में बीते दिनों हुए दुर्गा मंदिर में पुजारी की हत्या मामले पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। इस मामले में लाखो पुलिस ने तीन आरोपी को गिरफ्तार किया है। सदर डीएसपी 1 सुबोध कुमार ने खुलासा करते हुए दावा किया कि पुजारी की हत्या भोग विलास में शामिल होने के कारण की गई। पुजारी सम्भु सिंह का गांव में ही स्वजातीय एक लड़की के साथ अवैध सम्बन्ध था। पूर्व में भी एक मंदिर से इसी कारण गांववालों ने हटाया था।

बता दें कि लाखो थाना क्षेत्र के पनसल्ला गांव में 13 मई की रात अर्धनिर्मित दुर्गा मंदिर परिसर में सो रहे पुजारी शंभू सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इनके पास से एक देसी कट्टा और तीन जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। बताया गया कि पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-01 के नेतृत्व में लाखो थाना पुलिस ने तकनीकी जांच और गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई की है। सोनू कुमार, मनीष कुमार और निलेश कुमार को सुरदासा ढाला के पास एक खेत से पकड़ा गया। पूछताछ में तीनों ने इस हत्या में शामिल होने की बात कबूल की है। आरोपियों ने बताया कि मृतक शंभू सिंह का गांव की लड़की से अवैध संबंध था। इसको लेकर गांव में काफी बदनामी हो रही थी। इस कारण गांव तीन युवकों ने एक अन्य साथी के साथ मिलकर 12 और 13 मई की रात मंदिर परिसर में सो रहे शंभू सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी थी। वारदात के बाद सभी फरार हो गए थे। आरोपियों की निशानदेही पर सुरदासा ढाला के पास पुलिया के नीचे छिपाकर रखे गए हथियार और कारतूस बरामद किए। बरामद सामान में एक देसी कट्टा और तीन जिंदा कारतूस शामिल हैं। तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर आगे की कानूनी कार्रवाई में पुलिस जुटी है।

ब्राउन शुगर के साथ तीन धराये

अररिया। नरपतगंज प्रखंड के भारत नेपाल सीमा से सटे बसमतिया थाना क्षेत्र में शुक्रवार की शाम बसमतिया एसएसबी जवान थाना पुलिस ने संयुक्त छापेमारी अभियान चलाकर गुप्त सूचना के आधार पर इंडो नेपाल सीमा के समीप से तीन नेपाली तस्कर को 65 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया है।

इनके पास से दो नेपाली नंबर की बाइक, तीन मोबाइल भी जब्त किया गया है। यह कार्रवाई बसमतिया थानाध्यक्ष अमर कुमार के नेतृत्व में की गई है। तीनों गिरफ्तार तस्कर नेपाल के सुनसरी जिला के इटहरी थाना अंतर्गत वार्ड संख्या छह निवासी दिनेश चौधरी पिता भुवनेश्वर चौधरी, दीपेश चौधरी पिता बसंत लाल चौधरी के अलावा विपिन कुमार चौधरी पिता डिली राम चौधरी वार्ड संख्या सात का बताया जा रहा है।

तीनों से पुलिस ने आवश्यक पूछताछ के बाद शनिवार को न्यायिक हिरासत में अररिया भेज दिया है। बसमतिया थानाध्यक्ष अमर कुमार ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि भारतीय क्षेत्र से ब्राउन शुगर तस्करों के द्वारा नेपाल ले जाया रहा है, इसी दौरान एसएसबी एवं पुलिस की संयुक्त नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई है।

उन्होंने बताया कि लगातार बसमतिया थाना क्षेत्र से तस्करों को गिरफ्तार किया जा रहा है। जो भी नशीली पदार्थ की तस्करी में शामिल होंगे, उसे चिन्हित कर कार्रवाई की जा रही है।

भागलपुर को मिली पिंक के अलावे कई बसों की सौगात

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

भागलपुर। बिहार राज्य पथ परिवहन निगम द्वारा आखिरकार भागलपुर को 24 डीलक्स बऔर दो पिंक बसें मिल गई हैं। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को 20 पिंक और 166 डीलक्स बसों को हरी झंडी दिखाई। जिसके बाद सभी बसें भागलपुर क्षेत्रीय परिवहन प्रमंडल कार्यालय के लिए रवाना हुईं।

मिली जानकारी के मुताबिक डीलक्स बसें दोपहर 1:10 पर, जबकि पिंक बस शाम 4 बजे भागलपुर के लिए रवाना हुईं। बस देर रात भागलपुर मोकामा, मुंगेर के रास्ते पहुंचीं। 24 डीलक्स बस में 6 बस जमुई डिपो को, जबकि 6 बस मुंगेर डिपो को भेजी जाएगी।

12 बस में 10 भागलपुर से, जबकि दो भागलपुर के रास्ते बांका के अमरपुर और साहेबगंज से चलेगी। भागलपुर से दरभंगा, जोगबनी, सहरसा सहित अन्य रूटों पर जाने वाली बसों का समय सारणी जारी कर दी गई है। जल्द ही इनका किराया भी जारी होगा। वहीं दूसरी ओर पिंक बसों के लिए रूट का निर्धारण नहीं किया गया है। जल्द ही पिंक बस के परिचालन के लिए रूट पर काम होगा।

डीलक्स बसों में आरामदायक पुशबैक सीट, सीसीटीवी, पानी की बोतल रखने की सुविधा, मल्टीपल चार्जिंग पाइंट्स, बस की लोकेशन ट्रैक करने की सुविधा, क्लीन और हाइजीनिक इंटीरियर और मनोरंजन के लिए ऑडियो सिस्टम की सुविधा रहेगी।

पिंक बस सारी अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगी। इसमें सुरक्षा के दृष्टिकोण से जीपीएस व सीसीटीवी कैमरे लगे होंगे। इसके अलावा प्रत्येक सीट के नीचे पैनिक बटन भी होगा। आपात स्थिति में पैनिक बटन दबाने पर कंट्रोल रूम को सूचना जाएगी। जिससे इसमें सफर करने वाले महिलाएं या अन्य लोगों को सुविधा मिलेगी।

प्रभावी सिंचाई एवं बाढ़ जोखिम प्रबंधन से बदलेगी राज्य की तस्वीर

बिहार जल सुरक्षा एवं सिंचाई आधुनिकीकरण परियोजना को मंत्रिपरिषद की मंजूरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बाढ़ की समस्या और सिंचाई के आधुनिक प्रबंधन के लिए बिहार सरकार ने बड़ी पहल की है। इसमें अंतर्गत विश्व बैंक के साथ कुल 4 हजार 415 करोड़ रुपये की परियोजना को राज्य मंत्रिमंडल से स्वीकृति मिलने के बाद बिहार जल सुरक्षा एवं सिंचाई आधुनिकीकरण को एक नई गति मिलेगी। प्रस्तावित परियोजना का मुख्य उद्देश्य संस्थागत क्षमता निर्माण के स्तर से प्रभावी सिंचाई प्रबंधन एवं कुशल सिंचाई प्रणाली का निर्माण करना है। इस परियोजना से राज्य में प्रभावी बाढ़ जोखिम प्रबंधन के स्तर से आपदा एवं आपातकालीन स्थिति में की जाने वाली तैयारियों और प्रक्रिया की क्षमता में वृद्धि होगी। इसके अलावा इस परियोजना से परिणामी आर्थिक और सामाजिक कल्याण के लिए हितधारकों के बीच समन्वय को अधिक बढ़ावा मिल सकेगा। यह एक व्यापक पहल है, जिसमें आवश्यक संस्थागत सुदृढीकरण, हितधारकों की क्षमता का निर्माण, कुशल सिंचाई व्यवस्था, बाढ़ जोखिम न्यूनीकरण एवं सूखा निवारण आदि शामिल हैं। उक्त परियोजना से बिहार के विभिन्न जिले लाभान्वित होंगे। जिससे बाढ़, जलजमाव और सूखे से प्रभावित जिलों पर अधिक ध्यान केन्द्रित किया जा सकेगा। बाढ़ के खतरे को कम करने के लिए प्रमुख नदियों के अतिरिक्त जलप्रवाह को नियंत्रित करने, जलप्रवाह की क्षमता को बढ़ाने में मदद मिल सकेगी। इससे बांधों की सुरक्षा के लिए अद्यतन तकनीक का प्रयोग कर उसे और अधिक सुदृढ़ बनाने और सुखाग्रस्त जिलों के लिए सिंचाई स्रोत से ह्रासित सिंचाई क्षमता को पुनर्स्थापित किया जा सकेगा।

प्रस्तावित परियोजना एक वाह्य संपोषित परियोजना है, जिसकी कुल प्राक्कलित राशि 4415 करोड़ रुपये है। इसका 30 प्रतिशत अर्थात 1324 करोड़ 50 लाख रुपये बिहार सरकार द्वारा वहन किया जाएगा एवं शेष 70 प्रतिशत अर्थात 3090 करोड़ 50 लाख रुपये की राशि विश्व बैंक (आईबीआरडी) से ऋण के रूप में ली जाएगी। इस परियोजना के मुख्य चार अवयव हैं। जिसके अन्तर्गत निम्नलिखित राशि का प्रावधान किया गया है। इसमें जलवायु के अनुकुल सिंचाई के लिए 2487 करोड़ रुपये, बाढ़ जोखिम न्यूनीकरण के लिए 1525 करोड रुपये, जल शासन के लिए 243 करोड़ रुपये और परियोजना प्रबंधन के लिए 160 करोड़ रुपये के प्रावधान किए गए हैं। परियोजना के विभिन्न अवयवों के अन्तर्गत कराये जाने वाले कार्यों का क्रियान्वयन जल संसाधन विभाग (नोडल विभाग) के अतिरिक्त ग्रामीण विकास विभाग एवं कृषि विभाग, बिहार सरकार द्वारा किया जाएगा। परियोजना के कार्यान्वयन की समय-सीमा वित्तीय वर्ष 2025-26 से प्रारंभ कर अगले सात वर्षों में इसे पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

सिंचाई प्रणालियों का होगा उन्नयन एवं आधुनिकीकरण

इस परियोजना के तहत चिन्हित सिंचाई प्रणालियों का उन्नयन एवं आधुनिकीकरण प्रस्तावित है। ताकि राज्य में सिंचाई व्यवस्था वर्षा पर निर्भर न रहे और प्रतिकूल स्थितियों में भी सिंचाई की सुविधा कृषकों को उपलब्ध करायी जा सके। इसके अंतर्गत प्रमुख योजनाओं में सोन, गंडक एवं कोसी बैराजों का पुनर्स्थापन, सोन पश्चिमी मुख्य नहर का आधुनिकीकरण, पश्चिमी कोसी सिंचाई योजनाओं का पुनर्स्थापन एवं आधुनिकीकरण, झंझारपुर शाखा नहर का पुनर्स्थापन एवं आधुनिकीकरण, सारण मुख्य नहर (17 से 35 किमी तक) का नवीकरण एवं लाईनिंग शामिल हैं।

परियोजना के तहत बाढ़ जोखिम को किया जाएगा न्यूनतम

परियोजना के तहत बाढ़ जोखिम न्यूनीकरण के लिए चिन्हित तटबंधो व स्परों का पुर्नस्थापन एवं सुदृढ़ीकरण प्रस्तावित है। पुनस्थापन एवं सुदृढ़ीकरण हेतु विश्व बैंक के सम्बन्धित परामर्शियों के सहयोग से अद्यतन रूपांकण तकनीक का उपयोग किया गया है। इसके अंतर्गत प्रमुख योजनाओं में बागमती के बाएं तटबंध की उच्चीकरण, सुदृढ़ीकरण और पक्कीकरण, कुरसेला ब्लॉक जिला कटिहार में गांव पत्थरटोला से कमलाकनी तक कटाव रोधी कार्य, विस्तारित सिकरहट्टा मंझारी बांध का सुदृढ़ीकरण एवं पक्कीकरण के साथ इसके 11 स्पर का जीर्णोद्धार और पूर्वी कोसी तटबंध के 25 स्परों का जीर्णोद्धार शामिल हैं।

खादी ग्रामोद्योग बोर्ड में तीन दिवसीय टेराकोटा कला प्रशिक्षण संपन्न

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, पटना द्वारा आयोजित तीन दिवसीय टेराकोटा कला कार्यशाला का शनिवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। प्रशिक्षण के अंतिम दिन प्रतिभागियों ने एक से बढ़कर एक सुंदर और रचनात्मक टेराकोटा कलाकृतियाँ बनाईं, जिनमें पारंपरिक एवं आधुनिक दोनों प्रकार की अभिव्यक्तियाँ देखने को मिलीं। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों में आरोही को प्रथम पुरस्कार, अपराजिता सिंह को द्वितीय पुरस्कार एवं चंदन कुमार को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यशाला में राज्य पुरस्कार प्राप्त टेराकोटा कलाकार भोला पंडित एवं उनकी टीम ने प्रतिभागियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यशाला के समापन अवसर पर बोर्ड द्वारा श्री पंडित को उनके विशिष्ट योगदान हेतु सम्मानित भी किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य पारंपरिक मिट्टी शिल्प को पुनर्जीवित करना, युवाओं में इसके प्रति रुचि उत्पन्न करना तथा स्वरोजगार के अवसरों से उन्हें जोड़ना रहा। विभिन्न आयु वर्ग के प्रतिभागियों, विशेष रूप से 10 वर्ष या उससे अधिक उम्र के बच्चों, युवाओं और शिल्प प्रेमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह कार्यशाला 15 से 17 मई 2025 तक बोर्ड कार्यालय स्थित बापू कक्ष में प्रतिदिन अपराह्न 1:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक आयोजित की गई। कार्यशाला के समापन सत्र में प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया गया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। साथ ही श्री भोला पंडित एवं उनकी टीम के सदस्यों को उनके सहयोग और योगदान के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

खरीफ सहायता योजना के तहत 41910 किसानों को 46.49 करोड़ की सहायता

सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने किया भुगतान, डीबीडी के माध्यम से मिली राशि

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार सरकार की महत्वाकांक्षी फसल सहायता योजना के तहत खरीफ 2023 मौसम के 12 जिलों के 41910 लाभुक किसानों को 46.49 करोड़ रुपये की सहायता राशि का डीबीटी के माध्यम से भुगतान किया गया। शनिवार को डीएनएस क्षेत्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान, शास्त्रीनगर में आयोजित कार्यक्रम में सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने इस राशि का भुगतान किया।

मंत्री ने बताया कि खरीफ 2023 मौसम के तहत किसानों के आवेदनों का सत्यापन कार्य लगभग पूरा हो चुका है। आज सहायता राशि प्राप्त करने वाले किसानों की सूची जिला स्तरीय समन्वय समिति की अनुशंसा पर तैयार की गई है। मंत्री ने यह भी आश्वासन दिया कि शेष पात्र किसानों को भी जल्द ही सहायता राशि का भुगतान किया जाएगा। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा, बिहार राज्य फसल सहायता योजना प्राकृतिक आपदाओं के कारण फसल क्षति की भरपाई के लिए राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही निःशुल्क योजना है। इसके अंतर्गत किसानों से कोई प्रीमियम नहीं लिया जाता और संकट के समय यह योजना उन्हें आर्थिक राहत देती है।

विशेष बैंकिंग अभियान व सहकारी चौपाल की भी घोषणा

मंत्री ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के तहत मई माह में राज्य के सभी सहकारी बैंकों में विशेष बैंकिंग अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने आम लोगों से सहकारी बैंकों में खाता खोलने व केसीसी लोन, गोल्ड लोन जैसी सुविधाओं का लाभ उठाने की अपील की।इसके अलावा उन्होंने जानकारी दी कि 15 जून से राज्य के सभी प्रखंडों और पंचायतों में 'सहकारी चौपाल' का आयोजन किया जाएगा। इसका उद्देश्य आमजन तक सहकारिता विभाग की योजनाओं की जानकारी पहुंचाना है। राज्य सरकार की इस योजना के तहत रबी 2022-23 मौसम तक 3123907 किसानों को ?2030.04 करोड़ की सहायता राशि दी जा चुकी है। खरीफ 2023 में धान व मक्का पंचायतस्तरीय फसल, तथा सोयाबीन, आलू, बैंगन, टमाटर और गोभी को जिलास्तरीय फसल के रूप में अधिसूचित किया गया है। कार्यक्रम में सहकारिता विभाग के सचिव धर्मेन्द्र सिंह, बिहार राज्य सहकारी बैंक के प्रबंध निदेशक मनोज कुमार सिंह, डीएनएस संस्थान के निदेशक श्री कुमार प्रियरंजन, तथा अन्य विभागीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

लोकगायिका स्वाति मिश्रा के पिता राजेश मिश्रा भाजपा में शामिल

पटना (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। भाजपा के प्रदेश कार्यालय में शनिवार को आयोजित मिलन समारोह में सैकड़ों युवाओं ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस मौके पर प्रसिद्ध लोकगायिका स्वाति मिश्रा के पिता राजेश मिश्रा अपने समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हुए। मिलन समारोह में राजद के पूर्व प्रदेश महासचिव सह पूर्व जिला प्रभारी हरिवंश पासवान, पूर्व राजद प्रत्याशी विनोद यादव सहित कई नेता और समाजसेवी अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ भाजपा का दामन थामा। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने पार्टी में आने वाले सभी लोगों की सदस्यता ग्रहण करवाई और पार्टी में स्वागत किया। समारोह में स्वाति मिश्रा, मंत्री मंगल पांडेय औरसंजय सरावगी मौजूद थे।मंच संचालन अनामिका पासवान ने किया। भाजपा में शामिल होने वाले लोगों का स्वागत करते हुए डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि भाजपा एक दल नहीं, दिल है।

सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल दुनिया को बतायेगा आपरेशन सिंदूर और आतंकवाद के खिलाफ भारत का रुख : रविशंकर प्रसाद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। केंद्र सरकार ने आपरेशन सिंदूर और सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत का रुख बताने के लिए सर्वदलीय सांसदों का सात डेलिगेशन बनाया है। ये सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल दुनिया के बड़े देशों, खासकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्य देशों का दौरा करेंगे।

भाजपा सांसद और पूर्व केन्द्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इनमें एक डेलिगेशन का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी उन्हें दी गई है। अन्य छह प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कांग्रेस सांसद शशि थरूर, जदयू सांसद संजय झा, शिवसेना सांसद श्रीकांत शिंदे, राकांपा सांसद सुप्रिया सुले, द्रमुक सांसद कनिमोझी और भाजपा सांसद बैजनाथ पांडा करेंगे।

रविशंकर प्रसाद ने कहा कि प्रधानमंत्री की सोच बहुत बड़ी है। भारत ने दुनिया को एक संदेश दिया है कि वह आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा। पाकिस्तान अगर अपनी धरती से यहां आतंकवादियों को भेजेगा तो उस पर सख्त से सख्त कार्रवाई होगी। पीएम मोदी का संदेश है कि पानी और खून साथ नहीं बहेगा, ट्रेड और टॉक साथ नहीं होगा। उन्होंने कहा कि आतंकवाद बड़ा नासूर है, जो दुनिया को परेशान कर रहा है। कुल सात डेलिगेशन बनाए गए हैं। दूसरे देशों के दौरे पर हम लोग जा रहे हैं। मेरी अगुवाई में भी एक डेलीगेशन बना है। इसके लिए मैं पीएम मोदी को धन्यवाद देता हूं। उन्होंने कहा कि मुझे जानकारी दी गई है कि मुझे सऊदी अरब, कुवैत, बहरीन, अल्जीरिया जाना है। मेरा यह दौरा 10 दिन का है। उन्होंने कहा कि सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल को शशि थरूर और कनिमोझी जैसे विपक्ष के नेता भी लीड कर रहे हैं। पीएम मोदी की सोच है कि पूरा देश एक स्वर में बोले। वहीं डेलिगेशन में थरूर के नाम पर विवाद होने के मामले में उन्होंने कुछ भी टिप्पणी करने से मना कर दिया। उन्होंने कहा कि अभी पूरे देश को एक स्वर में बोलना चाहिए। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का निर्णय आतंकवाद को बहुत बड़ा संदेश है। भारत उनके सामने झुकेगा नहीं। नरेंद्र मोदी इतने साहसिक नेता हैं कि आतंकवाद की जड़ उखाड़ देंगे। आतंकवाद के खिलाफ पूरे देश को एकजुट रहना चाहिए। बताया जा रहा है कि सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल आतंक के खिलाफ भारत की कार्रवाई की जानकारी साझा करेगा। सरकार का उद्देश्य है कि ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत ने जो आतंकवाद के खिलाफ साहसिक कदम उठाया है, उसकी जानकारी वैश्विक समुदाय को दी जाए।

भारतीय परिदृश्य में लघु समाचारपत्रों की भूमिका महत्वपूर्ण : संजय कुमार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। मौलाना मज़हरूल हक़ अरबी एवं फ़ारसी विश्वविद्यालय, पटना में पत्रकारिता विभाग के शिक्षक डॉ मुकेश कुमार की पुस्तक लोकल इज ग्लोबल : स्टोरी ऑफ़ स्मॉल हिन्दी न्यूज़पेपर्स इन इंडिया का विमोचन शनिवार को भारतीय सूचना सेवा के अधिकारी संजय कुमार, शिक्षा विभाग के डीन डॉ. असदुल्लाह खान, पत्रकार संतोष कुमार, सरोज सिंह और डॉ मुकेश कुमार ने किया। इस अवसर पर भारतीय सूचना सेवा अधिकारी एवं केंद्रीय संचार ब्यूरो के उपनिदेशक संजय कुमार ने कहा कि भारतीय परिदृश्य में लघु समाचारपत्रों की भूमिका महत्वपूर्ण है। विकास और जनसरोकारों के मुद्दों पर केंद्रित इन समाचारपत्रों के सामने बड़ी चुनौतियाँ हैं, फिर भी सदियों से प्रकाशित हो रहे हैं और इन पर पुस्तक का आना बड़ी बात है। यह पुस्तक पत्रकारिता के छात्रों के लिए शोध के तौर पर प्रयोग हो सकता है। उन्होंने पुस्तक की प्रासंगिकता को रेखांकित करते हुए कहा कि लघु समाचारपत्रों को इसे वर्तमान चुनौतियों के संदर्भ में समझने की ज़रूरत है। वरिष्ठ पत्रकार संतोष कुमार ने अपने वक्तव्य में कहा कि छोटे अख़बार आज भी जनसरोकार की पत्रकारिता को जीवित रखे हुए हैं। उन्होंने कहा कि जहाँ बड़े मीडिया संस्थान बाज़ारवाद और कॉरपोरेट दबाव में कई बार जनहित की खबरों को पीछे छोड़ देते हैं वहीं छोटे अख़बार स्थानीय मुद्दों, आम जनता की आवाज़ और सामाजिक संघर्षों को प्रमुखता देते हैं। वरिष्ठ पत्रकार सरोज सिंह ने कहा कि छोटे अख़बार पत्रकारिता की आत्मा हैं। उन्होंने कहा कि इन अख़बारों के पत्रकार सीमित संसाधनों में भी अपने दायित्व का निर्वाह करते हैं और लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम का संचालन शिक्षा विभाग की अध्यक्ष डॉ मुक्ता सिन्हा ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन पत्रकारिता विभाग के सहायक प्रध्यापक डॉ रणजीत ने किया। इस अवसर पर डॉ संजीत, डॉ चंद्रेश्वरी, श्रीमती ऋचा, रचना, रतनसेन, प्रतिमा, शालिनी, सुमन, आमिर, शाहनवाज, नवाब शरीफ, सूफिया, प्रियंका, मोना, शहाबुद्दीन, संजर, सूरज, सजिया, मनीष, मोनू, निसार सहित सैकड़ों छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

जनता ने कांग्रेस मुक्त भारत बनाने का बनाया मन : संतोष सुमन

पटना (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। हम के अध्यक्ष और राज्य के मंत्री डॉ संतोष सुमन ने कहा है कि राहुल गांधी के करीबियों और दरबारियों को भी 'कांग्रेसी जन्नत' की हकीकत मालूम है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदम्बरम का बयान वह आईना है, जिसमें कांग्रेस और उसके स्वार्थलोलुप इंडी गठबंधन का बदरूप, विकृत और लिजलिजा चेहरा बेनकाब हो गया है। आजादी के तुरंत बाद जिस कांग्रेस को समाप्त करने की गांधी जी ने गुजारिश की थी, लगता है वह समय आ गया है। कहा कि आकंठ भ्रष्टाचार, परिवार व वंशवाद की वजह से पातालगामी कांग्रेस का पतन जिस तेजी से हो रहा है, वैसे में राहुल-सोनिया के दरबारियों का सशंकित और चिंतित होना लाजिमी है।

राज्यस्तरीय चित्रकारी, निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद् द्वारा राज्य के विद्यालयों में अध्ययन कर रहे छात्र-छात्राओं में पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण के प्रति जागरूकता अभिवर्धित करने के उद्देश्य से आज राज्य स्तरीय स्थल चित्रकारी, निबंध लेखन एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन ज्ञान भवन, उत्तरी गांधी मैदान, पटना में किया गया। स्थल चित्रकारी प्रतियोगिता में राज्य के 19 जिलों से कुल 1187 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया जिसमें 691 छात्राऐं तथा 496 छात्र थे। राज्य के पटना, गयाजी, पूर्णियाँ, दरभंगा, वैशाली, भोजपुर, रोहतास, जहानाबाद, जमुई, सारण, बक्सर, कैमूर, सीतामढ़ी, गोपालगंज, सिवान, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, बेगूसराय एवं मुंगेर के अतिरिक्त राज्य के बाहर कोलकाता तथा मुम्बई के भी प्रतिभागी शामिल थे। वर्ग समूह 1 (कक्षा 01 एवं 02) में 37 विद्यालय; वर्ग समूह 2 (कक्षा 03 एवं 04) में कुल 46 विद्यालय; वर्ग समूह 03 (कक्षा 05 एवं 06) में कुल 46 विद्यालय; वर्ग समूह 4 (कक्षा 07 एवं 08) में कुल 51 विद्यालय तथा वर्ग समूह 5 (कक्षा 09 एवं 10) में कुल 53 विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। निबंध लेखन प्रतियोगिता जो दो वर्ग समूहों में कक्षा 09 एवं 10 तथा कक्षा 11 एवं 12 के लिए आयोजित थी, में राज्य के निम्नांकित 12 जिलों यथा-कैमूर, मुंगेर, गयाजी, पटना, सारण, वैशाली, सीतामढ़ी, भोजपुर, बक्सर, पूर्णियाँ, मुजफ्फरपुर एवं समस्तीपुर से कुल 281 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया जिसमें 166 छात्राऐं एवं 115 छात्र थे। इस प्रतियोगिता में वर्ग समूह 01 में कुल 49 विद्यालय तथा वर्ग समूह 02 में कुल 31 विद्यालय के छात्र-छात्राएं शामिल थे। क्विज प्रतियोगिता जो कक्षा 09 से 12 तक के छात्र-छात्राओं के लिए था, में कुल 202 प्रतिभागियों ने भाग लिया। क्विज प्रतियोगिता का संचालन क्विज मास्टर व्यंक्टेश श्रीनिवासन, बेंगलुरू द्वारा किया गया। प्रथम चरण में सभी प्रतिभागियों को मौखिक एवं डिजीटल स्क्रीन पर दिये गये 30 सवालों के जवाब को उत्तरपृष्ट पर लिखना था। प्राप्त उत्तर पृष्ट के मूल्यांकन के पश्चात प्रथम चरण में कुल 13 टीमों को चुना गया। जिसमें सार्वधिक अंक प्राप्त करने वाले 5 टीमों को सीधे फाइनल में प्रवेश दिया गया। बाकी बचे 8 टीमों से पुनः प्रश्नोत्तर के पश्चात कुल 03 टीमों का चयन कर अंतिम रांउड के लिए दो सदस्यीय 8 टीमों यानि कुल 16 प्रतिभागियों का चयन किया गया। स्थल चित्रकारी व निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्राप्त चित्रांकन तथा लेख के मूल्यांकन के पश्चात प्रत्येक वर्ग से सर्वोत्तम चित्रकारी / निबंध लिखने वाले तीन-तीन प्रतिभागियों को क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार से पुरस्कृत किया जायेगा। सभी पुरस्कार विश्व पर्यावरण दिवस 05 जून, 2025 के अवसर पर ज्ञान भवन, पटना में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में प्रदान किये जायेंगे।

राज्यपाल ने बीएन कॉलेज कैंपस का किया निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पटना विश्वविद्यालय के बीएन कॉलेज में बीते दिनों हुई बमबाजी की घटना का संज्ञान लेते हुए राज्यपाल सह कुलाधिपति आरिफ मोहम्मद खान शनिवार को बीएन कॉलेज पहुंचे और कॉलेज प्रशासन से बातचीत की। उन्होंने कालेज के हास्टल का भी निरीक्षण किया। राज्यपाल ने व्यवस्था पर सवाल खड़ा करते हुए कहा कि बिहार में राज्यपाल के रूप में मैं जब शपथ लिया था उस वक्त भी इस प्रकार की घटना घटित हुई थी। इसको लेकर हमने पटना विश्वविद्यालय के कुलपति से रिपोर्ट मांगी थी। लेकिन, घटना के चार-पांच माह गुजर जाने के बाद भी रिपोर्ट नहीं मिला। राज्यपाल ने कहा कि पटना विश्वविद्यालय के कुलपति से इसपर मैंने जब सवाल किया तो उन्होंने कहा कि रिपोर्ट तैयार हो रहा है। उन्होंने पटना विश्वविद्यालय के हॉस्टल में अवैध कब्जा को लेकर नाराजगी जताई। साथ ही बम ब्लास्ट की घटना और छात्र हत्याकांड पर अनुशासन कमेटी गठित करने का भी निर्देश दिया। राज्यपाल ने कहा पटना विश्वविद्यालय में बेहतर माहौल बनाना हम सब का कर्तव्य है। उन्होंने हॉस्टल परिसर में निरीक्षण करने के बाद कहा कि असामाजिक तत्व या फिर अवैध रूप से रहने वाले छात्रों को पहचान कर यहां से हटाया जाए। उन्होंने बमबाजी की घटना के आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने का आदेश दिया। मीडिया से बातचीत करते हुए राज्यपाल ने कहा कि विद्या के मंदिर में अनुशासनहीनता कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ऐसी घटनाओं से मैं काफी मर्माहट हूं और मैं छात्रों से हाथ जोड़कर अपील करता हूं कि विद्या के मंदिर में इस तरह की घटनाएं न करें जिससे कि बिहार का अपमान हो। छात्रों का काम है पढ़ाई करना कॉलेज और विश्वविद्यालय प्रशासन से भी अनुरोध है इस तरह की गतिविधियों को न होने दें और सख्त कार्रवाई करें और सुरक्षा के कड़े इंतजाम भी किए जाएं। बता दें कि दोपहर में राज्यपाल के अचानक से घटनास्थल पर पहुंचने से अफरातफरी मच गई। उनके आने की खबर सुनते ही पुलिस महकमे में खलबली मच गई और कॉलेज परिसर में भारी पुलिस बलों की तैनाती कर दी गई।

जे. डी. वीमेंस कॉलेज में पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। हमारी गौरैया, एनवायरनमेंट वारियर्स तथा इको हरमनी क्लब के संयुक्त तत्वावधान में जे. डी. वमेंस कॉलेज परिसर में गर्मियों के देखते हुए पशु-पक्षियों के पानी के लिए मिट्टी के सकोरे तथा दाना के लिए दाना घर आठ स्थानों पर लगाया गया। मौके पर इको हरमनी क्लब की इंचार्ज तथा दर्शनशास्त्र विभाग की अध्यक्ष प्रो. वीणा अमृत ने बताया कि गर्मियों में बेजुबानों के समक्ष पानी की किल्लत हो जाती है, वे हमसे पानी मांग भी नहीं पाते है, ऐसे में हमारा कर्तव्य बनता है कि उनके लिए दाना-पानी की समुचित व्यवस्था करें । उन्होंने एनवायरनमेंट वारियर्स की टीम को इसमें सहयोग करने के लिए शुक्रिया अदा करते हुए छात्राओं से अपने अपने घरों में भी पानी का बर्तन रखने की अपील की। मौके पर प्रचार्य प्रो डॉ मीरा कुमारी ने कहा कि, पृथ्वी केवल मनुष्यों के ही नही, बल्कि सभी जीव-जंतुओं का भी है, हमें सदैव आपसी सामंजस्य बना कर रहना होगा। एनवायरनमेंट वारियर्स के शानू कुमार राज ने कहा कि हमारी टीम पटना में 200 स्थानों पर पक्षियों के लिए पानी और दाना की व्यवस्था करने का कार्य कर रही है, इसी क्रम में आज इस परिसर में मिट्टी के सकोरे और दाना घर लगाये गये। इसके साथ ही आने वाले पर्यावरण दिवस को देखते हुये छात्राओं के बीच जागरूकता के उद्देश्य से प्लास्टिक को नहीं कहने के थीम पर पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें प्रथम स्थानः- अलीशा कुमारी, दूसरा स्थानः-सोनाली कुमारी, तथा तीसरा स्थान सोनाली ने प्राप्त किया। कार्यक्रम में एनवायरनमेंट वारियर्स से अमिषा कुमारी, भूमिका भारद्वाज, प्रियांशु रंजन तथा महाविद्यालय से इको हारमनी क्लब की उपसमन्वयक डॉ हिना रानी, डॉ मृणाल मंजरी, रुचि कुमारी, सुहान सिंह, रुचि गुप्ता, सोनाली कुमारी आदि थे।

एक्युप्रेशर चिकित्सकों का महाकुम्भ 26 को

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। अधिवेशन भवन, पुराना सचिवालय परिसर, पटना में अगामी 26 मई को 32वाँ राष्ट्रीय एक्युप्रेशर/एक्युपंक्चर सम्मेलन बिहार एक्युप्रेशर योग कॉलेज, इण्डियन काउन्सिल ऑफ एक्युप्रेशर योग एवं स्वास्थ्य जागरूकता मिशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जायेगा। सम्मेलन संयोजक डा. अजय प्रकाश ने बताया कि राष्ट्रीय सम्मेलन में 17 राज्यों से चार सौ चयनित चिकित्सक भाग लेंगे तथा 6 विषयों पर शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे। एक्युप्रेशर जनक डा. चन्द्रमा प्रसाद गुप्त की 39वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में चार एक्युप्रेशर पुस्तक ह्यूमन फिजियोलॉजी पुस्तक सहित आयुष्मान भवः स्मारिका का विमोचन किया जायेगा। चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किए हुए 32 चिकित्सकों को सम्मानित किया जायेगा। 11 मई से 25 मई के बीच सम्पूर्ण राष्ट्र में आयोजित एक्युप्रेशर पखवाड़ा के अन्तराल में सैकड़ों निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित करने वाले चिकित्सकों एवं संयोजकों को सम्मेलन में सम्मानित किया जायेगा। सम्मेलन की अध्यक्षता एक्युप्रेशर महागुरू डा. सर्वदेव प्रसाद गुप्त जी करेंगे।

एनएमसीएच के मेडिसिन वार्ड का हुआ विस्तार, जोड़े गये 100 बेड : मंगल पांडेय

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। नालंदा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एनएमसीएच) के मेडिसिन विभाग में 750 लाख की लागत से नवनिर्मित 100 बेड वाले वार्ड का उद्घाटन बिहार सरकार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय एवं विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव द्वारा किया गया। इस अवसर पर अपने संबोधन में नंदकिशोर यादव ने कहा कि बिहार की स्वास्थ्य सेवाएं दिन प्रतिदिन बेहतर हो रही है। अस्पतालों में दवा आपूर्ति से लेकर चिकित्सकों की अब कोई कमी नहीं है। बिहार की जनता को राज्य के भीतर उन्नत स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही हैं। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने अपने संबोधन में सबसे पहले सीमा पर तैनात भारतीय सैनिकों को नमन किया और हाल ही में शहीद हुए बिहार के चार वीर सपूतों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि आज पीएम मोदी के नेतृत्व में सैनिकों का मान व सम्मान बढ़ा है। देश को वीर सैनिकों पर गर्व है। श्री पांडेय ने कहा कि 100 बेड वाला मेडिसिन वार्ड ऊपरी मंजिल पर बनाया गया है, जिससे बारिश के मौसम में जलजमाव की समस्या से निजात मिलेगी। वर्तमान में जनरल मेडिसिन विभाग में बेडों की संख्या 128 है। अब अतिरिक्त 100 के साथ कुल मिलाकर बेडों की संख्या 228 हो जाएगी। भविष्य में यहां 400 और बेड जोड़े जाने की योजना है। वर्तमान में एनएमसीएच में कुल 1189 बेड हो चुके हैं, जो पहले मात्र 650 थे। अस्पताल की सुविधाएं लगातार बढ़ रही हैं। हर बेड पर अब ऑक्सीजन पाइपलाइन की व्यवस्था है, दवा की उपलब्धता है। वहीं भोजन एवं साफ-सफाई की जिम्मेदारी जीविका दीदियों को सौंपकर सेवा की गुणवत्ता में बड़ा सुधार लाया गया है। उन्होंने कहा कि बिहार लगातार दवा आपूर्ति के मानकों पर आठ महीनों से नंबर 1 है। एनएमसीएच में भी अब 496 प्रकार की दवाइयाँ उपलब्ध हैं। 2005 से पहले स्वास्थ्य के क्षेत्र में बिहार की स्थिति काफी दयनीय थी। पिछले 20 वर्षों में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में स्वास्थ्य क्षेत्र में अप्रत्याशित कार्य किए गए हैं। जिससे अब आमजन को सुलभ और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही हैं। श्री पांडेय ने कहा कि 28.34 करोड़ रुपये की लागत से टीवीडीसी (यक्ष्मा प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन केंद्र) का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है, जो 15 अगस्त 2025 तक पूरा कर लिया जाएगा।

संपादकीय

सेना में महिलाओं की संख्या पर हमेशा से उठते रहे हैं सवाल

सेना में स्त्री-पुरुष समानता सुनिश्चित करने में भारत की प्रगति धीमी रही है। बावजूद इसके, महिलाएं तमाम चुनौतियों को पार करते हुए सेना के तीनों अंगों में अपनी जगह बना रही हैं और धीरे-धीरे अग्रणी भूमिका में भी दिखने लगी हैं। मगर यह संख्या अब भी संतोषजनक नहीं है। पुरुषों के मुकाबले जिस अनुपात में महिलाओं को सेना में अवसर मिलना चाहिए, उस पर प्राय~ सवाल उठते रहे हैं। कोई दोराय नहीं कि जब जीवन के हर क्षेत्र में महिलाएं पुरुषों के कंधे से कंधा मिला कर चल रही हैं, तो सैन्य बलों में उनकी प्रतिभागिता पर्याप्त रूप से क्यों नहीं बढ़ाई जानी चाहिए? अभी सेना में महिलाओं की उपस्थिति कोई बहुत उत्साहवर्धक नहीं है। शीर्ष न्यायालय ने उचित ही सवाल किया है कि जब महिलाएं रफाल उड़ा सकती हैं, तो सेना की कानूनी शाखा में उनकी संख्या सीमित क्यों है। वे शीर्ष पदों पर क्यों नहीं नियुक्त हो सकतीं। स्थायी कमीशन के लिए भी सेना में कार्यरत महिलाओं को लंबा संघर्ष करना पड़ा था। अपने अधिकारों के लिए उन्हें कानूनी लड़ाई लड़नी पड़ी थी। तब शीर्ष न्यायालय के एक महत्त्वपूर्ण फैसले के बाद सेना में उच्च पद पर उनके पहुंचने का रास्ता खुला था। स्त्री-पुरुष समानता के सवाल पर अदालतें सरकार को अपनी मानसिकता बदलने की नसीहत देती रही हैं। महिलाओं को स्थायी कमीशन देने का फैसला सुनाते समय भी जब अदालत ने सरकार को टोका था, तो उसका कहना था कि रक्षा बलों में पुरुष अभी महिला अधिकारियों की कमान स्वीकार करने के लिए मानसिक रूप से प्रशिक्षित नहीं हो पाए हैं। मगर अब तो अग्रिम मोर्चे में महिलाएं कई अहम भूमिकाएं निभाने लगी हैं। सीमित संख्या में ही सही, अगर महिलाएं युद्धक विमान उड़ाने के काबिल हो गई हैं, तो क्या पुरुष वर्चस्व की मानसिकता नहीं बदलनी चाहिए। सेना की विभिन्न शाखाओं में महिलाओं की संख्या बढ़ाने के साथ उन्हें युद्ध क्षेत्र में क्यों नहीं तैनात किया जाना चाहिए। आज सेना की सभी चिकित्सा सेवाओं का नेतृत्व महिलाएं ही कर रही हैं। इस पर गंभीरता से विचार होना चाहिए कि बाकी सेवाओं में भी अग्रणी भूमिका से उन्हें क्यों वंचित रखा जाए।

मानव सभ्यता का शिखर एवं रिश्तों का स्वर्ग है परिवार

वैश्विक परिवार दिवस दुनिया भर के लोगों में प्यार, सद्भाव, एकता को प्रोत्साहित करने के लिए समर्पित विश्व उत्सव है। संयुक्त राष्ट्र ने परिवारों के महत्व और उनके सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए इस दिन की स्थापना की। परिवार हमें एकसूत्रता में बांधता है, रिश्तों की अहमियत को गहराई से समझाता है, सभी पारिवारिकजनों में प्यार बढ़ाता है। हमें एक व्यक्ति के रूप में विकसित होने और हमारे भावनात्मक संबंधों को मजबूत करते हुए बेहतर इंसान बनाने में करता है। संयुक्त राष्ट्र ने माना कि बदलती आर्थिक और सामाजिक संरचनाएं दुनियाभर में पारिवारिक इकाइयों को प्रभावित कर रही हैं, इसलिए, 1993 में इसने आधिकारिक तौर पर 15 मई को अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस के रूप में घोषित किया। जैसाकि दुनिया दोहा, कतर में 4-6 नवंबर 2025 में सामाजिक विकास के लिए दूसरे विश्व शिखर सम्मेलन की तैयारी कर रही है, तब अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस सतत विकास को आगे बढ़ाने में परिवार-उन्मुख नीतियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालेगा, जो गरीबी उन्मूलन, सभ्य कार्य और सामाजिक समावेशन के प्रति प्रतिबद्धताओं को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण अवसर होगा।

(ललित गर्ग)

परिवार एक संसाधन की तरह होता है। फिर क्या कारण है कि आज किसी भी घर-परिवार के वातायन से झांककर देख लें-दुख, चिंता, कलह, ईर्ष्या, घृणा, पक्षपात, विवाद, विरोध, विद्रोह के साये चलते हुए दीखेंगे। अपनों के बीच भी परायेपन का अहसास पसरा हुआ होगा।

वैश्विक परिवार दिवस दुनिया भर के लोगों में प्यार, सद्भाव, एकता को प्रोत्साहित करने के लिए समर्पित विश्व उत्सव है। संयुक्त राष्ट्र ने परिवारों के महत्व और उनके सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए इस दिन की स्थापना की। परिवार हमें एकसूत्रता में बांधता है, रिश्तों की अहमियत को गहराई से समझाता है, सभी पारिवारिकजनों में प्यार बढ़ाता है। हमें एक व्यक्ति के रूप में विकसित होने और हमारे भावनात्मक संबंधों को मजबूत करते हुए बेहतर इंसान बनाने में करता है। संयुक्त राष्ट्र ने माना कि बदलती आर्थिक और सामाजिक संरचनाएं दुनियाभर में पारिवारिक इकाइयों को प्रभावित कर रही हैं, इसलिए, 1993 में इसने आधिकारिक तौर पर 15 मई को अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस के रूप में घोषित किया। जैसाकि दुनिया दोहा, कतर में 4-6 नवंबर 2025 में सामाजिक विकास के लिए दूसरे विश्व शिखर सम्मेलन की तैयारी कर रही है, तब अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस सतत विकास को आगे बढ़ाने में परिवार-उन्मुख नीतियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालेगा, जो गरीबी उन्मूलन, सभ्य कार्य और सामाजिक समावेशन के प्रति प्रतिबद्धताओं को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण अवसर होगा। 'सतत विकास के लिए परिवार-उन्मुख नीतियांः सामाजिक विकास के लिए दूसरे विश्व शिखर सम्मेलन की ओर' थीम के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय और क्षेत्रीय पहलों से महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि को उजागर किया जाएगा, जिसमें सतत विकास के लिए प्रौद्योगिकीय परिवर्तन, जनसांख्यिकीय बदलाव, शहरीकरण, प्रवासन और जलवायु परिवर्तन जैसी बड़ी प्रवृत्तियों से निपटने के लिए राष्ट्रीय विकास एजेंडा में परिवार-केंद्रित नीतियों को एकीकृत करने के महत्व पर जोर दिया जाएगा। परिवार में रिश्तों की एक मज़बूत डोर होती है, सहयोग के अटूट बंधन होते हैं, एक-दूसरे की सुरक्षा के वादे और इरादे होते हैं। हमारा यह फ़र्ज़ है कि इस रिश्ते की गरिमा को बनाए रखें। हमारी संस्कृति एवं परंपरा में पारिवारिक एकता पर हमेशा से बल दिया जाता रहा है। प्राणी जगत एवं सामाजिक संगठन में परिवार सबसे छोटी इकाई है। परिवार के अभाव में मानव समाज के संचालन की कल्पना भी दुष्कर है, प्रत्येक व्यक्ति किसी-न-किसी परिवार का सदस्य होकर ही अपनी जीवन यात्रा को सुखद, समृद्ध, विकासोन्मुख बना पाता है। उससे अलग होकर उसके अस्तित्व को सोचा नहीं जा सकता है। हमारी संस्कृति और सभ्यता अनेक परिवर्तनों से गुजर कर अपने को परिष्कृत करती रही है, लेकिन परिवार संस्था के अस्तित्व पर कोई भी आंच नहीं आई। वह बने और बन कर भले टूटे हों लेकिन उनके अस्तित्व को नकारा नहीं जा सकता है। हम चाहे कितनी भी आधुनिक विचारधारा में पल रहे हो लेकिन अंत में अपने संबंधों को विवाह संस्था से जोड़ कर परिवार में परिवर्तित करने में ही संतुष्टि एवं जीवन की परिपूर्णता-सार्थकता अनुभव करते हैं। परिवार

का महत्व न केवल भारत में बल्कि दुनिया में सर्वत्र है।

आधुनिक समाज में परिवार का विघटन आम बात हो चुकी है। ऐसे में परिवार न टूटे इस मिशन एवं विजन के साथ अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस मनाया जाता है। परिवार के बीच में रहने से आप तनावमुक्त व प्रसन्नचित्त रहते हैं, साथ ही आप अकेलेपन या डिप्रेशन के शिकार भी नहीं होते, यही नहीं परिवार के साथ रहने से आप कई सामाजिक बुराइयों से अछूते भी रहते हैं। परिवार दो प्रकार के होते हैं- एक एकल परिवार और दूसरा संयुक्त परिवार। एकल परिवार में पापा-मम्मी और बच्चे रहते हैं। संयुक्त परिवार में पापा-मम्मी, बच्चे, दादा दादी, चाचा, चाची, बड़े पापा, बड़ी मम्मी, बुआ इत्यादि रहते हैं। संयुक्त परिवार टूटने एवं बिखरने की त्रासदी को भोग रहे लोगों के लिये यह दिवस बहुत महत्वपूर्ण है। वास्तव में मानव सभ्यता की अनूठी पहचान है संयुक्त परिवार और वह जहां है वहीं स्वर्ग है। रिश्तों और प्यार की अहमियत को छिन्न-भिन्न करने वाले पारिवारिक सदस्यों की हरकतों एवं तथाकथित आधुनिकतावादी सोच से जहां बुढ़ापा कांप उठता है, वहीं बच्चों की दुनिया को भी बहुत सारे आयोजनों से बेदखल कर दिया है। दुख सहने और कष्ट झेलने की शक्ति जो संयुक्त परिवारों में देखी जाती है वह एकल रूप से रहने वालो में दूर-दूर तक नहीं होती है। आज के अत्याधुनिक युग में बढ़ती महंगाई और बढ़ती जरूरतों को देखते हुए संयुक्त परिवार समय की मांग कहे जा सकते हैं।

भारत गांवों का देश है, परिवारों का देश है, शायद यही कारण है कि न चाहते हुए भी आज हम विश्व के सबसे बड़े जनसंख्या वाले राष्ट्र के रूप में उभर चुके हैं और शायद यही कारण है कि आज तक जनसंख्या दबाव से उपजी चुनौतियों के बावजूद, एक 'परिवार' के रूप में, जनसंख्या नीति बनाये जाने की जरूरत महसूस नहीं की। ईंट, पत्थर, चूने से बनी दीवारों से घिरा जमीं का एक हिस्सा घर-परिवार कहलाता है जिसके साथ 'मैं' और 'मेरापन' जुड़ा है। संस्कारों से प्रतिबद्ध संबंधों की संगठनात्मक इकाई उस घर-परिवार का एक-एक सदस्य है। हर सदस्य का सुख-दुख एक-दूसरे के मन को छूता है। प्रियता-अप्रियता के भावों से मन प्रभावित होता है। घर-परिवार जहां हर सुबह रोटी, कपड़ा, मकान, शिक्षा, चिकित्सा की समुचित व्यवस्था की जुगाड़ में धूप चढ़ती है और आधी-अधूरी चिंताओं का बोझ ढोती हुई हर शाम घर-परिवार आकर ठहरती है। कभी लाभ, कभी हानि, कभी सुख, कभी दुख, कभी संयोग, कभी वियोग, इन द्वंद्वात्मक परिस्थितियों के बीच जिंदगी का कालचक्र गति करता है। आदमी की हर कोशिश 'घर-परिवार' बनाने की रहती है। सही अर्थों में घर-परिवार वह जगह है जहां स्नेह, सौहार्द, सहयोग, संगठन सुख-दुख की साझेदारी, सबमें सबक होने की स्वीकृति जैसे जीवन-मूल्यों को जीया जाता है। जहां सबको सहने और समझने का पूरा अवकाश है। अनुशासन के साथ रचनात्मक स्वतंत्रता है। निष्ठा के साथ निर्णय का अधिकार है। जहां बचपन सत्संस्कारों में पलता है। युवकत्व सापेक्ष जीवनशैली से जीता है। वृद्धत्व जीए गए अनुभवों को सबके बीच बांटता हुआ सहिष्णु और संतुलित रहता है। ऐसा घर-परिवार निश्चित रूप से पूजा का मंदिर बनता है।

परिवार एक संसाधन की तरह होता है। फिर क्या कारण है कि आज किसी भी घर-परिवार के वातायन से झांककर देख लें-दुख, चिंता, कलह, ईर्ष्या, घृणा, पक्षपात, विवाद, विरोध, विद्रोह के साये चलते हुए दीखेंगे। अपनों के बीच भी परायेपन का अहसास पसरा हुआ होगा। विचारभेद मनभेद तक पहुंचा देगा। विश्वास संदेह में उतर आएगा। ऐसी अनकही तनावों की भीड़ में आदमी सुख के एक पल को पाने के लिए तड़प जाता है। कोई किसी के सहने/समझने की कोशिश नहीं करता। क्योंकि उस घर-परिवार में उसके ही अस्तित्व के दायरे में उद्देश्य, आदर्श, उम्मीदें, आस्था, विश्वास की बदलती परिधियां केंद्र को ओझल कर भटक जाती हैं। विघटन शुरू हो जाता है। भारतीय परिवार में परिवार की मर्यादा और आदर्श परंपरागत है। विश्व के किसी अन्य समाज़ में गृहस्थ जीवन की इतनी पवित्रता, स्थायीपन, और पिता-पुत्र, भाई-भाई और पति-पत्नी के इतने अधिक व स्थायी संबंधों का उदाहरण प्राप्त नहीं होता। विभिन्न क्षेत्रों, धर्मों, जातियों में सम्पत्ति के अधिकार, विवाह और विवाह विच्छेद आदि की प्रथा की दृष्टि से अनेक भेद पाए जाते हैं, किंतु फिर भी 'संयुक्त परिवार' का आदर्श सर्वमान्य है। अधिकतर परिवार में तीन पीढ़ियों और कभी कभी इससे भी अधिक पीढ़ियों के व्यक्ति एक ही घर में, अनुशासन में और एक ही रसोईघर से संबंध रखते हुए सम्मिलित संपत्ति का उपभोग करते हैं और एक साथ ही परिवार के धार्मिक कृत्यों तथा संस्कारों में भाग लेते हैं। मुसलमानों और ईसाइयों में संपत्ति के नियम भिन्न हैं, फिर भी संयुक्त परिवार के आदर्श, परंपराएं और प्रतिष्ठा के कारण इनका सम्पत्ति के अधिकारों का व्यावहारिक पक्ष परिवार के संयुक्त रूप के अनुकूल ही होता है। संयुक्त परिवार का कारण भारत की कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था के अतिरिक्त प्राचीन परंपराओं तथा आदर्श में निहित है। रामायण और महाभारत की गाथाओं द्वारा यह आदर्श जन-जन में संप्रेषित है। इंसानी रिश्तों एवं पारिवारिक परम्परा के नाम पर उठा जिन्दगी का यही कदम एवं संकल्प कल की अगवानी में परिवार के नाम एक नायाब तोहफा होगा। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार हैं।

बलूच विद्रोही अब पाकिस्तानी सेना के लिए बड़ी चिंता का विषय

(मनीष राय)

पाकिस्तान के लगभग सभी संघीय और राज्य सुरक्षा और खुफिया बलों की बलूचिस्तान में व्यापक उपस्थिति है। वायु सेना, नौसेना, तटरक्षक बल और पाकिस्तानी सेना, सभी बलूचिस्तान में उपस्थिति बनाए रखते हैं, जिसमें सबसे महत्वपूर्ण शाखा सेना है।

बलूच विद्रोहियों के भीषण हमलों ने पाकिस्तानी सेना को हिलाकर रख दिया है, इस समय पाकिस्तानी फौज मुख्य रूप से भारतीय मोर्चे पर तैनात है. बलूचिस्तान की प्रांतीय राजधानी क्वेटा में सिर्फ़ एक दिन में पाकिस्तानी सेना पर छह हमले हुए। पाकिस्तान ने भारत के साथ हाल ही में हुए सैन्य टकराव के कारण बलूचिस्तान से अपनी सेना की टुकड़ियों को काफ़ी संख्या में हटा के पूर्वी सीमा पर तैनात किया। बलूच विद्रोहियों के चल रहे अभियानों और सैनिकों की इस कटौती ने पाकिस्तानी सेना पर अतिरिक्त दबाव डाला. सबसे बड़े विद्रोही संगठन, बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने हेरोफ़ सैन्य अभ्यास नामक एक अभियान शुरू किया, जिसमें उसने 51 से ज़्यादा जगहों पर 71 से ज़्यादा समन्वित हमले करने का दावा किया। बीएलए ने एक प्रेस बयान में कहा कि उसने कई शहरों पर कब्ज़ा कर लिया है और बलूचिस्तान और सिंध को जोड़ने वाले मुख्य राजमार्ग ह-65 सहित राजमार्गों पर चेक पोस्ट स्थापित किए हैं, और लेवीज़ पुलिस स्टेशन और ह्ष्क्रकार्यालय जैसी कई सरकारी कार्यालयों पर कब्ज़ा कर लिया। ये सुसंगठित हमले स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि यदि बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना की इकाइयों को अन्य मोर्चों पर तैनात किया जाता है, भले ही थोड़े समय के लिए, बलूचिस्तान पर सरकारी नियंत्रण बहुत कमजोर और विद्रोहियों की दया पर निर्भर हो जाता है। इन व्यापक हमलों के साथ, बलूच विद्रोहियों ने एक बार फिर अपनी पहुंच, क्षमता और जटिल हमलों को समन्वित करने की क्षमता का प्रदर्शन किया।

पाकिस्तान के लगभग सभी संघीय और राज्य सुरक्षा और खुफिया बलों की बलूचिस्तान में व्यापक उपस्थिति है। वायु सेना, नौसेना, तटरक्षक बल और पाकिस्तानी सेना, सभी बलूचिस्तान में उपस्थिति बनाए रखते हैं, जिसमें सबसे महत्वपूर्ण शाखा सेना है। पाकिस्तानी सेना की थर्ड कोर, जिसकी कमान एक लेफ्टिनेंट जनरल के पास होति है, जो दक्षिणी कमान के कमांडर के रूप में भी काम करते है, क्वेटा स्थित सेना कोर मुख्यालय से ऑपरेट करते है और और सीधे पाकिस्तानी सेना प्रमुख को रिपोर्ट करते है. पाकिस्तान वायु सेना बलूचिस्तान में चार ठिकानों का संचालन करती है। प्राथमिक बेस क्वेटा में समुंगली है और यह 31वें फाइटर विंग का अड्डा है। पाकिस्तानी नौसेना बलूचिस्तान में अरब सागर पर चार नौसैनिक ठिकानों का संचालन करती है। प्राथमिक बेस पश्चिमी बलूचिस्तान में ग्वादर का गहरे पानी का बंदरगाह है, जो कराची के बाद पाकिस्तान का दूसरा सबसे बड़ा बंदरगाह है। यह बंदरगाह पाकिस्तान तटरक्षक बल की तीसरी बटालियन का भी घर है। तीन छोटे नौसैनिक अड्डे जिवानी, ओरमारा और पसनी में स्थित हैं। पाकिस्तान खुफिया तंत्र भी बलूचिस्तान में हमेशा बड़ी तैनाती बनाये रखता है। इंटर-सर्विस इंटेलिजेंस डायरेक्टोरेट (आईएसआई) रणनीतिक खुफिया जानकारी के साथ-साथ संचालन के लिए जिम्मेदार है और क्वेटा में इसका एक बड़ा हिस्सा है। आईएसआई का संयुक्त सिग्नल इंटेलिजेंस ब्यूरो (जेआईएसबी) सैन्डक में सिग्नल इंटेलिजेंस संग्रह स्टेशन संचालित करता है, जो पश्चिमी सीमा को कवर करता है, और ग्वादर में, जो ओमान की खाड़ी के शिपिंग लेन को कवर करता है।आईएसआई के अलावा, प्रत्येक सेवा में सैन्य खुफिया एजेंसियां हैं, जिन्हें सामूहिक रूप से एमआई (एमआई) के रूप में जाना जाता है, जो सामरिक आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं। संघीय सरकार के इन बलों के अलावा, पाकिस्तान आंतरिक मंत्रालय (एमओआई) बलूचिस्तान पुलिस और प्रांत में फ्रंटियर कोर (एफसी) को नियंत्रित करता है। बलूचिस्तान पुलिस के पास पूरे प्रांत के लिये अधिकार प्राप्त है और अपराध से लड़ने और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए वे जिम्मेदार हैं। बलूचिस्तान कांस्टेबुलरी, जिसे कभी-कभी लेवी के रूप में संदर्भित किया जाता है, प्रांत के दूरदराज के इलाकों में पुलिस को मदद प्रदान करती है। फ्रंटियर कॉर्प्स बलूचिस्तान (एफसीबी) को प्रांत में बड़ी संख्या में तैनात किया गया है। यह आंतरिक मंत्रालय (एमओआई) के तहत एक अर्धसैनिक बल है और प्रांत की सुरक्षा तंत्र में एक महत्वपूर्ण कड़ी है। पाकिस्तानी नीति निर्माता, इतनी बड़ी संख्या में बलों को तैनात करने के बावजूद, हमेशा बलूचिस्तान पर पूर्ण नियंत्रण बनाए रखने के लिए संघर्ष करते है।

पिछले कुछ दिनों में हुए हमलों से पता चलता है कि बलूच विद्रोह एक महत्वपूर्ण नए चरण में प्रवेश कर चुका है। अगस्त 2021 में अफगानिस्तान से अमेरिका की वापसी के बाद, बड़ी मात्रा में अत्यधिक परिष्कृत हथियार, जिनका इस्तेमाल अफगान सुरक्षा बलों द्वारा किया जाता था, क्षेत्र के काले बाजारों में पहुंच गए हैं। इनमें से कई अमेरिकी निर्मित हथियार बलूच सशस्त्र समूहों के हाथों में भी पहुंच गए हैं, जैसे एमए 62 और एम1-64 असॉल्ट राइफलें, ट्राइजिकॉन एमसीओजी ऑप्टिक्स और एम 203 अंडर बैरल ग्रेनेड लॉन्चर। छोटे आग्नेयास्त्रों और आरपीजी-7 पैटर्न रॉकेट लॉन्चर के अलावा, बलूच विद्रोही पीके(एम) और एमजी3 वेरिएंट जैसी विभिन्न मशीन गन का इस्तेमाल कर रहे हैं। कभी-कभी, विद्रोहियों को भारी मशीन गन (एचएमजी) का इस्तेमाल करते हुए भी देखा गया है। बलूच सशस्त्र समूह धीरे-धीरे उस विद्रोह को मजबूत करने की ओर बढ़ रहे हैं जो पहले एक खंडित विद्रोह था। पिछले कुछ वर्षों में, विद्रोही समूहों ने पाकिस्तानी सरकार के खिलाफ एकजुट लड़ाई के लिए या तो विलय कर लिया है या सामरिक गठबंधन बना लिया है। ऐसा करके, वे जटिल ऑपरेशनों को अंजाम देने के लिए बेहतर संसाधन और बेहतर समन्वय प्राप्त करने में सक्षम हो गए हैं।

साथ ही, सशस्त्र समूहों का नेतृत्व काबिलाई सरदारों से सुशिक्षित और अत्यधिक प्रेरित बलूच मध्यम वर्ग के हाथों में चला गया है। और बलूच विद्रोहियों का ये नया नेतृत्व विद्रोह को सुव्यवस्थित कर गुरिल्ला युद्ध में बदल रहा हैं।

वास्तव में, बलूच सशस्त्र समूहों ने हर आयाम में अपनी क्षमताओं को कई गुना बढ़ा लिया है। पिछले कुछ वर्षों में, बलूच विद्रोहियों ने अपनी संचार क्षमताओं और हथियारों में काफी सुधार किया है।

दुनिया को समझना होगा, भारत का 'न्यू नॉर्मल'

पीएम ने अपने संबोधन में जितनी स्पष्टवादिता, दृढ़ता और विश्वास के साथ सधे और नपे—तुले शब्दों में अपनी बात विश्व के समक्ष रखी है, ऐसा साहस उनका कोई पूर्ववर्ती दिखा नही सका। पाकिस्तान के साथ अब तक हुए चार युद्ध, बालाकोट और उरी स्ट्राइक में उसे इतने गहरे घाव नहीं लगे, जितने ऑपरेशन सिंदूर ने उसे दिये। अपने स्वभाव से विवश पाकिस्तान पहलगाम आतंकी घटना के बाद इसी सोच के साथ रहा होगा, भारत प्रत्युत्तर में अधिक से अधिक एयर स्ट्राइक या उरी जैसा आक्रमण करेगा। लेकिन उसके अनुमान और विचार धरे के धरे रह गए। और भारत ने जो विध्वंस ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से मचाया, उसकी कल्पना भी आतंकियों और उनके जन्मदाताओं एवं शरणदाताओं की कल्पना से भी परे थी।

(डॉ. आशीष वशिष्ठ)

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भी पाकिस्तान को प्रत्युत्तर में एयर स्ट्राइक से अधिक की उम्मीद नहीं थी। उसे लग रहा था भारत की सत्ता संभालने वालों में बड़े, प्रभावशाली और कठोर निर्णय लेने का राजनीतिक साहस नहीं है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुद्ध पूर्णिमा दिन राष्ट्र के नाम अपने 22 मिनट के संबोधन में पाकिस्तान को स्पष्टत~ चेता दिया कि अगर हमारे भारत की ओर आँख उठाकर भी देखा तो वो हश्र होगा कि दुनिया याद करेगी। राष्ट्र के नाम संदेश के अगले दिन पीएम ने आदमपुर एयरबेस पहुंचकर जवानों का उत्साह और मनोबल बढ़ाया। आदमपुर में प्रधानमंत्री के साथ समवेत स्वर में जब जवानों ने भारत माता की जय का उद्घोष किया तो उस निनाद की गूंज और प्रतिध्वनि पाकिस्तान ही नहीं अखिल विश्व ने स्पष्ट तौर पर सुनी।

पीएम ने अपने संबोधन में जितनी स्पष्टवादिता, दृढ़ता और विश्वास के साथ सधे और नपे—तुले शब्दों में अपनी बात विश्व के समक्ष रखी है, ऐसा साहस उनका कोई पूर्ववर्ती दिखा नही सका। पाकिस्तान के साथ अब तक हुए चार युद्ध, बालाकोट और उरी स्ट्राइक में उसे इतने गहरे घाव नहीं लगे, जितने ऑपरेशन सिंदूर ने उसे दिये। अपने स्वभाव से विवश पाकिस्तान पहलगाम आतंकी घटना के बाद इसी सोच के साथ रहा होगा, भारत प्रत्युत्तर में अधिक से अधिक एयर स्ट्राइक या उरी जैसा आक्रमण करेगा। लेकिन उसके अनुमान और विचार धरे के धरे रह गए। और भारत ने जो विध्वंस ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से मचाया, उसकी कल्पना भी आतंकियों और उनके जन्मदाताओं एवं शरणदाताओं की कल्पना से भी परे थी।

भारत ने लड़ाई के मोर्चे पर ही नहीं, बल्कि सिंधु जल संधि को स्थगित करने जैसा ऐतिहासिक और साहसी कदम भी उठाया। 1965, 1971 और 1999 कारगिल युद्ध और तमाम छोटी—बड़ी आतंकी घटनाओं में पाकिस्तान की स्पष्ट भूमिका के उपरांत सिंधु जल संधि स्थगित करने का साहस भारत दिखा नहीं पाया। बालाकोट और उसी स्ट्राइक, जम्मू कश्मीर में धारा 370 को खत्म करने जैसे बड़े कदम उठाने के बाद भी पाकिस्तान भारत को हल्के में लेता रहा। वास्तव में त्रुटि पाकिस्तान की नहीं, हमारी ही रही। हमारे देश के भीतर एक ऐसी मंडली हैं, जिनके हृदय में भारत से अधिक पाकिस्तान के लिये प्रेम, पक्षपात और दया भावना उछाल मारती है। यही मंडली हर आतंकी घटना के बाद भारत पाकिस्तान के विरुद्ध कड़े कदम उठाने का प्रपंच और स्वांग रचती है। प्रोपेगेंडा करने और नैरेटिव गढ़ने में इस मंडली को महारत प्राप्त है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भी ये मंडली सक्रिय हो गई थी। वो अलग बात है कि इस बार यह अपना एजेंडा चलाने में सफल नहीं हुई। वहीं पाकिस्तान को सख्त सबक सिखाने की बजाय जुबानी जमा खर्च ज्यादा करने की जो परंपरा नेहरू—इंदिरा के शासन में फली फूली, 2014 में मोदी सरकार के गठन से पूर्व तक भारत उसी नीति का सिर झुकाकर अनुसरण करता रहा।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भी पाकिस्तान को प्रत्युत्तर में एयर स्ट्राइक से अधिक की उम्मीद नहीं थी। उसे लग रहा था भारत की सत्ता संभालने वालों में बड़े, प्रभावशाली और कठोर निर्णय लेने का राजनीतिक साहस नहीं है। लेकिन पाकिस्तान पता नहीं यह कैसे भूल गया कि पीएम मोदी खतरे उठाने और साहसी निर्णय लेने के लिए जाने जाते हैं। उनकी प्रसिद्धि, साख और लोकप्रियता की यूएसपी जोखिम उठाना ही तो है। पीएम मोदी की दृढ राजनीतिक इच्छा शक्ति का समर्थन पाकर हमारे वीर जवानों ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत ने पाकिस्तान को उदाहरण के साथ अच्छे से समझा दिया है कि अब खेल बदल चुका है। खेल के खिलाड़ी बदल चुके हैं। भारत की सत्ता जिनके हाथों में हैं, उनका नारा नेशन फर्स्ट का है।

ऑपरेशन सिंदूर के रूप में भारत ने न केवल आतंक के पोषक और जनक पाकिस्तान को करारा उत्तर दिया, बल्कि एक नया सैन्य और रणनीतिक सिद्धांत स्थापित कर दिया। 7 से 10 मई के बीच चार दिनों तक चले इस सीमित, लेकिन तीव्र सैन्य अभियान ने न केवल पाकिस्तान को सैन्य रूप से झकझोर कर रख दिया, बल्कि वैश्विक मंच पर भारत की साख, क्षमता और इच्छाशक्ति का ऐसा प्रदर्शन किया जो दशकों में पहली बार देखा गया। ऑपरेशन सिंदूर से भारत ने यह स्पष्ट कर दिया कि आतंक के विरूद्ध अब वह चुप नहीं बैठेगा, घर के भीतर घुसकर मारेगा।

पहलगाम घटना के बाद भारत ने बातें नहीं की, डोजियर सौंपने की तैयार नहीं की, सीधे घर में घुसकर मारा, सीधे एक्शन लिया। पाकिस्तान के अंदर घुसकर 15 से अधिक आतंकियों और सेना से जुड़े ठिकानों को नष्ट भ्रष्ट कर दिया। भारत ने केवल आतंकी ठिकानों पर नहीं, उनके ड्रोन कंट्रोल सेंटर और एयरबेस तक को निशाना बनाया। ये दिखाने के लिए कि अगर आवश्यकता पड़ी, तो भारत सीधे उनके सीने तक पहुंच सकता है। ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य बहुत स्पष्ट था- आतंक का ढांचा तोड़ना, अपनी सैन्य ताकत दिखाना, शत्रु को पुन~ सोचने के लिए विवश करना और विश्व को यह बताना कि यह परिवर्तित भारत है। और यह परिवर्तित भारत अब नई सुरक्षा नीति पर चल रहा है।

यह बदला हुआ भारत है, भारत के इस बदले हुए मिजाज और कड़े निर्णय लेने के साहस को पाकिस्तान समझने से चूक गया। जिसका परिणाम अखिल विश्व के समक्ष है। भारत ने घर में घुसकर जब चाहा, जहां चाहा, वहां हमला किया। आतंकी खत्म किये, आतंक के ठिकाने ध्वस्त किये और पाकिस्तान के सैन्य हमलों को अपाहिज और पंगु बना डाला। भारतीय सेना और हमारे डिफेंस सिस्टम की श्रेष्ठता और सटीकता ने पाकिस्तान ही नहीं उसके सहयोगियों और हितैषी अमेरिका, चीन और तुर्की के जेट फाइटर, ड्रोन्स, एयर डिफेंस सिस्टम और आयुध की निम्न गुणवत्ता को अनावृत कर डाला।

पाकिस्तान में फलने फूलने वाले आतंकियों को कड़ी सीख देने के लिए अच्छी तरह चिंतन—मंथन के बाद ऑपरेशन सिंदूर संचालित हुआ। इसे स्वैच्छिक युद्ध में परिवर्तित नहीं होने दिया गया, लेकिन आतंक को कठोर उत्तर भी दे दिया गया। भारत ने ये दिखा दिया कि अब युद्ध का अर्थ केवल बम-विस्फोट और सीमा लांघना नहीं होता। अब लड़ाई सोच-समझकर, सीमित परिधि में और स्पष्ट उद्देश्य के साथ लड़ी जाती है।

ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम ने विश्व समुदाय को स्पष्ट तौर पर बता दिया है कि अब हम किसी और के आश्रित नहीं है। ना अमेरिका की ओर देखा, ना रूस से पूछा और ना ही संयुक्त राष्ट्र से कोई सहायता मांगी। जो करना था, स्वयं उसकी कार्य योजना बनाई, और स्वयं ही उसे धरती पर उतारा। ये वही भारत है जो कभी हमलों के बाद बयान देता था और अंतरराष्ट्रीय सहायता की प्रतीक्षा करता था। लेकिन इस बार भारत ने ये दिखा दिया कि अब हम अपने निर्णय स्वयं लेते हैं और अपनी लड़ाई स्वयं अपने सामर्थ्य से लड़ते हैं। यह भारत की रणनीतिक आत्मनिर्भरता का स्पष्ट संकेत है, यानी अब हम दूसरों की सहमति या सहायता पर नहीं, अपनी सोच, शक्ति, सामर्थ्य और साधनों पर विश्वास करते हैं।

ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य ना राष्ट्र पर आधिपत्य की कामना थी, ना किसी सरकार गिराने या परिवर्तन की। एकमात्र बात विश्व को बतानी थी कि यदि भारत पर आक्रमण हुआ, तो उत्तर अवश्य मिलेगा और ऐसा मिलेगा कि पुन~ सोचने पर विवश कर देगा। अब भारत की लड़ाई का ढंग परिवर्तित हो गया है। यह केवल अस्त्र—शस्त्र नहीं दिखाता, यह बताता है कि कब, कहां और कैसे उनका प्रयोग करना है। यह एक नया भारत है- जो केवल निनाद नहीं उठाता, अब प्रभाव और धमक भी दिखाता है। अब भारत प्रतिक्रिया में नहीं चलता, कर्मण्यता पर विश्वास करता है और नई दिशा तय करता है। यह परिवर्तन केवल एक रणनीति नहीं है, ये मानसिकता का परिवर्तन है। इसलिए पीएम मोदी ने आदमपुर एयर बेस में कहा कि, 'ऑपरेशन सिंदूर' भारत का 'न्यू नॉर्मल' है। यही मानसिक परिवर्तन भारत का 'न्यू नॉर्मल' है। और इस 'न्यू नॉर्मल' को अखिल विश्व जितनी जल्दी समझेगा, वो उसके और शेष दुनिया के लिए हितकारी, सुखप्रद और शांतिप्रद होगा। (लेखक राजनीतिक विश्लेषक और स्तंभकार) (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

इस स्कॉलरशिप के जरिए लड़कियों को मिलेंगे 1 लाख रुपये

भारत में कई सारी स्कॉलरशिप का विकल्प मिलता है। ऐसे में अगर आप भी स्कॉलरशिप के जरिए पढ़ाई करना चाहते हैं तो हम आपको बताएंगे कि आप कैसे इंफोसिस फाउंडेशन के जरिए आसानी से स्कॉलरशिप ले सकते हैं। ऐसे में यह बैचलर कर रही लड़कियों को मौका दिया गया है।

इंफोसिस फाउंडेशन स्कॉलरशिप

इंफोसिस फाउंडेशन ने इंफोसिस फाउंडेशन स्टेम स्टार्स स्कॉलरशिप प्रोग्राम की शुरुआत की है जिसका जरिए ग्रेजुएशन के पहले वर्ष की लड़कियों को आर्थिक सहायता मिल सकता है। इस स्कॉलरशिप प्रोग्राम के जरिए फाउंडेशन उन छात्राओं की मदद करना चाहती है जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं और विज्ञान, तकनीक, इंजीनियरिंग और गणित के क्षेत्र में उच्च शिक्षा प्राप्त करने की इच्छुक हैं। इस पहल से छात्राओं को न केवल शिक्षा का अवसर मिलेगा, बल्कि उनके करियर के विकास में भी मदद मिलेगी।

किसको मिलेगा यह लाभ

इंफोसिस फाउंडेशन स्कॉलरशिप उन छात्रों को दिया जाएगा जिसके घर के इंकम 8 लाख से कम है। ऐसे में यह स्कॉलरशिप देने से पहले छात्रों का एजुकेशनल क्वालिफिकेशन के साथ ही उनका एक इंटरव्यू भी होगा। इस इंटरव्यू के आधार पर यह तय किया जाएगा कि छात्र को स्कॉलरशिप मिलना चाहिए या नही।

किन डॉक्यूमेंट्स की होगी जरूरत

प्रमाण-पत्र
जेईई/ सीईटी/नीट का स्कोरकार्ड
इनकम सर्टिफिकेट

कैसे बनें फायर सेफ्टी इंजीनियर

अगर आप बैचलर डिग्री के बजाय डिप्लोमा कोर्स करना चाहते हैं, तो फायर इंजीनियरिंग या फायर सेफ्टी में डिप्लोमा भी कर सकते हैं। डिप्लोमा के बाद, आप बैचलर कोर्स में लेटरल एंट्री से प्रवेश ले सकते हैं।

फायर सेफ्टी इंजीनियर एक ऐसा पेशा है, जिसमें आप आग लगने की घटनाओं को रोकने और उनसे निपटने के लिए काम करते हैं। यह एक बहुत ही जरूरी और चुनौती भरा काम है। अगर आप भी फायर सेफ्टी इंजीनियर बनना चाहते हैं तो यह लेख आपके लिए बहुत उपयोगी हो सकता है। फायर सेफ्टी इंजीनियर बनने के लिए इन योग्यताओं का होना जरूरी है

- 12वीं कक्षा में कम से कम 50 फीसदी अंकों के साथ फिजिक्स, केमिस्ट्री, या गणित विषयों में पास होना
- फायर सेफ्टी इंजीनियरिंग में ग्रेजुएशन की डिग्री या समकक्ष परीक्षा पास करना
- फायर टेक्नोलॉजी और सेफ्टी इंजीनियरिंग में प्रवेश के लिए जेईई मेन और जेईई एडवांस परीक्षा पास करना।
- शारीरिक योग्यता का होना। पुरुषों की लंबाई कम से कम 165 सेंटीमीटर और वजन 50 किलोग्राम होना चाहिए। महिलाओं की लंबाई कम से कम 157 सेंटीमीटर और वजन 46 किलोग्राम होना चाहिए। आंखों की नजर दोनों आंखों में 6/6 होनी चाहिए। उम्र 19 साल से ज्यादा होनी चाहिए।

फायर सेफ्टी इंजीनियर बनने के लिए ये भी कर सकते हैं

कॉलेज में सर्टिफिकेट या डिप्लोमा लेना। इससे आपको प्रशिक्षु इंजीनियर के तौर पर नौकरी मिलने में मदद मिल सकती है। आईटीआई फायर और सेफ्टीकोर्स करना। यह कोर्स दो साल का होता है और इसमें चार सेमेस्टर होते हैं। चार सेमेस्टर में से एक सेमेस्टर में लाइव वातावरण में व्यावहारिक प्रशिक्षण होता है। फायर सेफ्टी इंजीनियर बनने के लिए आपको सिविल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग या केमिकल इंजीनियरिंग में बैचलर्स डिग्री प्राप्त करनी होगी। फायर सेफ्टी इंजीनियरिंग के लिए, कई तरह के कोर्स कराए जा सकते हैं

बैचलर ऑफ साइंस

इंस्टीट्यूट ऑफ फायर इंजीनियरिंग में फायर और सेफ्टी में तीन साल का बीएससी कोर्स कराया जाता है। इसमें 15 छात्रों को प्रवेश मिलता है और इसकी कुल लागत 60,000 रुपये है।

बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग और बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी

नेशनल फायर सर्विस कॉलेज, नागपुर में अग्नि इंजीनियरिंग में बीई कोर्स कराया जाता है। इसमें 60 छात्रों को प्रवेश मिलता है और इसकी कुल लागत 96,000 रुपये है। यह कोर्स चार साल का होता है। यह कोर्स 3-4 साल का होता है और इसमें फायर सेफ्टी, डिजास्टर मैनेजमेंट, फायर प्रिवेंशन, इमरजेंसी मैनेजमेंट, और रेस्क्यू टेक्निक्स जैसे विषय पढ़ाए जाते हैं।

फायर सेफ्टी इंजीनियरिंग में डिप्लोमा

फायर सेफ्टी इंजीनियरिंग के लिए, बारहवीं कक्षा पास करने के बाद फायर और सेफ्टी प्रबंधन में डिप्लोमा किया जा सकता है। यह कोर्स 1-2 साल का होता है और इसे पूरा करने के बाद आप असिस्टेंट फायर ऑफिसर या टेक्निशियन के रूप में नौकरी शुरू कर सकते हैं।

फायर सेफ्टी इंजीनियर कहां काम कर सकते हैं

आप सरकारी विभागों जैसे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन, पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट, डिफेंस, और रेलवे में फायर सेफ्टी इंजीनियर के रूप में नौकरी पा सकते हैं। या फिर आप प्राइवेट सेक्टर में फायर सेफ्टी कंसल्टेंट, फायर इंजीनियर, सेफ्टी मैनेजर या डिजास्टर मैनेजमेंट के पदों पर काम कर सकते हैं।

फायर सेफ्टी इंजीनियरिंग के लिए लाइसेंस

कुछ देशों में, फायर सेफ्टी इंजीनियर बनने के लिए आपको लाइसेंस प्राप्त करना होगा। आप स्थानीय अधिकारियों से लाइसेंस पा सकते हैं।

फायर सेफ्टी इंजीनियर बनने के फायदे

- फायर सेफ्टी इंजीनियरों को अच्छा वेतन मिलता है।
- आप लोगों की जान और माल बचाने में योगदान दे सकते हैं।
- इस क्षेत्र में करियर ग्रोथ के बहुत सारे अवसर हैं।
- आप समाज में एक सम्मानित व्यक्ति बन सकते हैं।

सीए और सीएफए में क्या होता है अंतर

सीए और सीएफए दोनों फाइनेंस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए जरूरी योग्यताएं हैं, लेकिन दोनों के बीच कुछ अंतर हैं। आइए इन प्वाइंट्स में समझते हैं।

सीए (Chartered Accountant) और सीएफए (Chartered Financial Analyst) दोनों ही हाई लेवल की प्रोफेशनल डिग्री हैं, लेकिन ये अलग-अलग एरिया में विशेषज्ञता देती हैं। यहां 7 प्रमुख बिंदुओं में दोनों के बीच का अंतर समझाया गया है। आइए इससे पहले जानते हैं कि क्या सीए और सीएफए चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) और चार्टर्ड फाइनेंशियल एनालिस्ट (सीएफए) दोनों फाइनेंस से जुड़े पेशे हैं।

सीए

सीए, जिन्हें सर्टिफाइड पब्लिक अकाउंटेंट भी कहा जाता है, अकाउंटेंसी फर्मों या उससे जुड़ी कंपनियों के लिए काम करते हैं। वे फाइनेंस के कई क्षेत्रों में काम करते हैं, जैसे कि ऑडिटिंग, टैक्सेशन, फाइनेंशियल प्लानिंग, और मैनेजमेंट कंस्लटिंग। सीए की जिम्मेदारियों में कर दाखिल करना और फाइनेंशियल स्टेटमेंट का ऑडिट करना भी शामिल हो सकता है। भारत में, सीए एक लोकप्रिय विकल्प है, खासकर उन लोगों के लिए जो अकाउंट्स और टैक्सेशन में रुचि रखते हैं।

सीएफए

सीएफए कोर्स, सीएफए संस्थान द्वारा ग्लोबल लेवल पर चलाया जाता है। यह कोर्स खास तौर से इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट और मनी मैनेजमेंट एनालिसिस पर केंद्रित है। सीएफए प्रोग्राम का मकसद, इन्वेस्ट और मैनेजमेंट में काम के लिए जरूरी ज्ञान और विशेषज्ञता देना है। सीएफए चार्टररहोल्डर के पास निवेश विश्लेषण में विशेषज्ञता और वास्तविक दुनिया के कौशल होते हैं। भारत में, सीएफए पेशेवरों के लिए अवसर बढ़ रहे हैं, खासकर एमएनसी और स्टार्टअप्स में अगर आपको फाइनेंस के बारे में जुनून है, तो सीएफए आपके लिए एक अच्छा विकल्प हो सकता है। भारत में, सीए और सीएफए दोनों की ही बहुत मांग है। निगमों, निवेश फर्मों, बैंकों, और दूसरे संगठनों में वरिष्ठ वित्तीय भूमिकाओं के लिए अक्सर सीए और सीएफए दोनों वाले पेशेवरों की मांग होती है। सीए और सीएफए दोनों वित्तीय क्षेत्र में करियर बनाने के लिए जरूर योग्यताएं हैं, लेकिन दोनों के बीच कुछ अंतर है

सीए कोर्स के लिए आपकी 12वीं पास होना अनिवार्य है, तो वहीं सीएफए प्रोग्राम के लिए ग्रेजुएट होना अनिवार्य है। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया सीए कोर्स करवाती है, तो वहीं ष्स्न्न प्रोग्राम सीएफए इंस्टीट्यूट यूएसए द्वारा करवाया जाता है।

कोर्स की अवधि

सीए कोर्स की अवधि 4.5 साल है, जिसमें 3 साल की ट्रेनिंग शामिल है, जबकि सीएफए कोर्स की अवधि 3-4 साल है, जिसमें तीनों परीक्षाओं को पास करना होता है।

फीस

सीए कोर्स की फीस 1-2 लाख रुपये है, जबकि सीएफए कोर्स की फीस 2-2.5 लाख रुपये है।

सीए और सीएफए कोर्स का दायरा
सीए कोर्स भारतीय अकाउंट सिस्टम, टैक्सेशन और कंपनी कानूनों पर केंद्रित है, जबकि सीएफए एक वैश्विक योग्यता है, जो निवेश प्रबंधन में माहिर है।

कैरियर के अवसर

सीए कोर्स के बाद आप अकाउंटेंट, ऑडिटर या फाइनेंस मैनेजर बन सकते हैं, जबकि सीएफए कोर्स के बाद आप निवेश बैंकर, पोर्टफोलियो मैनेजर या फाइनेंशियल एनालिस्ट बन सकते हैं।

सीए और सीएफए में चुनौती का स्तर

- दोनों कोर्स चुनौतीपूर्ण हैं, लेकिन सीएफए कोर्स को थोड़ा अधिक कठिन माना जाता है, क्योंकि इसमें तीनों परीक्षाओं को पास करना होता है।
- सीए और सीएफए के लिए योग्यता
- सीए कोर्स के लिए आपको 12वीं पास होना चाहिए और सीएफए कोर्स के लिए आपको ग्रेजुएट होना चाहिए।
- सीए और सीएफए में वैश्विक मान्यता
- सीएफए कोर्स को वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त है, जबकि सीए कोर्स को मुख्य रूप से भारत में मान्यता प्राप्त है।

छोटे निवेश के शुरू कर सकते हैं पापड़ उद्योग

अगर छोटे निवेश के साथ आप अपना कोई काम शुरू करना चाहती हैं तो आपको पापड़ उद्योग पर गौर करना चाहिए। आइए जानें, इस उद्योग से जुड़ी कुछ जरूरी बातें।

अगर आप घर बैठे और कम निवेश में कोई कारोबार शुरू करना चाहती हैं तो आप पापड़ उद्योग के बारे में सोच सकती हैं। अगर आप में काबिलियत है तो घर से शुरु हुए पापड़ के छोटे से कारोबार को आप सफलता के शिखर पर पहुंचा सकती हैं। अगर आपकी पृष्ठभूमि गांव है और आप कम पढ़ी-लिखी हैं तब भी इस उद्योग को शुरू करने में आपको कोई परेशानी नहीं होगी। लगभग सभी घरों में पापड़ का इस्तेमाल स्नेक्स के रूप में किया जाता है इसलिए मार्किट में इसकी काफी मांग है। पापड़ की मांग देखते हुए यह कहना गलत नहीं होगा कि इस उद्योग में संभावनाएं अपार हैं।

वैसे पापड़ उद्योग के इतिहास की बात करें तो यह काफी पुराना है। हमारे देश में यह व्यवसाय महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के मकसद से किया जा रहा है। इस व्यवसाय से ज्यादातर महिलाएं जुड़ी हुई हैं। यह व्यवसाय जरूरतमंद महिलाओं को कमाई का जरिया प्रदान करता है। इससे जुड़ी महिलाएं अच्छा मुनाफा भी कमा रही हैं। तो चलिए जानते हैं इस व्यवसाय को शुरू करने के लिए आपको क्या करना होगा।

पापड़ का इस्तेमाल भारत के अलावा एशिया के कई देशो में भी किया जाता है। भारत अन्य देशो में पापड़ निर्यात करता है लेकिन हमारे देश में ही पापड़ की आपूर्ति सही तरीके से नहीं पाती है। अगर इस लिहाज से देखा जाए तो इस बिजनस (हाउस वाइफ से कैसे बनें बिज़नेस वुमेन) का फ्यूचर बहुत अच्छा है। वैसे तो कुछ कंपनियों के पापड़ हर राज्य में मिल जाते हैं लेकिन हमारे देश में लगभग साठ फीसदी पापड़ की आपूर्ति लोकल पापड़ उद्योगों द्वारा ही किया जाता है।

पापड़ उद्योग शुरू करने के लिए क्या करें-
अगर आपके पास पैसे की कमी है तो आप बैंक से लोन भी ले सकती हैं। इस उद्योग के लिए बैंक कम दर पर लोन देती है। इसके अलावा आप कई महिलाओं को साथ जोड़कर स्वयंसेवी संस्था के रूप में भी काम कर सकती हैं, जैसा की लिज्जत पापड़ (लिज्जत पापड़ से लें प्रेरणा) कर रहा है। ऐसी संस्थाओं को भारत सरकार सहायता प्रदान करती है।

लाइसेंस लेना जरूरी

किसी भी फूड आइटम वाले बिजनस को शुरू करने के लिए आपको लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन करवाना होगा। खाद्य पदार्थों से जुड़ा व्यवसाय होने के कारण इसे BIS (Bureau of Indian Standards) के तय मानकों पर खरा उतरना होगा। पापड़ उद्योग में आपको BIS, FSSAI जैसे लाइसेंस की जरूरत पड़ेगी। साथ ही, Business Entities रजिस्ट्रेशन करवाना होगा। अगर आप अपने उद्योग में 20 से ज्यादा लोगों को जोड़ना चाहती हैं तो आपको Compliance EPF, ESIC पर भी ध्यान देना होगा।

जगह का रखें ध्यान

पापड़ उद्योग चलाने के लिए आपको लगभग साठ से अस्सी वर्गमीटर जगह की जरूरत पड़ती है, जिसमे पापड़ (पापड़ खाने की आदत अच्छी है या बुरी) बनाने से लेकर सुखाने और पैक करने तक का काम होगा। अगर आप ड्रायर मशीन द्वारा पापड़ सुखाना चाहती हैं तो आपको कम जगह यानी चालीस वर्गमीटर की ही जरूरत होगी।

कच्चे माल की जानकारी

वैसे तो पापड़ कई तरह से बनाए जाते है लेकिन आमतौर पर इस्तेमाल होने वाले मटेरियल हैं- दाल, मिर्च या मसाले, तेल, सोडियम बाई कार्बोनेट, हिंग, पिसी हुई काली मिर्च इत्यादि।
पापड़ उद्योग के लिए जरूरी मशीन-

- ग्राइंडिंग मशीन
- मिक्सर मशीन
- पापड़ प्रेस मशीन
- ड्राईंग मशीन
- पेकिंग मशीन

अगर आप धूप में पापड़ सुखाना चाहती हैं तो आपको ड्राईंग मशीन की जरुरत नहीं पड़ेगी। वहीं, अगर हाथ से पेकिंग करना चाहती हैं तो पेकिंग मशीन की भी जरूरत नहीं पड़ेगी।

पापड़ उद्योग शुरू करने के लिए लागत

पापड़ उद्योग शुरू करने के लिए आपको कम से कम एक लाख रूपयों की जरूरत होगी। लेकिन यह काफी हद तक आपके बजट पर निर्भर करता है कि आप इस पर कितना खर्च करना चाहती हैं। क्योंकि पापड़ बनाने की मशीने दस हजार से लेकर दस लाख तक की आती हैं।

कमाई कितनी

कमाई भी आपके बजट पर निर्भर करती है, अगर आप ज्यादा पैसे खर्च करती हैं तो आप ज्यादा मुनाफा कमा सकती हैं। वहीं, कम निवेश करने पर कमाई भी कम होगी। वैसे हमेशा ऐसा हो यह जरूरी नहीं, ऐसा भी हो सकता है कि कम निवेश पर भी आपकी अच्छी कमाई हो। यह सारी बातें मार्किट पर आपकी पकड़ पर निर्भर है। लेकिन पापड़ की क्वालिटी का हमेशा ध्यान रखें तभी आप मार्किट में पकड़ बना पाएंगी। वैसे आमतौर पर इसमें निवेश की गई पूंजी से दस से बीस प्रतिशत तक कमाई हो जा सकती है, मतलब अगर आप एक लाख रूपये खर्च करती हैं तो इससे आप लगभग बीस हजार रूपये कमा सकती हैं।

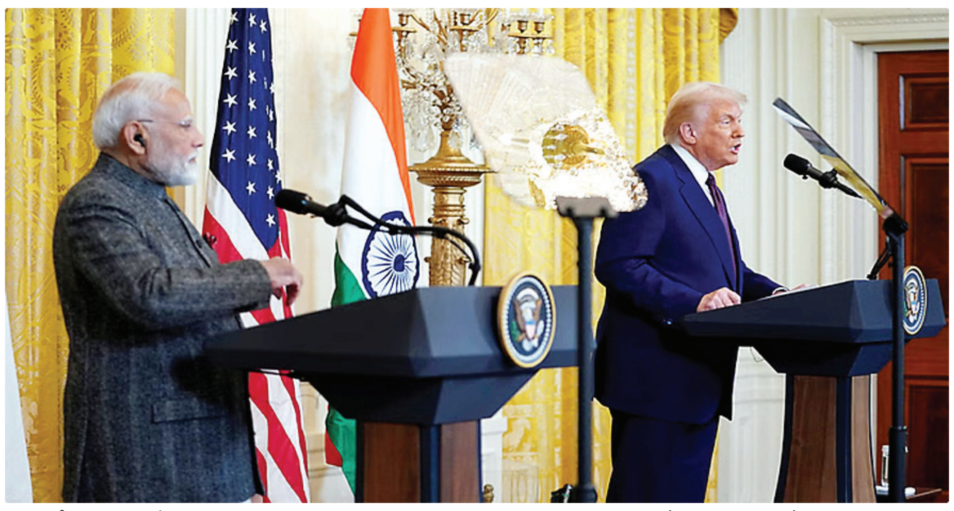

टैरिफ पर ट्रंप ने फिर चौंकाया, बोले- भारत 100% टैरिफ कटौती को तैयार

फिर कहा- डील की जल्दबाजी नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया कि भारत अमेरिकी वस्तुओं पर शुल्क में 100 प्रतिशत कटौती करने को तैयार है। साथ ही ट्रंप कहा कि नई दिल्ली और वाशिंगटन के बीच जल्द ही व्यापार समझौता होने वाला है। आइए इस बारे में विस्तार से जानें।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया है कि भारत अमेरिकी वस्तुओं पर शुल्क में 100 प्रतिशत कटौती करने को तैयार है। इसके साथ ही ट्रंप ने कहा है कि नई दिल्ली और वाशिंगटन के बीच जल्द ही व्यापार समझौता होने वाला है। हालांकि, फॉक्स न्यूज को दिए एक साक्षात्कार में ट्रम्प ने कहा कि वे प्रस्तावित व्यापार समझौते को लेकर जल्दबाजी में नहीं हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति की बार-बार यह दावा किए जाने की पृष्ठभूमि में कि भारत अमेरिकी वस्तुओं पर सभी टैरिफ हटाने की पेशकश कर रहा है, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को नई दिल्ली में कहा कि कोई भी व्यापार समझौता पारस्परिक रूप से लाभकारी होना चाहिए। इस बीच ट्रम्प ने एक बार फिर भारत को दुनिया में सबसे अधिक टैरिफ लगाने वाले देशों में से एक बताया।

ट्रंप ने कहा, वे व्यापार करना लगभग असंभव बना देते हैं। क्या आप जानते हैं कि वे संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए अपने टैरिफ में 100 प्रतिशत कटौती करने को तैयार हैं जब उनसे पूछा गया कि क्या भारत के साथ समझौता जल्द ही होने वाला है, तो ट्रंप ने कहा, यह जल्द ही होगा। मुझे कोई जल्दबाजी नहीं है। देखिए, हर कोई हमारे साथ समझौता करना चाहता है।

इसके बाद उन्होंने आगे कहा, दक्षिण कोरिया एक समझौता करना चाहता है, लेकिन मैं हर किसी के साथ समझौता नहीं करने जा रहा हूँ। मैं बस सीमा तय करने जा रहा हूं। मैं कुछ और समझौते करूंगा। क्योंकि मैं सभी के साथ समझौता नहीं नहीं कर सकता, आप इतने सारे लोगों से नहीं मिल सकते। मेरे पास 150 देश हैं जो समझौता करना चाहते हैं।

भारत और अमेरिका व्यापार समझौते को पुख्ता करने के लिए बातचीत कर रहे हैं। गुरुवार को जयशंकर ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता चल रही है। उन्होंने कहा, ये जटिल वार्ताएं हैं। जब तक सब कुछ तय नहीं हो जाता, तब तक कुछ भी फाइनल नहीं होगा। कोई भी व्यापार समझौता परस्पर लाभकारी होना चाहिए; इसे दोनों देशों के लिए कारगर होना चाहिए। व्यापार समझौते से हमारी यही अपेक्षा होगी।

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल प्रस्तावित व्यापार समझौते के लिए वार्ता की प्रगति का आकलन करने के लिए फिलहाल वाशिंगटन में हैं। उनके अमेरिकी वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) जेमीसन ग्रीर के साथ बातचीत करने की उम्मीद है। द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए भारत, अमेरिका के साथ प्रस्तावित समझौते में कपड़ा, रत्न व आभूषण, चमड़े के सामान, परिधान, प्लास्टिक, रसायन, झींगा, तिलहन, रसायन, अंगूर और केले जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिए शुल्क रियायत की मांग कर रहा है। दूसरी ओर, अमेरिका कुछ औद्योगिक वस्तुओं, ऑटोमोबाइल (विशेष रूप से इलेक्ट्रिक वाहन), वाइन, पेट्रोकेमिकल उत्पाद, डेयरी, कृषि उत्पाद जैसे सेब व अन्य शुल्क में रियायत चाहता है।

ट्रंप बोले-

मुझे नहीं दिया जाएगा संघर्ष रोकने का श्रेय– अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर भारत और पाकिस्तान के बीच शत्रुता समाप्त करने पर बनी सहमति का श्रेय लिया है। फॉक्स न्यूज के ब्रेट बैयर से बात करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच शांति स्थापित करने के लिए व्यापार को एक उपकरण के रूप में इस्तेमाल किया था, क्योंकि परमाणु शक्ति संपन्न पड़ोसी देश संघर्ष के कगार पर थे जो और भी अधिक खतरनाक होने वाला था। बैयर ने ट्रंप से उनकी विदेश नीति की सफलताओं के बारे में पूछा और कहा, इस यात्रा से ठीक पहले भी आपकी विदेश नीति में कुछ सफलताएं दिखी। आपने फोन उठाया और दो परमाणु शक्तियों, भारत और पाकिस्तान को फोन किया, और आपने उन्हें युद्ध के कगार से पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। इस पर ट्रम्प ने भारत और पाकिस्तान के बीच शत्रुता समाप्त होने को एक बड़ी सफलता बताया और कहा कि इसका श्रेय मुझे कभी नहीं दिया जाएगा।

एलपीजी पर तेल कंपनियों का घाटा लगभग 45 प्रतिशत तक कम होने की उम्मीद

रिपोर्ट में बताया गया यह कारण

नई दिल्ली, एजेंसी। केयरएज रेटिंग्स की रिपोर्ट के अनुसार घरेलू उत्पादन की तुलना में एलपीजी की खपत तेजी से बढ़ी है। दूसरी ओर, भारतीय रिफाइनर ने मांग को पूरा करने के लिए एलपीजी उत्पादन में पर्याप्त वृद्धि नहीं की है, जिससे आयात पर निर्भरता बढ़ गई है। रिपोर्ट में आगे क्या है आइए विस्तार से जानते हैं। अगर कच्चे तेल की कीमतें 65 डॉलर प्रति बैरल पर स्थिर रहती हैं, तो तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) को एलपीजी से होने वाले घाटे में वित्त वर्ष 26 में लगभग 45 प्रतिशत की कमी आ सकती है। केयरएज रेटिंग्स की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार अगले वित्त वर्ष में संचयी एलपीजी अंडर-रिकवरी में काफी कमी आने की संभावना है, जिसका मुख्य कारण उच्च खुदरा कीमतों और कम अंतरराष्ट्रीय एलपीजी कीमतों का मिश्रण है। रिपोर्ट में कहा गया है, अगर कच्चे तेल की कीमतें 65 डॉलर प्रति बैरल के आसपास रहती हैं, तो संचयी रूप से, वित्त वर्ष 26 में एलपीजी अंडर-रिकवरी में 45 प्रतिशत की कमी आने की उम्मीद है। अंडर-रिकवरी तेल कंपनियों को होने वाले घाटे के बारे में बताती है। ये कंपनियां एलपीजी सिलेंडर को उनकी लागत मूल्य से कम पर बेचती हैं, ऐसा घरों में खाना पकाने की गैस को किफायती रखने के लिए किया जाता है।

भारत में, लगभग 90 प्रतिशत एलपीजी खपत घरेलू खाना पकाने के लिए उपयोग की जाती है, जबकि शेष 10 प्रतिशत का उपयोग औद्योगिक, वाणिज्यिक और मोटर वाहन क्षेत्रों में किया जाता है। पिछले दस वर्षों में, घरेलू

एलपीजी उपभोक्ताओं की संख्या दोगुनी हो गई है, जो 1 अप्रैल 2025 तक लगभग 33 करोड़ तक पहुंच गई है।

रिपोर्ट के अनुसार घरेलू उत्पादन की तुलना में एलपीजी की खपत तेजी से बढ़ी है। दूसरी ओर, भारतीय रिफाइनर ने मांग को पूरा करने के लिए एलपीजी उत्पादन में पर्याप्त वृद्धि नहीं की है, जिससे आयात पर निर्भरता बढ़ गई है।

वित्त वर्ष 25 में, घरेलू एलपीजी की लगभग 60 प्रतिशत जरूरत आयात के जरिए पूरी की गई, जबकि एक दशक पहले यह लगभग 46 प्रतिशत थी।

वित्त वर्ष 25 में, तेल विपणन कंपनियों को 14.2 किलोग्राम प्रति सिलेंडर लगभग 220 रुपये की महत्वपूर्ण एलपीजी अंडर-रिकवरी का सामना करना पड़ा। इसके परिणामस्वरूप तीन प्रमुख ओएमसी को कुल मिलाकर 41,270 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ, जिससे उनकी लाभप्रदता पर दबाव पड़ा।

हालांकि, खुदरा एलपीजी की कीमतों में हाल ही में 8 अप्रैल, 2025 से प्रभावी 50 रुपये प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी से वित्त वर्ष 26 में अंडर-रिकवरी में 25 प्रतिशत की कमी आने की उम्मीद है।

इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय एलपीजी की कीमतों में भी नरमी आने की संभावना है, क्योंकि एलपीजी के लिए वैश्विक बेंचमार्क सऊदी कॉन्ट्रैक्ट प्राइस में मार्च और मई 2025 में गिरावट आई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कच्चे तेल की कम कीमतों के कारण यह गिरावट वित्त वर्ष 26 में अंडर-रिकवरी को लगभग 20 प्रतिशत तक कम कर सकती है।

हर पांच में एक आईफोन बनता है भारत में

टैरिफ वॉर के बीच ट्रंप के कन्फ्यूजन का क्या पडेगा असर

नई दिल्ली, एजेंसी। एपल अपने कुल आईफोन उत्पादन का लगभग 20त्न यानी हर पांच में से एक आईफोन भारत में असेंबल करता है। भारत में एपल ने अपनी उत्पादन क्षमता पिछले साल की तुलना में इस साल करीब 60त्न तक बढ़ाई है। अब डोनाल्ड ट्रंप ने भारत में एपल की योजनाओं पर अजीब सी टिप्पणी कर अनिश्चितता का माहौल पैदा कर दिया है। आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं।

भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम का एलान कर उसका श्रेय लेने और फिर आलोचना झेलने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अब एपल को लेकर अपने ताजा बयान के कारण सुर्खियों में हैं। उनके बयान ने एक बार फिर जाहिर कर दिया है कि भारत से व्यापार को लेकर उनके दिमाग में अब भी कन्फ्यूजन वाली स्थिति है। इस बार, डोनाल्ड ट्रंप ने आईफोन के भारत में निर्माण पर गलतबयानी की है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एपल की ओर से भारत में उत्पादन करने पर क्या टिप्पणी की है फिलहाल भारत में एपल कितने आईफोन का निर्माण करता है भारत से मौजूदा समय में कितने आईफोन का निर्यात होता है भारत में एपल की उत्पादन क्षमता पर ट्रंप की गलतबयानी का क्या असर पड़ सकता है आइए इसे विस्तार से समझते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि उन्होंने एपल के सीईओ टिम कुक से बातचीत में उनसे भारत में एपल के उत्पादन का विस्तार नहीं करने को कहा है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप ने दोहा में एक कार्यक्रम में टिम कुक से कहा कि हमें आपके भारत में निर्माण करने में कोई दिलचस्पी नहीं है। वे अपना ख्याल खुद रख सकते हैं। वे बहुत अच्छा कर रहे हैं। ट्रंप ने टिम कुक से कहा, मैं नहीं चाहता कि आप भारत में निर्माण करें। ट्रंप के अनुसार इस बातचीत के बाद एपल अमेरिका में अपना उत्पादन बढ़ाएगा।

एपल ने चीन में उत्पादन से जुड़ी चुनौतियां बढ़ने के बीच भारत का रुख किया था। एपल और उसके आपूर्तिकर्ताओं ने दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था चीन से इतर अपनी क्षमता विकसित करने की प्रक्रिया को बीते कुछ वर्षों में काफी तेज किया है। यह प्रक्रिया तब शुरू हुई थी जब कठोर कोविड लॉकडाउन ने चीन में आईफोन निर्माण के सबसे बड़े संयंत्र में उत्पादन को नुकसान पहुंचाया था।

मौजूदा समय की बात करें तो एपल अपने कुल आईफोन उत्पादन का लगभग 20 प्रतिशत यानी हर पांच में से एक आईफोन भारत में असेंबल करता है। भारत में एपल ने अपनी उत्पादन क्षमता पिछले साल की तुलना में इस साल करीब 60 प्रतिशत तक बढ़ाई है। एपल ने मार्च तक 12 महीनों में भारत में 22 अरब डॉलर के आईफोन असेंबल किए। यह साल के उत्पादन की तुलना में लगभग 60त्न अधिक है।

भारत को लेकर क्या है एपल की प्लानिंग– अमेरिका और चीन के बीच जारी व्यापार युद्ध के बीच बीते कुछ समय में एपल ने चीन से इतर भारत में अपनी उत्पादन क्षमता विकसित करने पर ध्यान केंद्रित किया है। कंपनी ने अगले साल के अंत तक अमेरिका में आपूर्ति की जाने वाली आईफोन की बड़ी हिस्सेदारी भारत में तैयार करने का लक्ष्य रखा था। हालांकि, अब ट्रंप की ताजा बयानबाजी से कंपनी एक बार फिर दुविधा में आ सकती है। क्योंकि बीते कुछ वर्षों में अमेरिका और चीन की तनातनी से कंपनी पहले से कई मोर्चों पर परेशानी का सामना कर रही है।

सरकार से मदद नहीं मिली तो बंद हो जाएगी वोडाफोन आइडिया, दिवालिया होने का भी खतरा

नई दिल्ली, एजेंसी। वीआईएल के सीईओ अक्षय मूंदड़ा ने दूरसंचार सचिव को लिखे पत्र में कहा, एजीआर पर सरकार का समय पर समर्थन मिले बगैर कंपनी 2025-26 से आगे परिचालन नहीं कर पाएगी, क्योंकि बैंक से कर्ज नहीं मिलने पर वह निवेश योजना पर आगे नहीं बढ़ पाएगी। ऐसा होने पर परिचालन प्रदर्शन में सुधार थम जाएगा।

कर्ज संकट से जूझ रही वोडाफोन आइडिया ने दूरसंचार विभाग से कहा, समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) बकाये पर सरकार से समय पर समर्थन नहीं मिला तो वह वित्त वर्ष 2025-26 के बाद परिचालन नहीं कर पाएगी।

वोडाफोन आइडिया लि. (वीआईएल) ने 17 अप्रैल, 2025 को दूरसंचार विभाग (डॉट) को भेजे एक पत्र में खुद को नई जीवन रेखा देने का अनुरोध करते हुए कहा, कोई समर्थन नहीं मिलने पर उसकी वापसी असंभव हो जाएगी। वीआईएल के सीईओ अक्षय मूंदड़ा ने दूरसंचार सचिव को लिखे पत्र में कहा, एजीआर पर सरकार का समय पर समर्थन मिले बगैर कंपनी 2025-26 से आगे परिचालन नहीं कर पाएगी, क्योंकि बैंक से कर्ज नहीं मिलने पर वह निवेश योजना पर आगे नहीं बढ़ पाएगी। ऐसा होने पर परिचालन प्रदर्शन में सुधार थम जाएगा। कंपनी में सबसे अधिक 49 फीसदी हिस्सेदारी सरकार के पास है। स्पेक्ट्रम शुल्क और एजीआर बकाया को इक्विटी हिस्सेदारी में बदलने से सरकार कंपनी में सबसे बड़ी शेयरधारक बन चुकी है। वोडा आइडिया ने कहा, अगर सरकारी सहायता नहीं मिलती है और कंपनी एजीआर बकाया नहीं चुका पाती है, तो फिर कंपनी को एनसीएलटी में जाना होगा और यह एक लंबी प्रक्रिया होगी। ऐसी स्थिति में नेटवर्क के साथ स्पेक्ट्रम परिसंपत्तियों का मूल्य भी कम हो जाएगा और दूरसंचार सेवा थोड़े समय के लिए बाधित हो सकती है। ऐसा होने पर उसके 20 करोड़ उपयोगकर्ता प्रभावित होंगे।

अप्रैल में देश का निर्यात 9 प्रतिशत बढ़ा, आयात में 19त्न की वृद्धि, व्यापार घाटा 26.42 अरब डॉलर हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी। देश का कुल निर्यात अप्रैल महीने में 9.03 प्रतिशत बढ़कर 38.49 अरब डॉलर हो गया। इस दौरान देश का व्यापार घाटा 26.42 अरब डॉलर का रहा। आइए इस बारे में विस्तार से जानें। देश का कुल निर्यात अप्रैल महीने में 9.03 प्रतिशत बढ़कर 38.49 अरब डॉलर हो गया। इस दौरान देश का व्यापार घाटा 26.42 अरब डॉलर का रहा। सरकार के ताजा आंकड़ों में इसकी पुष्टि हुई है। आंकड़ों के अनुसार देश का आयात अप्रैल महीने के दौरान सालाना आधार पर 19.12 प्रतिशत बढ़कर 64.91 अरब डॉलर पर पहुंच गया। शीर्ष सरकारी अधिकारी बर्थवाल ने गुरुवार को भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए बातचीत अच्छी तरह आगे बढ़ रही है। वाणिज्य सचिव ने कहा कि आगे की चर्चा के लिए एक भारतीय दल वाशिंगटन जाएगा। वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल वरिष्ठ भारतीय अधिकारियों के एक दल का नेतृत्व करेंगे जो समझौते पर अपने अमेरिकी समकक्षों के साथ चर्चा करने के लिए 17 मई से वाशिंगटन दौरे पर रहेंगे।

सरकार ने खरीदा पिछले साल से अधिक गेहूं

डॉयचे बैंक एजी और यस बैंक पर 79.60 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार की गेहूं खरीद पिछले साल के स्तर को पार कर गई है। चालू विपणन वर्ष 2025-26 में अब तक 2.86 करोड़ टन गेहूं की खरीदारी की गई है। यह खरीद 2022-23 विपणन वर्ष के बाद से सबसे अधिक है। भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) और राज्य एजेंसियां केंद्रीय भंडार के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदती हैं। इस वर्ष 11.53 करोड़ टन गेहूं उत्पादन का अनुमान है। गेहूं खरीद करने वाले सभी पांच प्रमुख राज्यों में पंजाब, हरियाणा, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश ने पिछले वर्ष की तुलना में चालू वर्ष में अधिक खरीद की है। 16 मई तक पंजाब ने 1.15 करोड़ टन, मध्य प्रदेश ने 74 लाख टन, हरियाणा ने 70 लाख टन और राजस्थान ने 16 लाख टन खरीद की है। 62,346 करोड़ का न्यूनतम समर्थन मूल्य भुगतान किया गया है, जिससे 22.7 लाख किसानों को लाभ मिला है।

आरबीआई ने कुछ नियामकीय मानदंडों का पालन नहीं करने के लिए डॉयचे बैंक एजी, इंडिया और यस बैंक पर कुल 79.60 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। आरबीआई ने शुक्रवार को कहा, डॉयचे बैंक एजी, इंडिया पर बैंकों में बड़े कर्ज को लेकर केंद्रीय रिपॉजिटरी बनाने से जुड़े कुछ निर्देशों का पालन नहीं करने के लिए 50 लाख का जुर्माना लगाया गया है। वहीं, वित्तीय विवरण प्रस्तुति एवं खुलासा पर आरबीआई के कुछ निर्देशों का पालन नहीं करने के लिए यस बैंक पर 29.60 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। दोनों मामलों में आरबीआई ने कहा, जुर्माना नियामकीय अनुपालन में कमियों पर आधारित है। इसका उद्देश्य बैंकों की ओर से अपने ग्राहकों के साथ किए गए किसी भी लेनदेन या समझौते की वैधता पर फैसला सुनाना नहीं है।

इमामी को 162 करोड़ रुपये का फायदा– इमामी लि. को 2024-25 की मार्च तिमाही में 162.17 करोड़ रुपये का फायदा हुआ है। एक साल पहले की समान तिमाही की तुलना में 10.5 फीसदी अधिक है। राजस्व बढ़कर 963 करोड़ रुपये रहा। खर्च बढ़कर 743 करोड़ रुपये रहा। कंपनी दो रुपये प्रति शेयर लाभांश देगी।

विदेशी मुद्रा भंडार 4.55 अरब डॉलर बढ़ा– देश का विदेशी मुद्रा भंडार 9 मई को समाप्त सप्ताह में 4.55 अरब डॉलर बढ़कर 690.617 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया।स्वर्णभंडार बढ़ने से यह वृद्धि दर्ज की गईहै। विदेशी मुद्रा संपत्ति 19.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 581.37 अरब डॉलर पहुंच गई।स्वर्णभंडार भी 4.51 अरब डॉलर बढ़ा है।

ह्युंडई प्रति शेयर देगी 21 रुपये का लाभांश– ह्युंडई मोटर इंडिया को मार्च तिमाही में 1,614 करोड़ रुपये का फायदा हुआ है। एक साल पहले की समान तिमाही की तुलना में यह चार फीसदी कम है। कंपनी ने बताया, राजस्व बढ़कर 17,940 करोड़ रहा। कंपनी ने प्रति शेयर 21 रुपये लाभांश का देने की घोषणा की है।

भारतीय बाजार में लौट रहा विदेशी निवेशकों का भरोसा, इस हफ्ते हुई 4452 करोड़ की शुद्ध खरीदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। एनएसडीएल के आंकड़ों के अनुसार बीता हफ्ता भारतीय बाजारों के लिए बेहतर रहा। विदेशी निवेशकों ने इस हफ्ते भारतीय बाजार में 4,452.3 करोड़ रुपये की खरीदारी की। यह भारतीय बाजारों पर उनके लौटते भरोसे का संकेत है।

भारत और पाक के बीच तनाव के बावजूद विदेशी निवेशकों का भारतीय बाजारों में भरोसा कायम है। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस हफ्ते में भारतीय इक्विटी बजारों में मजबूत निवेश किया है। 13 मई से 16 मई के बीच 4,452.3 करोड़ रुपये भारतीय बाजारों में डाले गए। इस सप्ताह के दौरान शुक्रवार को सबसे अधिक निवेश किया गया है। इस दिन एफपीआई ने स्थानीय बाजारों में 5,746 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया। हालांकि, पूरे सप्ताह यह स्थिति एक जैसी नहीं रही। मंगलवार को बाजारों में 2,388 करोड़ की बिकवाली देखने को मिली। ऐसा निवेशकों के बीच कुछ हद तक दिखी अनिश्चितता या लाभ बुकिंग के कारण था। इस हफ्ते की खरीदारी के बाद मई महीने में अब तक भारतीय इक्विटी में कुल एफपीआई निवेश 18,620 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। यह आंकड़ा निवेशकों के बीच विश्वास में मजबूत सुधार का संकेत देता है। ऐसा अनुकूल वैश्विक संकेतों और स्थिर घरेलू मोर्चे पर विकास की संभावनाओं से संभव हो पाया है।

वैश्विक चिंताओं की वजह से पहले तीन महीनों में बिकवाली हुई – हालांकि, मई में सकारात्मक रुझान के बावजूद, एफपीआई ने 2025 में अबतक बाजार से पैसे निकाले ही हैं। वर्ष की शुरुआत से कुल 93,731 रुपये भारतीय बाजार से बाहर गए हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह है साल के पहले तीन महीनों जनवरी, फरवरी और मार्च में हुई भारी बिकवाली। उस समय दुनियाभर में आर्थिक अनिश्चितता और अमेरिका में बॉन्ड की ब्याज दरों में बढ़ोतरी ने निवेशकों का भरोसा कमजोर कर दिया था।

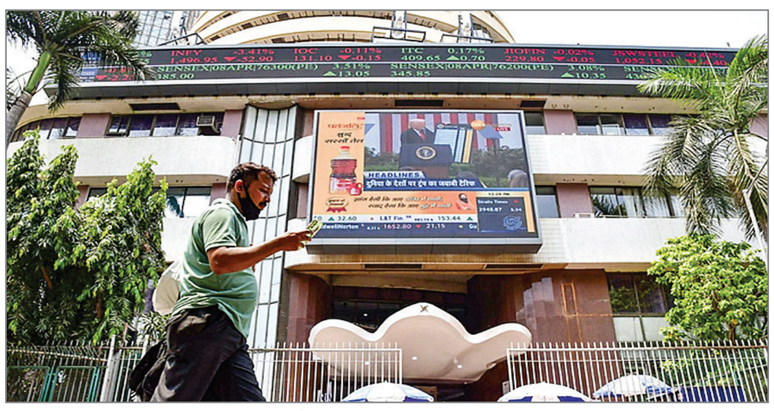

अप्रैल से निवेशकों का भरोसा भारतीय बाजारों पर बढ़ा – इसके बाद, अप्रैल में भारतीय इक्विटी में एफपीआई ने 4,223 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया। भारतीय बाजार के प्रति यहीं से विदेशी निवेशकों का रुझान बदला। पिछले महीने में एनएसडीएल के आंकड़ों से पता चला कि एफपीआई ने मार्च में 3,973 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे। जनवरी में उन्होंने 78,027 करोड़ रुपये और फरवरी में 34,574 करोड़ रुपये के इक्विटी बेचे थे। बीते समय में लगातार बिकवाली के बाद अप्रैल में एफपीआई ने खरीदारी की। मई में भी अब तक वे शुद्ध खरीदार बने हुए हैं। यह बदलाव भारत की अर्थव्यवस्था में निवेशकों के लौटते भरोसो को दर्शाता है।

डिफेंस, रियल एस्टेट और कैपिटल मार्केट में बढ़त दर्ज की गई – पिछले सप्ताह शेयर बजारों में तेजी रही। निफ्टी में 4.2 प्रतिशत की बढ़त देखने को मिली, जबकि सेंसेक्स 2875 अंकों की बढ़त के साथ बंद हुआ। सभी प्रमुख सेक्टर्स (क्षेत्रीय सूचकांक) ने अच्छी बढ़त देखने को मिली, लेकिन डिफेंस (रक्षा), रियल एस्टेट (अचल संपत्ति) और कैपिटल मार्केट (पूंजी बाजार) सेक्टर सबसे आगे रहे। डिफेंस सेक्टर में 17 प्रतिशत की बढ़त हुई, कैपिटल मार्केट 11.50 प्रतिशत बढ़ा और रियल एस्टेट में 10.85 प्रतिशत की तेजी देखी गई।

12_16.12..2018 PAGE-04.qxd 17-05-2025 21:59 Page 1

टीपीसी के सब जोनल कमांडर को पुलिस ने दबोचा

- घने जंगलों से देर रात चढ़ा पुलिस के हत्थे
- दो पिस्तौल सहित कई सामान बरामद
- लेवी वसूली करने का भी है आरोप
- आरोपित पर 18 मामले हैं दर्ज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गमहरिया। झारखंड के रांची जिले में पुलिस ने माओवादियों के एक गुट तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति कमेटी (टीपीसी) के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक सब-जोनल कमांडर भी शामिल है। गिरफ्तार माओवादियों की पहचान दिवाकर गंझू उर्फ प्रताप जी (सब-जोनल कमांडर) और अक्षय गंझू (सक्रिय सदस्य) के रूप में हुई है। दोनों को गुरुवार रात बुरमु थाना क्षेत्र के चायनगढ़ा और गमहरिया के जंगलों के बीच से पकड़ा गया।

पुलिस ने इनके पास से दो पिस्तौल, छह जिंदा कारतूस, टीपीसी के पर्चे, पांच मोबाइल फोन, चार चार्जर और अन्य सामान बरामद किया है। रांची के सीनियर एसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि ये दोनों बुरमु, उरीमारी, भुरकुंडा, पतरातू, बड़कागांव और केरेदारी इलाकों में क्रशर प्लांट मालिकों, ईंट भट्ठा चलाने वालों और जमीन कारोबारियों से लेवी (जबरन वसूली) वसूलते थे। दिवाकर पर आगजनी, तोड़फोड़ और गोलीबारी से जुड़े कुल 18 मामले दर्ज हैं।

पोलिटेक्निक प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा आज, तैयारियां पूरी

- 9 परीक्षा केन्द्रों पर 4546 परीक्षार्थी लेंगे भाग
- सीसीटीवी की निगरानी में होगी परीक्षा
- इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों या गजेट्स ले जाने की मनाही
- परीक्षा को लेकर एसडीओ ने जारी की निषेधाज्ञा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। पोलिटेकनिक प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा 2025 का आयोजन रविवार को होगा। पलामू जिले में 9 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं। इन परीक्षा केन्द्रों पर 4,546 परीक्षार्थी भाग लेंगे। 10:30 बजे पूर्वाह्न से एक बजे अपराह्न तक परीक्षा संचालित होगी। परीक्षा सीसीटीवी की निगरानी में होगी। वहीं परीक्षार्थियों की बायोमैट्रिक उपस्थित दर्ज की जाएगी। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों या गजेट्स यथा मोबाईल, कैलकुलेटर, डिजिटल डायरी, पेजर, लॉग टेबल, स्मार्ट वॉच इत्यादि का प्रयोग वर्जित रहेंगे। कोई परीक्षार्थी इन इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों या गजेट्स का प्रयोग नहीं करेंगे। परीक्षा केन्द्रों पर इसे ले जाने की मनाही है। परीक्षा को लेकर पलामू जिला प्रशासन सजग है। प्रशासनिक तैयारी पूर्ण की कर ली गई है। परीक्षा केन्द्रों पर शांति एवं विधि-व्यवस्था बनाये रखने तथा कदाचार मुक्त परीक्षा संचालन सुनिश्चित कराने के लिए प्रत्येक परीक्षा केन्द्रों के लिए स्ट्रैटिक दंडाधिकारी एवं उड़नदस्ता-सह-गश्ती दंडाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई है। उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने परीक्षा को लेकर संयुक्त आदेश जारी कर कदाचारमुक्त एवं शांतिपूर्ण परीक्षा संपन्न कराने का निदेश दिया है। उपायुक्त शशि रंजन के निदेश पर नोडल पदाधिकारी-सह-डी.आर.डी.ए. निदेशक रतन कुमार की अध्यक्षता में आज समाहरणालय सभागार में सभी केन्द्राधीक्षक, स्टैटिक मजिस्ट्रेट, उड़नदस्ता-सह- गश्ती दण्डाधिकारी के साथ बैठक हुई।

नोडल पदाधिकारी ने परीक्षा केन्द्र पर नियुक्त कर्मियों को निषक्षता एवं नियमबद्धता के साथ कार्य करने तथा परीक्षा संचालन संबंधी विभिन्न निदेशों एवं नियमों का समुचित पालन करने का निदेश दिया।

पोलिटेकनिक प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा के लिए पलामू में 9 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं। सभी परीक्षा केन्द्र मेदिनीनगर के शहरी क्षेत्रों में अवस्थित हैं। इन परीक्षा केन्द्रों में राजकीय प्लस टू उच्च विद्यालय, विमला पाण्डेय मेमोरियल ज्ञान निकेतन स्कूल, बैरिया, एमकेडीएभी पब्लिक स्कूल, चियांकी, आरके गिरिवर प्लस टू उच्च विद्यालय, ब्राइट लैण्ड स्कूल, बाईपास रोड, एलिट पब्लिक बी.एड. कॉलेज, चियांकी, बीसीसी मिशन बालिका उच्च विद्यालय, आबादगंज वाईएसएनएम कॉलेज एवं आरके ब्राह्मण प्लस टू उच्च विद्यालय शामिल हैं।

पोलिटेकनिक प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा 2025 के आयोजन को लेकर परीक्षा केन्द्रों पर निषेधाज्ञा घोषित किया गया है। सदर अनुमंडल पदाधिकारी सुलोचना मीणा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत प्रदत शक्तियों का उपयोग करते हुए परीक्षा केन्द्रों के 100 मीटर की परिधि में परीक्षा की तिथि को परीक्षा के दौरान बी.एन.एस.एस. के अंतर्गत निषेधाज्ञा घोषित की है। यह निषेधाज्ञा परीक्षा केन्द्रों पर निर्धारित तिथि को ही लागू होगा।

परीक्षा केन्द्रों के 100 मीटर की परिधि के अंदर कोई भी व्यक्ति घातक हथियार लाठी को छोड़कर भाला, गड़ासा, छूरा, अग्नेयास्त्र लेकर नहीं चलेगा।

परीक्षा के दौरान परीक्षा केन्द्रों पर प्रतिनियुक्त पदाधिकारी/ वीक्षक/ परीक्षार्थी/ पुलिस बल को छोड़कर कोई भी व्यक्ति परीक्षा केन्द्रों के 100 मीटर की परिधि में नहीं जायेगा। कोई भी व्यक्ति का अनावश्यक प्रवेश वर्जित रहेगा या चिट-पुर्जा, प्रश्नपत्र वितरित नहीं करेगा। परीक्षा केन्द्र के 100 मीटर की परिधि के अंदर सभी फोटो स्टेट के दुकान में परीक्षा संबंधी कोई भी अनुचित कार्य नहीं होंगे।

बीडीओ से उपायुक्त ने किया जबाव तलब

मामला महिला पंचायत सचिव की प्रताड़ना का

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। गोविंदपुर के प्रखंड विकास पदाधिकारी जाहीर आलम को जिला स्तर से शोकॉज किया गया है। यह शोकॉज उपायुक्त माधवी मिश्रा ने किया है।

बीडीओ आलम पर प्रखंड की महिला पंचायत सचिव को प्रताड़ित करने एवं दुर्व्यवहार करने का आरोप है। मामले को लेकर बीडीओ आलम को सात दिनों का समय अपना जवाब देने के लिए दिया गया है। इसके अलावा पंचायती राज विभाग झारखंड सरकार की ओर से भी मामले को लेकर पूरी जानकारी मांगी गई है।

पथुरिया पंचायत की सचिव अनीता तीवारी ने बीडीओ जहीर आलम पर यह आरोप लगाया है कि दो मार्च को प्रधानमंत्री आवास योजना का सर्वे करने के दौरान पतिरंग गांव के जाकिर अंसारी एवं 10 अन्य ग्रामीणों ने आयोग्य लाभुकों को योग्य बनाने का उनपर दबाव बनाया था। उनके इंकार करने पर उन लोगों ने गाली-गलौज तथा मारपीट किया था। इस घटना की शिकायत उन्होंने बीडीओ जहीर आलम से की थी। तब अनीता तिवारी को ही फटकार लगाया गया था।

तिवारी का आरोप है कि इस घटना के बाद से उन्हें बीडीओ प्रतिदिन प्रताड़ित करते थे। उन्होंने इस पूरे मामले को लेकर गोविंदपुर थाना में प्राथमिकी करायी है।

प्राथमिकी कराने के अलावा अनीता तिवारी ने झारखंड राज्य पंचायत सचिव संघ को भी मामले से अवगत कराया। इसके बाद संघ ने पूरे घटनाक्रम की लिखित जानकारी उपायुक्त धनबाद माधवी मिश्रा, जिला पंचायती राज पदाधिकारी धनबाद और पंचायती राज विभाग झारखंड सरकार को लिखित रूप में देते हुए बीडीओ पर उचित कार्रवाई करने की मांग किया था।

चाऊमीन दुकान में अराजक तत्वों ने बरपाया हंगामा, दहशत

दुकानदार और उसके बेटे को धुना, की पत्थरबाजी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कुमारधुबी। कुमारधुबी ओपी अंतर्गत कालीमंडा समीप पूरन चाऊमीन दुकान में अराजक तत्वों ने जमकर हंगामा किया और दुकान संचालक पूरन नाग एवं उसके बेटे ओम नाग के साथ जमकर मारपीट और पत्थरबाजी की। इसमें पूरन नाग व उसके बेटे को हाथ, गला और कमर में चोट आई है। इस संबंध में भुक्तभोगी पूरन नाग ने गुरुवार को कुमारधुबी ओपी में शिकायत की है। इस घटना के बाद पूरन नाग काफी भयभीत हैं। पुलिस से की शिकायत में पूरन ने लिखा है कि वह दुकान बंद कर रहे थे। तभी संजय नगर के रहने वाले बड़ई यादव, विकास साव, गौरख यादव व बिल्ला तांती आए और चाऊमीन मांगने लगे। उन्हें कहा गया कि दुकान बंद ही गई है, इसलिए चाऊमीन नहीं दे सकते हैं। इस बात पर वे लोग गुस्सा गए और गाली-गलौज शुरू कर दी। देखते ही देखते मेरे बेटे को घसीट कर दुकान के बाहर निकाल कर मारपीट करने लगे। बचाने गया तो मेरे साथ भी मारपीट की। इस घटना में हम दोनों बाप-बेटे घायल हो गए। इसी बीच आसपास के दुकानदारों ने हम दोनों बाप-बेटे को बचाया। हालांकि, मारपीट करने वालों का चेहरा दुकान में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई है। उन्होंने पुलिस से मारपीट करने वाले अराजक तत्वों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

हालांकि, घटना के तीन दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस ने इस मामले में अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की है। इससे अराजक तत्वों का मनोबल बढ़ा हुआ है। इस संबंध में कुमारधुबी ओपी प्रभारी राजेश बेहरा ने बताया कि दुकानदार और उसके बेटे के साथ मारपीट करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

जब एसडीपीओ को थाना में प्रवेश नहीं मिला

विश्रामपुर। विश्रामपुर एसडीपीओ को रेहला थाना में घुसने से रोकना थाना प्रभारी को महंगा पड़ा। इस मामले में एसपी रीष्मा रमेशन ने कार्रवाई करते हुए थाना प्रभारी संतोष कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया।

दरअसल, जब विश्रामपुर एसडीपीओ आलोक कुमार टूटी ने अवैध रूप से बालू का उठाव करते हुए एक ट्रैक्टर को पकड़ा। वह ट्रैक्टर को लेकर रेहला थाना गए, लेकिन थाने के मुख्य गेट पर ताला लगा हुआ था।

एसडीपीओ ने तत्काल थाना प्रभारी को कॉल किया, लेकिन कॉल का कोई जवाब नहीं मिला। इस दौरान एसडीपीओ ने मौके पर तैनात ऑन ड्यूटी पुलिस अधिकारी से जानकारी ली। जिसमें उनको बताया गया कि थाना प्रभारी के निर्देश पर गेट पर ताला लगा हुआ है।

इस मामले में एसडीपीओ ने रिपोर्ट बनाकर एसपी को दी। जिसके आधार पर एसपी ने कार्रवाई करते हुए थाना प्रभारी संतोष कुमार को निलंबित कर दिया। उनके स्थान पर शहर थाना में तैनात सब इंस्पेक्टर गुलशन बिरुआ को रेहला का नया थाना प्रभारी बनाया गया है। उन्होंने शुक्रवार को थाना प्रभारी के पद पर योगदान दे दिया। उन्होंने कहा कि अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। इसके अलावा पुलिस और पब्लिक के बीच की दूरी को कम करना है। पुलिस हमेशा सेवा कार्य के लिए तत्पर है।

सामाजिक कल्याण समिति की बैठक सम्पन्न

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूँटी। जिला परिषद अन्तर्गत गठित स्थायी समिति महिला, शिशु एवं सामाजिक कल्याण समिति की बैठक जिला परिषद सदस्य सुशील संगा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

बैठक के दौरान जिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं जैसे साइकिल वितरण योजना, छात्रवृत्ति योजना की जानकारी दी गई। साथ ही, आंगनबाड़ी केंद्रों की कार्यप्रणाली, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, विधवा पुनर्विवाह योजना, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना एवं प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना पर विस्तृत जानकारी दी गई। सांख्यिकी विभाग द्वारा जनगणना, जन्म-मृत्यु पंजीकरण से संबंधित आंकड़ों की भी प्रस्तुति की गई। योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं लाभार्थियों तक उनकी पहुंच सुनिश्चित करने हेतु महत्वपूर्ण सुझाव एवं निर्देश दिए गए।

बैठक में दयामनी मुण्डू जिप सदस्य, सोसंती कोनगाड़ी जिप सदस्य, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी एवं जिला सांख्यिकी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

उपायुक्त ने किया सदर अस्पताल का निरीक्षण

- विभिन्न वार्डों का जायजा लेते हुए बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु दिए आवश्यक निर्देश
- उपायुक्त ने इंटीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैबोरेट्री के निर्माण हेतु स्थल का अवलोकन कर जिला अभियंता को किया निर्देशित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूँटी। आज उपायुक्त लोकेशन मिश्रा द्वारा सदर अस्पताल का निरीक्षण किया गया, जिसमें विभिन्न वार्डों, विभागों एवं समग्र व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने इंटीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैबोरेट्री के निर्माण हेतु स्थल का अवलोकन किया तथा जिला परिषद के अभियंता को अग्रेतर कार्रवाई हेतु निर्देशित किया। उल्लेखनीय है कि इंटीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैबोरेट्री में संचारी और गैर-संचारी रोगों से जुड़ी विभिन्न जांचों की सुविधा उपलब्ध रहेगी। ये लैबोरेट्री टीबी, मलेरिया, एड्स, पैथोलॉजी समेत कई बीमारियों की जांच करती हैं। आइपीएचएल का मुख्य उद्देश्य है बीमारियों पर निगरानी रखना, उनके नियंत्रण के लिए उपाय करना, और जनता के स्वास्थ्य को बेहतर बनाना है।

निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने जांच घर, फिजियोथेरेपी विभाग, मातृ शिशु अस्पताल, ऑपरेशन कक्ष,कक्ष, चाइल्ड वार्ड एवं अन्य संबंधित विभागों का जायजा लिया। उन्होंने मरीजों एवं उनके परिजनों से मुलाकात कर फीडबैक प्राप्त किया और बैठने की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

ओपीडी संचालन की विस्तृत जानकारी लेते हुए उन्होंने विभागवार डॉक्टरों की संख्या एवं उपस्थिति की समीक्षा की तथा निर्देश दिया कि ओपीडी का संचालन बेहतर ढंग से हो और डॉक्टरगण मरीजों अच्छे से इलाज करें। उन्होंने अनुमंडल पदाधिकारी को सप्ताह में दो बार अस्पताल का निरीक्षण करने का निर्देश भी दिया।

ओपीडी में डॉक्टरों की उपलब्धता, बर्न वार्ड की स्थिति/ संचालन एवं इससे संबंधित मामलों के इलाज की व्यवस्था की भी समीक्षा की गई। सिविल सर्जन ने जानकारी दी कि सीटी स्कैन और आईसीयू की उपलब्धता के बाद रेफरल मामलों में काफी कमी आई है, जो एक सकारात्मक संकेत है। उपायुक्त ने पूरी तत्परता के साथ मरीजों के इलाज का निर्देश दिया। उन्होंने लैब संचालन की समीक्षा करते हुए यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि प्रयोगशालाएं पूरी क्षमता के साथ कार्य करें। जो मशीनें वर्तमान में उपयोग में नहीं हैं, उनकी समीक्षा कर उन्हें क्रियाशील बनाने हेतु निर्देशित किया गया।

शिशु सुरक्षा योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को आर्थिक सहायता प्रदान करने, आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत इलाज की प्रगति की जानकारी प्राप्त करने तथा सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए होमगार्ड की प्रतिनियुक्ति पर भी विचार किया गया। पैथोलॉजी जांच घर का भी निरीक्षण करते हुए उन्होंने प्रतिदिन होने वाले जांच की जानकारी ली एवं टेस्ट की संख्या बढ़ाने का निर्देश दिया।

अंत में उपायुक्त ने रोगी कल्याण समिति एवं अन्य आवश्यक बैठकों को नियमित रूप से आयोजित करने का निर्देश देते हुए कहा कि अस्पताल की संपूर्ण व्यवस्था को और अधिक सशक्त एवं जनहितकारी बनाया जाए। निरीक्षण के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी दीपेश कुमारी, सिविल सर्जन डॉ. नागेश्वर मांझी, जिला अभियंता जिला परिषद समेत अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

थाने पहुंचा वर पक्ष, लगाया वधु पक्ष पर धोखाधड़ी का आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पलामू। रेहला थाना क्षेत्र के सिगसीगी पंचायत अंतर्गत सुलूमदाग जावा खांड़ में 15 अप्रैल को सुजीत कुमार उरांव के घर पर चहल-पहल थी। उसके नाते-रिश्तेदार, पास-पड़ोसी, दोस्त-यार, ग्रामीण सभी जुटे हुए थे।

सभी को खिलाने के लिए मुर्गा-भात बन चुका था। मौका सुजीत कुमार उरांव के तिलक का था। जो भवनाथपुर थाना क्षेत्र के मकरी गांव के जमुना उरांव के घर से आने वाला था। लेकिन निर्धारित समय तक तिलक लेकर दुल्हन पक्ष के लोग नहीं पहुंचे तो वर पक्ष के लोगों को चिंता होने लगी।

उसके बाद जब लड़की के जीजा जितेंद्र उरांव को फोन किया गया तो जीजा ने कहा कि कौन सी शादी, कैसी शादी, हम लोग कुछ नहीं जानते हैं। इस पर वर पक्ष की ओर से लड़की के गांव में लोकल परिचितों को भेजा गया तो पता चला कि सास-ससुर समेत दुल्हन को उसका बहनोई कहीं भगा ले गया है।

इस पर वर पक्ष के लोग रेहला थाना पहुंचे। जहां सुजीत कुमार उरांव के पिता कपिलदेव उरांव ने आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने बताया कि दुल्हन पक्ष की ओर से उनको धोखा दिया गया है।

तिलक समारोह में मेहमान भी आ चुके थे। घर को चारों ओर से सजाया भी गया था। मुर्गा चावल भी बना हुआ था। उनके लड़का का शादी कार्ड भी बंट गया था। बरात जाने के लिए गाड़ी, डीजे, फूल-माला सभी बुक कर दिया गया था। जिसमें उनका लाखों रुपया का नुकसान हुआ है। पुलिस धोखाधड़ी का मामला दर्ज करते हुए उनके द्वारा खर्च की गई राशि को दुल्हन पक्ष से दिलाने का कार्य करें तभी उनको राहत मिलेगी अन्यथा बर्बाद हो जाएंगे।

टैक्सी मेंस यूनियन की बैठक

रामगढ़। शनिवार को रामगढ़ टैक्सी मेंस यूनियन की संयुक्त बैठक गोला रोड स्थित यूनियन कार्यालय में शनिवार को आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अतिथि यातायात प्रभारी गजेंद्र पांडे और अरुण कुमार सिन्हा मौजूद थे। बैठक में रामगढ़ में यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने में वाहन चालकों की भूमिका पर विस्तृत चर्चा की गई। जिसमें निर्णय लिया गया कि सभी टेंपो चालक यातायात नियमों का पालन करते हुए वाहन में दाहिनी ओर रॉड लगाकर लाक कर देंगे, ताकि दाहिनी और से कोई पैसेंजर न उतरे। इसके अलावा सभी चालकों के लिए ड्रेस कोड भी लागू किया जाएगा। ताकि रामगढ़ में यातायात व्यवस्था दुरुस्त रहे और जुमार्ना किसी पर न लगे। बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष अमित कुमार सिन्हा और संचालन बलजीत सिंह बेदी ने किया।

सरकारी जमीन पर अतिक्रमण मामले में राजस्व निरीक्षक सहित दस को नोटिस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चतरा। सदर अंचल के नगवां मौजा में सरकारी जमीन पर अतिक्रमण करने वाले राजस्व उप निरीक्षक सहित 10 लोगों को नोटिस किया गया है।

न्यायालय, अंचल अधिकारी कार्यालय ने उपर्युक्त लोगों झारखंड सार्वजनिक भूमि अतिक्रमण अधिनियम, 2000 की धारा-03 के अधीन नोटिस किया गया है।

संबंधित लोगों को 23 मई को अंचल न्यायालय के समक्ष अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया गया है। निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित नहीं होने की स्थिति में एकतरफा कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। न्यायालय, अंचल अधिकारी ने दस मई को नोटिस निर्गत किया है। राजस्व उप निरीक्षक गुरुदेव सिंह एवं अन्य को जारी नोटिस में कहा गया है कि सदर अंचल के नगवां मौजा थाना संख्या 182, खाता संख्या 68, प्लाट संख्या 85 के विभिन्न हिस्सों में अतिक्रमण के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है।

जिसका कुल रकबा करीब 6.80 एकड़ है। भूखंड गैर मजरूआ खास परती कदीम है। जिसमें 3.50 एकड़ चतरा महाविद्यालय की और शेष 3.50 एकड़ भूमि सरकार की है।

अधिकारियों का कहना है कि कैलाश पासवान ने अपने पिता बोधी दुसाध के नाम पर फर्जी जमाबंदी करा कर जमीन पर दखल-कब्जा किए हुए है। अधिकारियों ने बताया कि अवैध जमाबंदी के विरुद्ध चतरा कॉलेज और कैलाश पासवान के विरुद्ध भूमि सुधार उप समाहर्ता के न्यायालय में मामला चला। भूमि उप समाहर्ता का निर्णय चतरा कॉलेज के पक्ष में आया। बाद में कैलाश पासवान अपर समाहर्ता के न्यायालय में अपील में गए। वहां पर भी उनके दावे को खारिज कर दिया गया। इसके बाद कैलाश पासवान हाई कोर्ट चले गए। हाई कोर्ट ने निचली अदालत में मामले का निपटारा करने का आदेश दिया। मामला निचली अदालत में विचाराधीन है।

लेकिन उसके बाद भी जमीन की खरीद-बिक्री एग्रीमेंट के जरिए हो रहा है। राजस्व उप निरीक्षक गुरुदेव कुमार सिंह बारह डिसमिल जमीन एग्रीमेंट पर लेकर भवन का निर्माण कराए हैं।

गया जिले के बनिया गांव निवासी सोमर सिंह के पुत्र गुरुदेव कुमार सिंह वर्तमान समय में जिले के हंटरगंज अंचल में कार्यरत हैं। खरीद-बिक्री को लेकर उपायुक्त से शिकायत की गई है। जिसके बाद अपर समाहर्ता ने जांच का आदेश दिया है। अंचल कार्यालय मापी करते हुए अतिक्रमण के तहत नोटिस किया है।

अंचल अधिकारी अनिल कुमार ने बताया कि नोटिस का संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर अतिक्रमण हटाया जाएगा। इधर कैलाश पासवान का दावा है कि दशकों से भू-खंड पर दखल कब्जा है।

शिक्षा विभाग की हो रही किरकिरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

लोहरदगा। अब मृत शिक्षक भी टीचर नीड असेसमेंट का प्रशिक्षण लेंगे। शिक्षा विभाग ने उन्हें पांच मई को आयोजित प्रशिक्षण में शामिल होने के लिए नोटिस जारी किया है। बिना समीक्षा किए शिक्षकों के नाम नोटिस जारी करने पर शिक्षा विभाग की किरकिरी हुई है। अब शिक्षा शिक्षा पदाधिकारी सह जिला शिक्षा अधीक्षक सूची में सुधार करने की बात कही है।

शिक्षा विभाग ने अपने कारनामे से सबको चौंका दिया है। टीचर नीड असेसमेंट को लेकर शामिल नहीं होने वाले 59 शिक्षकों के नाम बिना समीक्षा कार्यालय आदेश निकाल दिया है। इसमें मृत शिक्षकों के नाम भी शामिल हैं।

यही नहीं चाइल्ड केयर लीव में गई शिक्षिका के नाम पर भी आदेश निकाला गया है। विभाग का आदेश देखकर शिक्षकों के बीच चर्चा शुरू हो गई है। विभाग ने बिना समीक्षा के आदेश पत्र कैसे निकाल दिया, यह जांच का विषय है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में शिक्षकों के सतत और क्षमता विकास को महत्वपूर्ण माना गया है।

बच्चों को आगे बढ़ने के लिए किताबी ज्ञान से ज्यादा प्रैक्टिकल ज्ञान होना जरूरी : सीएस

गुरुकुल विद्यालय में लगी विज्ञान व क्राफ्ट प्रदर्शनी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। कजरी मोड़ बटसारा स्थित गुरुकुल विद्यालय में विज्ञान व क्राफ्ट प्रदर्शनी लगाई गई। इसमें गुरुकुल विद्यालय के लगभग 400 से अधिक बच्चों ने भाग लिया। बच्चों ने विज्ञान की एक से बढ़कर एक प्रदर्शनी लगाई। इसके साथ ही कई बच्चों ने प्रोजेक्ट एवं क्राफ्ट के माध्यम से अपने हुनर का लोहा मनवाया। बच्चों के द्वारा बनाए गए प्रोजेक्ट व क्राफ्ट काफी आकर्षक रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पलामू सिविल सर्जन डॉक्टर अनिल कुमार सिंह थे। उन्होंने बच्चों द्वारा बनाए गए प्रोजेक्ट व क्राफ्ट की काफी प्रशंसा की। उन्होंने बच्चों का हौसला बढ़ाया ।उन्होंने बच्चों को प्रैक्टिकल ज्ञान पर जोर देने की बात कही ताकि बच्चे किताबी ज्ञान में समेट कर ना रहकर व्यवहारिक ज्ञान ले सकें। इस अवसर पर मेदिनीनगर के प्रसिद्ध जनरल फिजिशियन डॉक्टर राजीव नयन व शहर के प्रसिद्ध डेंटिस्ट डॉक्टर विनीत कुमार अतिथि के रूप में मौजूद थे। इन्होंने बच्चों द्वारा बनाए गए प्रोजेक्ट व क्राफ्ट के बारे में जानकारी हासिल की। इन्होंने बच्चों का उत्साह बढ़ाया। मौके पर कठौतिया कोल माइंस के सीएसआर हेड शोभा रानी मोहंती मौजूद थी। वे बच्चों की प्रदर्शनी देख काफी प्रभावित हुईं। इस अवसर पर गुरुकुल विद्यालय के अध्यक्ष अनुज सिंह ने बच्चों के द्वारा बनाए गए प्रदर्शनी की तारीफ की। बच्चों के लगन व मेहनत से काफी प्रभावित होकर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को विद्यालय की ओर से पुरस्कृत करने की घोषणा की। विज्ञान प्रदर्शनी में प्रथम आने वाले विद्यार्थी को दो हजार, द्वितीय स्थान पर रहने वाले विद्यार्थी को 15 सौ व तृतीय स्थान पर रहने वाले विद्यार्थी को एक हजार रुपए बतौर पुरस्कार देने की घोषणा की। मौके पर गुरुकुल विद्यालय के प्रधानाध्यापक सहेंद्र साव ने बच्चों के द्वारा बनाए गए प्रदर्शनी का प्रशंसा की। कहा कि गुरुकुल विद्यालय ग्रामीण क्षेत्र में होते हुए भी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने में कोई कसर नहीं छोड़ती है। शिक्षक - शिक्षिकाएं हमेशा बच्चों को सही मार्गदर्शन करने में लगे रहते हैं। उन्हें भरपूर सहयोग करते हैं। प्रदर्शनी में बच्चे ही नहीं बल्कि शिक्षकों ने भी कड़ी मेहनत की है। प्रधानाध्यापक ने बच्चों को और बेहतर करने की सलाह दी। इस अवसर पर विद्यालय की सचिव सोनम कुमारी, कोषाध्यक्ष विनोद कुमार मेहता, शिक्षक पवन कुमार मेहता, सतीश कुमार तिग्गा, रूपेश सिंह, शिक्षिका विजयलक्ष्मी चौबे, नेहा शुक्ला, सीमा श्रीवास्तव, अभिलाषा मिश्रा, प्रीति, अनुष्का, खुशबू कुमारी, वर्षा कुमारी, अनुश्री, संध्या मिश्रा, अदिति कुमारी व विद्यालय के अन्य कर्मचारी विपिन सिंह, रानी देवी व सुहाग देवी मौजूद थे।

धोनी के रिटायरमेंट पर सस्पेंस खत्म, सीएसके ने बताया माही का फ्यूचर प्लान !

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के दिग्गज क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी 43 साल की उम्र में भी आईपीएल खेल रहे हैं। धोनी को लेकर कहा जा रहा है कि यह उनका आखिरी सीजन है। धोनी फिलहाल पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी कर रहे हैं। आईपीएल 2025 में सीएसके का प्रदर्शन बहुत ही निराशाजनक रहा है और टीम प्लेऑफ की रेस से बाहर हो गई है। सिर्फ इतना ही धोनी के खुद फॉर्म भी इस समय उनका साथ नहीं दे पा रही है। ऐसे में उनके टीम में होने पर भी सवाल उठने लगे हैं। इसके बावजूद सीएसके के फैंस धोनी के लिए अभी भी टीम को पूरा सपोर्ट कर रहे हैं। इस सीजन में सीएसके को अभी दो मैच और खेलने हैं। ऐसे में फैंस में यह जानने की कौतूहल मची है कि क्या धोनी इसके बाद अब येलो जर्सी दोबारा फिर नजर आएंगे या फि नहीं। क्या सीएसके के एक युग का अंत होने वाला, लेकिन इस बीच टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक जो खबर सामने आई उससे जान सीएसके और धोनी फैंस झूम उठेंगे।

आईपीएल 2026 में खेलेंगे महेंद्र सिंह धोनी

धोनी को लेकर फिलहाल सबसे बड़ा सवाल ये है कि क्या वह आईपीएल 2026 में सीएसके के लिए मैदान पर उतरेंगे या फिर नहीं। रिपोर्ट के मुताबिक फ्रेंचाइजी के लोगों का मानना है कि धोनी अभी टीम को छोड़ने के लिए तैयार नहीं हैं। टीम में अभी भी कई चीजें ठीक करनी हैं, जिसके लिए धोनी का मार्गदर्शन जरूरी है। अगर ऐसा होता है तो धोनी निश्चित रूप से आईपीएल 2026 में खेलते हुए दिख सकते हैं। ऐसा नहीं है कि एमएस धोनी से आईपीएल रिटायरमेंट को लेकर सवाल नहीं पूछे गए हैं। एक मैच के दौरान जब उनसे पूछा गया कि क्या आईपीएल 2025 उनका आखिरी सीजन है। इसके जवाब में उन्होंने कहा था कि इस पर वह कुछ समय बाद फैसला लेंगे। इसके साथ ही उन्होंने अपनी फिटनेस को लेकर भी बात की थी। धोनी का मानना है कि आईपीएल में आगे खेलना है या फिर नहीं ये उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा।

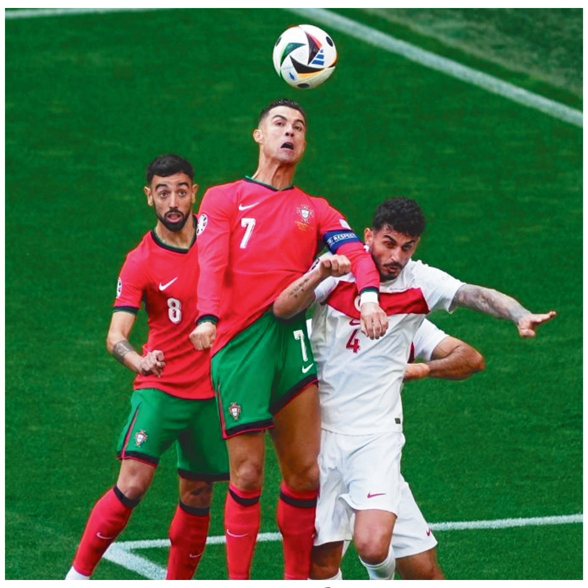

1 साल में 2300 करोड़ की कमाई...

इस स्टार खिलाड़ी पर हुई पैसों की बारिश, फिर बना दुनिया में नंबर-1

नई दिल्ली, एजेंसी। खेल की दुनिया न केवल प्रतिभा और जुनून का मंच है, बल्कि यह एक विशाल आर्थिक मंच भी है, जहां स्टार खिलाड़ी अपनी उपलब्धियों और ब्रांड वैल्यू के दम पर करोड़ों की कमाई करते हैं. फोर्ब्स ने हर साल की तरह इस बार भी सबसे ज्यादा कमाई करने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट जारी कर दी है. इस बार कई बड़े खिलाड़ियों ने रिकॉर्ड तोड़ कमाई करते हुए लिस्ट में अपनी जगह बनाई है. वहीं, एक दिग्गज कमाई के मामले में इतना आगे है कि दूसरा खिलाड़ी उसके आसपास भी नहीं है. पुर्तगाल के दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो एक बार फिर लिस्ट में नंबर-1 बनने में कामयाब रहे हैं. क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने मई 2024 और मई 2025 के बीच सबसे ज्यादा कमाई की है. फोर्ब्स की रिपोर्ट के मुताबिक, क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने पिछले 1 साल में 275 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 2,356 करोड़ रुपए) की कमाई की है. इसी के साथ वह लगातार तीसरी बार इस लिस्ट में टॉप पर रहे हैं. वहीं, ये 5वां मौका है जब उन्होंने एक साल में सबसे ज्यादा कमाई करने के मामले में दुनिया के सभी खिलाड़ियों को पीछे छोड़ा है.

40 साल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो की कमाई का सबसे बड़ा हिस्सा सऊदी प्रो लीग के क्लब अल-नासर के साथ उनकी 225 मिलियन अमेरिकी डॉलर की सालाना सैलरी से आता है. इसके अलावा, नाइकी, बिनांस, और हर्बालाइफ जैसे ब्रांड्स से उनकी ऑफ-फील्ड कमाई को 50 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाया. इसके साथ उनकी एंडोर्समेंट डील्स और सोशल मीडिया की अपार लोकप्रियता (लगभग 939 मिलियन फॉलोअर्स) भी इसका एक बड़ा कारण है.

रोहित शर्मा के लिए राहुल द्रविड़ का खास संदेश

अब मुंबई में टिकट की चिंता नहीं मुझे पता है किससे संपर्क करना है

नई दिल्ली, एजेंसी। राहुल द्रविड़, जिन्हें क्रिकेट की दुनिया में 'द वॉल' के रूप में जाना जाता है,उन्होंने अपने चिर-परिचित अंदाज में रोहित को बधाई दी। उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा, अरे रोहित, लगता है तुमने उन स्टैंड्स में इतने छक्के मारे कि उन्हें तुम्हारे नाम पर रखना ही पड़ा! द्रविड़ ने इस सम्मान को रोहित के लिए एक सपने के सच होने जैसा बताया। उन्होंने कहा, मुझे यकीन है कि एक युवा लड़के के रूप में तुमने वानखेड़े जैसे प्रतिष्ठित स्टेडियम में खेलने का सपना देखा होगा। लेकिन क्या तुमने कभी सोचा था कि एक दिन इस स्टेडियम का एक स्टैंड तुम्हारे नाम पर होगा? यह मुंबई और भारतीय क्रिकेट में तुम्हारे योगदान का सच्चा पुरस्कार है।

द्रविड़ ने रोहित के शानदार प्रदर्शनों की तारीफ करते हुए कहा, वानखेड़े जैसे विश्व स्तरीय स्टेडियम में खेलना हर क्रिकेटर का सपना होता है, और रोहित, तुमने न केवल वहां खेला, बल्कि अनगिनत यादगार पारियां खेलकर उसे और खास बनाया। उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में यह भी जोड़ा, अब जब तुम्हारे नाम पर स्टैंड है, तो अगली बार मुंबई में टिकट की कमी होने पर मुझे पता है कि किससे संपर्क करना है!

वानखेड़े का सच्चा स्टार

रोहित शर्मा का वानखेड़े स्टेडियम के साथ रिश्ता बेहद खास है। मुंबई इंडियंस के कप्तान के रूप में उन्होंने इस मैदान पर कई ऐतिहासिक जीत हासिल की हैं। उनके बल्ले से निकले छक्कों ने न केवल प्रशंसकों का दिल जीता, बल्कि इस स्टेडियम को क्रिकेट प्रेमियों के लिए और भी यादगार बना दिया। वानखेड़े में रोहित की कप्तानी में मुंबई इंडियंस ने कई आईपीएल खिताब जीते और उनकी व्यक्तिगत पारियों ने भी इस मैदान को एक अलग पहचान दी।

रोहित का यह सम्मान उनके उस समर्पण का प्रतीक है, जिसके साथ उन्होंने भारतीय क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। वनडे क्रिकेट में तीन दोहरे शतक, टी20 में रनों का अंबार, और कप्तान के रूप में उनकी शानदार रणनीतियां- रोहित ने हर प्रारूप में अपनी छाप छोड़ी है। वानखेड़े का यह स्टैंड उनके उस जुनून और मेहनत का सम्मान है, जिसने उन्हें 'हिटमैन' बनाया।

एक नया अध्याय

रोहित शर्मा के नाम पर स्टैंड का नामकरण केवल एक सम्मान नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक प्रेरणा भी है। यह हर उस युवा क्रिकेटर को प्रेरित करेगा, जो वानखेड़े के मैदान पर खेलने का सपना देखता है। जैसा कि द्रविड़ ने कहा, मुझे उम्मीद है कि रोहित के नाम वाला यह स्टैंड और भी कई छक्कों का गवाह बनेगा। यह स्टैंड न केवल रोहित की उपलब्धियों का उत्सव है, बल्कि भारतीय क्रिकेट के सुनहरे भविष्य का भी प्रतीक है।

परिवार, दोस्त और प्रशंसकों के लिए गर्व का पल

राहुल द्रविड़ ने अपनी शुभकामनाओं में रोहित के परिवार और दोस्तों को भी शामिल किया। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि यह तुम्हारे लिए, तुम्हारे परिवार और दोस्तों के लिए एक शानदार दिन होगा। यह सम्मान न केवल रोहित के लिए, बल्कि उनके उन लाखों प्रशंसकों के लिए भी गर्व का क्षण है, जो उनके हर छक्के पर तालियां बजाते हैं।

एडम गिलक्रिस्ट ने चुनी ऑल-टाइम आईपीएल इलेवन

कोहली और उनके इन खतरनाक साथी खिलाड़ियों को किया नजरअंदाज

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) ने क्रिकेट की दुनिया में एक अनूठा मुकाम हासिल किया है, और इसकी चमक को बरकरार रखने वाले खिलाड़ियों की चर्चा हमेशा सुर्खियों में रहती है। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज विकेटकीपर-बल्लेबाज और डेक्कन चार्जर्स के पूर्व कप्तान एडम गिलक्रिस्ट ने हाल ही में अपनी ऑल-टाइम आईपीएल इलेवन चुनी है, जिसमें कुछ बड़े नाम शामिल हैं, तो कुछ चौंकाने वाले फैसले भी सामने आए हैं। गिलक्रिस्ट ने इस टीम की कमान अनुभवी महेंद्र सिंह धोनी को सौंपी है, जिन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स को पांच बार आईपीएल खिताब दिलाया। लेकिन, हैरानी की बात यह है कि आईपीएल के रन-मशीन विराट कोहली, विस्फोटक क्रिस गेल और लेग-स्पिनर राशिद खान जैसे दिग्गजों को इस टीम में जगह नहीं मिली। आइए, गिलक्रिस्ट की इस खास पसंद पर एक नजर डालते हैं।

महेंद्र सिंह धोनी, जिन्हें 'कैप्टन कूल' के नाम से जाना जाता है, को गिलक्रिस्ट ने अपनी ऑल-टाइम इलेवन का कप्तान चुना। 2008 में आईपीएल के पहले सीजन से लेकर अब तक धोनी ने अपनी कप्तानी और बल्लेबाजी से सभी को प्रभावित किया है। चेन्नई सुपर किंग्स को पांच बार चैंपियन बनाने वाले धोनी की रणनीतिक समझ और दबाव में शांत रहने की कला गिलक्रिस्ट की पसंद का आधार रही। धोनी न केवल विकेट के पीछे चुस्त हैं, बल्कि फिनिशर के रूप में भी बेजोड़ हैं। गिलक्रिस्ट का यह फैसला धोनी के आईपीएल में अतुलनीय योगदान को दर्शाता है।

गिलक्रिस्ट ने अपनी टीम की शुरुआत के लिए ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक बल्लेबाज डेविड वॉर्नर और भारत के 'हिटमैन' रोहित शर्मा को चुना। वॉर्नर, जो सनराइजर्स हैदराबाद के लिए कई बार रन-मशीन साबित हुए, अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए मशहूर हैं। दूसरी ओर, रोहित शर्मा ने मुंबई इंडियंस को पांच बार चैंपियन बनाया और उनकी ओपनिंग बल्लेबाजी ने हमेशा सुर्खियां बटोरीं। यह जोड़ी किसी भी गेंदबाजी आक्रमण को शुरूआती झटका देने में सक्षम है।

मध्य क्रम में गिलक्रिस्ट ने 'मिस्टर आईपीएल' सुरेश रैना को जगह दी, जो अपनी तेजतर्रार बल्लेबाजी और शानदार फील्डिंग के लिए जाने जाते हैं। रैना ने चेन्नई सुपर किंग्स के लिए कई यादगार पारियां खेलीं। उनके बाद सूर्यकुमार यादव, जिन्होंने मुंबई इंडियंस के लिए 360 डिग्री बल्लेबाजी से सभी को हैरान किया, इस टीम में शामिल हैं। वेस्टइंडीज के दिग्गज ऑलराउंडर कीरन पोलार्ड भी मध्य क्रम को मजबूती देते हैं। पोलार्ड की विस्फोटक बल्लेबाजी और उपयोगी गेंदबाजी ने मुंबई इंडियंस को कई बार जीत दिलाई।

गिलक्रिस्ट की टीम में ऑलराउंडरों का शानदार मिश्रण है। वेस्टइंडीज के सुनील नरेन, जो अपनी रहस्यमयी स्पिन और उपयोगी बल्लेबाजी के लिए मशहूर हैं, इस टीम का हिस्सा हैं। नरेन के साथ भारत के रवींद्र जडेजा, जो अपनी शानदार स्पिन, ताबड़तोड़ बल्लेबाजी और बिजली सी फील्डिंग के लिए जाने जाते हैं, टीम में शामिल हैं। तेज गेंदबाजी की जिम्मेदारी जसप्रीत बुमराह, लसिथ मलिंगा और भुवनेश्वर कुमार के कंधों पर है। बुमराह की यॉर्कर, मलिंगा की स्लिंगी गेंदबाजी और भुवनेश्वर की स्विंग इस आक्रमण को घातक बनाती है।

गिलक्रिस्ट की इस पसंद ने कई लोगों को हैरान किया, क्योंकि आईपीएल के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले विराट कोहली को इस टीम में जगह नहीं मिली। कोहली ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए कई रिकॉर्ड बनाए, फिर भी गिलक्रिस्ट ने उन्हें नजरअंदाज किया। इसी तरह, वेस्टइंडीज के क्रिस गेल, जिन्हें 'यूनिवर्स बॉस' कहा जाता है, और उनके कई बड़े रिकॉर्ड भी गिलक्रिस्ट को प्रभावित नहीं कर सके। अफगानिस्तान के स्टार लेग-स्पिनर राशिद खान, जो लंबे समय से आईपीएल में अपनी फिरकी से बल्लेबाजों को परेशान करते रहे, को भी इस इलेवन से बाहर रखा गया। दक्षिण अफ्रीका के धुरंधर एबी डिविलियर्स का न चुना जाना भी एक बड़ा आश्चर्य है।

गिलक्रिस्ट की ऑल-टाइम आईपीएल इलेवन:

डेविड वॉर्नर, रोहित शर्मा, सुरेश रैना, सूर्यकुमार यादव, कीरन पोलार्ड, महेंद्र सिंह धोनी (कप्तान), सुनील नरेन, रवींद्र जडेजा, जसप्रीत बुमराह, लसिथ मलिंगा, भुवनेश्वर कुमार

डब्ल्यूडब्ल्यूई मनी इन द बैंक के लिए घातक महिला रेसलर ने किया क्वालीफाई, चैंपियनशिप का भी किया बचाव

नई दिल्ली, एजेंसी। डब्ल्यूडब्ल्यूई में मनी इन द बैंक की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। फ्राइडे नाइट स्मैकडाउन में कई रोमांचक मुकाबले हुए। टिफनी स्ट्रैटन ने अपना डब्ल्यूडब्ल्यूई विमेंस चैंपियनशिप सफलतापूर्वक बचाया। एलेक्सा ब्लिस और सोलो सिकोआ ने मनी इन द बैंक के लिए क्वालीफाई किया। इस एपिसोड में द रॉक जिन्हें ड्वेन जॉनसन के नाम से भी जान जाता है। उनका जन्मदिन भी मनाया गया।

7 जून को होगा मनी इन द बैंक

फ्राइडे नाइट स्मैकडाउन में डब्ल्यूडब्ल्यूई मनी इन द बैंक की शुरुआत हो चुकी है। यह इवेंट 7 जून को लॉस एंजिल्स के इंटुइट डोम में होगा। बैकलैश के बाद डब्ल्यूडब्ल्यूई ने तुरंत इस बड़े इवेंट की तैयारी शुरू कर दी है। इस एपिसोड में विमेंस चैंपियनशिप का शानदार मुकाबला हुआ। साथ ही, मनी इन द बैंक के लिए क्वालीफाइंग मैच भी शुरू हो गए।

टिफनी स्ट्रैटन ने किया चैंपियनशिप का बचाव

मुख्य मुकाबले में टिफनी स्ट्रैटन का सामना पूर्व चैंपियन नाया जैक्स से था। टिफनी स्ट्रैटन को अपना डब्ल्यूडब्ल्यूई विमेंस चैंपियनशिप बचाना था। मैच में तब मोड़ आया जब नाओमी स्टील की कुर्सी लेकर रिंग में आई। लेकिन जेड कार्गिल ने उन्हें रोक दिया। इस मौके का फायदा उठाते हुए स्ट्रैटन ने जैक्स के चेहरे पर कुर्सी से ड्रॉपकिक मारी। फिर अपना सिग्नेचर मूव प्रीटिएस्ट मून्सॉल्ट एवरलगाकर जीत हासिल की। पहले विमेंस मनी इन द बैंक क्वालीफायर में एलेक्सा ब्लिस, चेल्सी ग्रीन और मिचिन के बीच मुकाबला था। चेल्सी ग्रीन ने चोरी से जीतने की कोशिश की। लेकिन ब्लिस ने ग्रीन पर सिस्टर अबिगेल डीडीटी मारकर मैच जीत लिया। इस जीत के साथ ब्लिस ने लैडर मैच में अपनी जगह पक्की कर ली।

रोस्टन चेज वेस्टइंडीज के नए टेस्ट कप्तान:दो साल बाद टीम में वापसी, ब्रैथवेट की जगह लेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज ने दो साल से टेस्ट टीम से बाहर चल रहे ऑलराउंडर रोस्टन चेज को टीम का कप्तान नियुक्त किया है। वह क्रैग ब्रैथवेट की जगह लेंगे। ब्रैथवेट ने इस साल के मार्च में टेस्ट कप्तानी से इस्तीफा दे दिया था। वेस्टइंडीज ने उनकी कप्तानी में खेले 39 मैच में से 10 टेस्ट जीते, 22 हारे और सात ड्रॉ रहे। चेज 2023 में आखिरी बार टेस्ट खेला था चेज ने आखिरी बार मार्च 2023 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट खेला था। तब से वेस्टइंडीज ने 13 टेस्ट खेले, लेकिन उन्हें टीम में जगह नहीं मिली। अब टीम में वापसी के साथ ही उन्हें कप्तान बनाया गया है। इससे पहले वे एक वनडे और एक टी-20 में कप्तानी कर चुके हैं।चेज की अगुआई में टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 3 टेस्ट मैचों की घरेलू सीरीज खेलेगी, जो 25 जून से ब्रिजटाउन में शुरू होगी। चेज अब तक 49 टेस्ट खेले हैं चेज ने अब तक 49 टेस्ट में 2265 रन बनाए हैं, जिसमें 5 शतक शामिल हैं। उनका औसत 26.33 है। गेंद से भी उन्होंने 85 विकेट लिए हैं। शुरुआत में उनका प्रदर्शन शानदार रहा था। पहले 10 टेस्ट में उनका बैटिंग एवरेज 48.53 रहा, लेकिन इसके बाद उनका ग्राफ गिरा। 6 खिलाड़ियों के नाम पर विचार के बाद चेज का नाम पर हुआ फैसला वेस्टइंडीज टेस्ट टीम की कप्तान के लिए रोस्टन चेज के अलावा जॉन कैम्पबेल, टेविन इमलाच, जोशुआ दा सिल्वा, जस्टिन ग्रीव्स और जोमेल वारिकन जैसे खिलाड़ी भी रेस में थे। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने बताया कि कप्तान चुनने के लिए एक डेटा-आधारित, साइकोमेट्रिक टेस्ट वाला प्रोसेस अपनाया गया था। सभी प्रक्रिया के बाद रोस्टन चेज को कप्तान चुनने का फैसला किया गया।

मेरा तो नहीं पर प्रशंसकों ... इतिहास रचने के बाद नीरज चोपड़ा ने बताया अपना अगला टारगेट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के सुनहरे भाले के नायक, दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने आखिरकार वो कर दिखाया, जिसका इंतजार पूरे देश को बेसब्री से था। उन्होंने दोहा में आयोजित डायमंड लीग में 90 मीटर का जादुई आंकड़ा पार कर लिया। यह उपलब्धि न केवल नीरज के लिए, बल्कि पूरे भारत के लिए गर्व का क्षण है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के पीछे है उनके नए कोच, जैवलिन थ्रो के दिग्गज जैन जेलेनी का मार्गदर्शन, जिन्होंने खुद कई बार 90 मीटर की दूरी को छुआ और विश्व रिकॉर्ड अपने नाम किया।

दोहा डायमंड लीग में नीरज ने अपने तीसरे प्रयास में 90 मीटर की दूरी पार की। खास बात यह रही कि इस थ्रो को नीरज ने अपने सर्वश्रेष्ठ थ्रो नहीं माना। उनके अनुसार, इस थ्रो में वह बल था, जो सामान्यतः भाला फेंक में चाहिए, लेकिन फिर भी 90 मीटर का आंकड़ा पार हो गया। इस उपलब्धि के बाद नीरज ने रेवस्पोर्ट्स को दिए विशेष साक्षात्कार में अपनी खुशी और आत्मविश्वास को साझा किया। नीरज ने कहा, हमारी तैयारियों को देखते हुए मुझे पता था कि 90 मीटर का थ्रो आने वाला है। आज मेरे दो थ्रो 88 मीटर से अधिक थे। कोच जैन जेलेनी भी कह रहे थे कि मैं और बेहतर कर सकता हूं। फरवरी से मैं उनके साथ काम कर रहा हूं और मेरी तकनीक में कुछ बदलाव हो रहे हैं। 90 मीटर का बैरियर पार करने से मैं बहुत खुश हूं।

पिछले कुछ समय से नीरज 88-89 मीटर की दूरी लगातार पार कर रहे थे, लेकिन 90 मीटर का आंकड़ा एक दीवार की तरह उनके सामने खड़ा था। कई लोग सवाल उठा रहे थे कि क्या नीरज इस आंकड़े को छू पाएंगे। लेकिन नीरज और उनके कोच जेलेनी की रणनीति ने इन सभी सवालों को चुप करा दिया। नीरज ने कहा, लोगों के मन में 90 मीटर को लेकर सवाल थे। कुछ लोग कह रहे थे कि यह नहीं हो पाएगा। लेकिन अब यह बैरियर टूट गया है और मुझे लगता है कि मैं इससे भी आगे जा सकता हूं। दोहा में प्रतियोगिता से पहले नीरज का आखिरी

प्रशिक्षण सत्र बेहद हल्का था। कोई थ्रो नहीं, केवल स्ट्रेचिंग और थोड़ी दौड़। गुरुवार को उन्होंने भाला भी नहीं उठाया। यह थी उनकी रणनीति और योजना, जो जेलेनी के अनुभव और नीरज की मेहनत का नतीजा थी।जैन जेलेनी, जिन्हें भाला फेंक का पर्याय माना जाता है उन्होंने नीरज के खेल में नई जान फूंकी है। नीरज ने जेलेनी के साथ काम करने के अनुभव को साझा करते हुए कहा, उनके साथ काम करने से मेरा आत्मविश्वास बढ़ा है। उनकी मौजूदगी ही सकारात्मकता लाती है। वह विश्व रिकॉर्ड धारक हैं, इसलिए उनकी हर बात को मैं ध्यान से सुनता हूं और उस पर काम करता हूं।

रेखा गुप्ता की सरकार बनने के बाद दिल्ली में पहला बड़ा नौकरशाही फेरबदल, गृह मंत्रालय ने किए 66 तबादले

नईदिल्ली, एजेंसी। गृह मंत्रालय ने शुक्रवार को एजीएमयूटी कैडर में बड़े पैमाने पर फेरबदल करते हुए दो अतिरिक्त मुख्य सचिवों और एक प्रमुख सचिव समेत दिल्ली सरकार के कई शीर्ष नौकरशाहों को दूसरे राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में स्थानांतरित कर दिया। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने शुक्रवार को दिल्ली, जम्मू और कश्मीर तथा अन्य केंद्र शासित प्रदेशों से अरुणाचल प्रदेश-गोवा-मिजोरम और केंद्र शासित प्रदेश (एजीएमयूटी) कैडर के 66 भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारियों को स्थानांतरित कर दिया। अरुणाचल प्रदेश-गोवा-मिजोरम और केंद्र शासित प्रदेश (एजीएमयूटी) कैडर के 1994 बैच के आईएएस अधिकारी आशीष चंद्र वर्मा, जो दिल्ली सरकार के वित्त और राजस्व विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव के रूप में कार्यरत थे, को जम्मू और कश्मीर स्थानांतरित कर दिया गया। इन 66 में से सबसे ज्यादा तबादले दिल्ली में हुए। 21 आईएएस और 23 आईपीएस अधिकारियों को दिल्ली से स्थानांतरित किया गया है या अन्य केंद्र शासित प्रदेशों से वापस राजधानी में स्थानांतरित किया गया है।

फरवरी में रेखा गुप्ता की सरकार बनने के बाद दिल्ली में पहला बड़ा नौकरशाही फेरबदल करते हुए, अरुणाचल प्रदेश-गोवा-मिजोरम और केंद्र शासित प्रदेश कैडर के कई शीर्ष नौकरशाहों को शुक्रवार को गृह मंत्रालय ने दूसरे राज्यों में स्थानांतरित कर दिया। 1995 बैच के आईएएस अधिकारी अनिल कुमार सिंह, पर्यावरण और वन के अतिरिक्त मुख्य सचिव को भी जम्मू-कश्मीर स्थानांतरित कर दिया गया, जबकि 1999 बैच के आईएएस अधिकारी सुधीर कुमार, सतर्कता विभाग के प्रमुख सचिव को मिजोरम स्थानांतरित कर दिया गया।

विशेष सचिव सचिन शिंदे को पुडुचेरी और अंडमान और निकोबार स्थानांतरित कर दिया गया

इसके अलावा, 2009 बैच के गृह के विशेष सचिव केएम उप्पू और 2008 बैच के परिवहन के विशेष सचिव सचिन शिंदे को क्रमश: पुडुचेरी और अंडमान और निकोबार स्थानांतरित कर दिया गया। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर में संभागीय आयुक्त के पद पर कार्यरत 2005 बैच के अधिकारी विजय कुमार भिदुरी को दिल्ली बुलाया गया है। इसी तरह 2000 बैच की अधिकारी दिलराज कौर को भी अंडमान निकोबार से स्थानांतरित होने के बाद दिल्ली लौटने को कहा गया है, जहां वह पहले विभिन्न पदों पर रह चुकी हैं। इसके अलावा चंचल यादव (2008 बैच), विनोद कावले (2008 बैच) और नवीन एसएल (2012 बैच) भी दिल्ली से स्थानांतरित एजीएमयूटी कैडर के अधिकारियों में शामिल हैं।

अंतरविभागीय फेरबदल

दिल्ली सरकार ने अंतरविभागीय फेरबदल में एजीएमयूटी और दानिक्स कैडर के कुल 42 वरिष्ठ अधिकारियों का तबादला किया है। इस बीच सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण और सामान्य प्रशासन विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव रहे 1994 बैच के नवीन कुमार चौधरी को अब लोक निर्माण विभाग का नया एसीएस नियुक्त किया गया है। 1992 बैच के अपर मुख्य सचिव (एसीएस) उद्योग बिपुल पाठक को एसीएस पर्यावरण एवं वन का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। 2002 बैच के निखिल कुमार नए स्वास्थ्य सचिव होंगे और आईटी सचिव का अतिरिक्त प्रभार भी संभालेंगे। पदस्थापना की प्रतीक्षा कर रहे 2003 बैच के नीरज सेमवाल सचिव राजस्व-सह-मंडलायुक्त का प्रभार संभालेंगे।

पिछली सरकार द्वारा छोड़े गए कामों को पूरा करेगी दिल्ली सरकार, सीएम रेखा गुप्ता ने दिया आश्वासन

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को कहा कि भाजपा सरकार जनहित में पिछली सरकार द्वारा छोड़े गए लंबित कार्यों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।
अपने शालीमार बाग निर्वाचन क्षेत्र में पानी की पाइपलाइन बिछाने के कार्य का उद्घाटन करते हुए गुप्ता ने कहा कि पिछली आप सरकार के दौरान शुरू किए गए सभी अधूरे विकास कार्यों को पारदर्शी तरीके से पूरा किया जाएगा।
गुप्ता ने कहा, हमारी प्राथमिकता यह है कि सार्वजनिक कार्य न रुकें। हम फिलहाल अधूरे कार्यों और पिछली सरकार के बकाया भुगतान जैसी देनदारियों को निपटाने में व्यस्त हैं।
उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिक संघों को अनुदान देने की योजना, जिसे आप सरकार ने बंद कर दिया था, को उनकी सरकार फिर से शुरू कर रही है और उनके बकाया भुगतान की व्यवस्था की जा रही है।
उन्होंने कहा कि शालीमार बाग में विकास कार्य के प्रथम चरण में विभिन्न आवासीय ब्लॉकों में पानी और सीवर लाइनें बिछाई जा रही हैं तथा उनकी मरम्मत की जा रही है तथा अगले चरण में क्षतिग्रस्त सड़कों और गलियों की मरम्मत और पुनर्निर्माण किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली सीलमपुर पार्क में किशोर की हत्या, पुलिस ने दो संदिग्धों को पकड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सीलमपुर में एक सार्वजनिक पार्क में 16 वर्षीय एक लड़के की हत्या कर दी गई। हत्या के आरोप में एक नाबालिग समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है।
एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घटना गुरुवार रात करीब 11:30 बजे सामने आई, जब पुलिस नियमित गश्त के दौरान सीलमपुर के सेंट्रल पार्क में दाखिल हुई और एक बेंच और वॉकवे के बीच खून से लथपथ किशोर का शव पड़ा मिला।
उसकी पहचान रेहान उर्फ सीलमपुरिया के रूप में हुई है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, ¶पुलिस ने तुरंत स्थानीय पुलिस स्टेशन को सूचित किया, जिसके बाद वरिष्ठ अधिकारी और पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची।
पीड़ित को जेपीसी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।¶ सीलमपुर पुलिस स्टेशन में बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। अपराध और फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) की टीमों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और साक्ष्य एकत्र किए।
पुलिस ने बताया कि अपराधियों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए कई टीमें बनाई गई हैं। अधिकारी ने बताया, ¶एक नाबालिग समेत दो संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। घटना के संबंध में उनसे पूछताछ की जा रही है।

20 मई से दिल्ली ओलंपिक का आगाज, 40 से अधिक खेलों में एथलीट दिखाएंगे दमखम

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली ओलंपिक खेल प्रतियोगिता का आयोजन 20 मई से दिल्ली में किया जाएगा। दिल्ली ओलंपिक एसोसिएशन (डीओए) की ओर से आयोजित ओलंपिक में अलग-अलग समय पर 40 से अधिक खेलों का आयोजन किया जाएगा।
इसमें देशभर से 11,000 से अधिक एथलीट हिस्सा लेंगे। यह प्रतियोगिता शहर में 25 अलग-अलग जगहों पर आयोजित की जाएगी।
डीओए के अध्यक्ष कुलदीप वत्स, स्पेशल सीपी अजय चौधरी, मधुर वर्मा, उपाध्यक्ष मुकेश कालिया, महासचिव राकेश गुप्ता व कोषाध्यक्ष सरोज शर्मा ने बताया कि ओलंपिक खेल आयोजन की मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता होंगी। वह दिल्ली ओलंपिक खेल प्रतियोगिता का उद्घाटन करेंगी।
जबकि समापन समारोह में केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी शामिल होंगे। प्रतियोगिता की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। वहीं, अध्यक्ष कुलदीप वत्स ने बताया कि खिलाड़ियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा गया है। दिल्ली सरकार ने 11 हजार ट्रैक सूट व टी-शर्ट उपलब्ध कराए हैं। इस आयोजन का उद्देश्य युवाओं में खेलों के प्रति रुचि बढ़ाना और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिभाओं को पहचान दिलाना है। चयनित खिलाड़ियों को टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना के तहत विशेष प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

दिल्ली में गर्मी का प्रकोप, बिजली की मांग ने तोड़ा रिकॉर्ड; 6867 मेगावाट तक पहुंची डिमांड

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में गर्मी बढ़ने के साथ ही बिजली की मांग बढ़ने लगी है। इसी क्रम में शुक्रवार दोपहर 3:17 बजे बिजली की अधिकतम मांग 6867 मेगावाट पहुंच गई, जो 16 मई तक अब तक बिजली की सर्वाधिक मांग का रिकॉर्ड है। डिस्कॉम के अनुसार इससे पहले 16 मई तक बिजली की इतनी अधिक मांग कभी नहीं पहुंची थी। पिछले वर्ष इसी अवधि में 6855 मेगावाट बिजली की मांग पहुंची थी। यह रिकॉर्ड भी इस बार टूट गया।
पिछले वर्ष गर्मी के मौसम में पहली बार दिल्ली में बिजली की मांग आठ हजार मेगावाट से पार पहुंच थी। तब बिजली की रिकॉर्ड मांग 8656 मेगावाट रही थी। बिजली वितरण कंपनियों का अनुमान है कि इस बार अब तक बिजली की जितनी अधिक खपत है उसे देखते हुए इस बार गर्मी में बिजली की मांग 9000 मेगा वाट पहुंच सकती है। इसे ध्यान में रखकर दिल्ली में बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित करने की तैयार की गई है।

दिल्ली-एनसीआर में हवा खराब, वायु प्रदूषण के स्तर में अचानक वृद्धि के बाद ग्रेप-1 लागू

दिल्ली-एनसीआर, एजेंसी। दिल्ली में शुक्रवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 278 दर्ज किया गया, जो खराब श्रेणी में आता है। वायु प्रदूषण के स्तर में अचानक वृद्धि के बाद वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने दिल्ली-एनसीआर में ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रेप) के पहले चरण के उपायों को लागू कर दिया है। दिल्ली में शुक्रवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 278 दर्ज किया गया, जो खराब श्रेणी में आता है।

सीएक्यूएम की उप समिति की शुक्रवार शाम हुई बैठक में समीक्षा के दौरान पाया गया कि लगातार धूल भरी आंधी के कारण वायु प्रदूषण के स्तर में वृद्धि हुई है। मौसम विभाग ने शनिवार को भी एक्यूआई के खराब श्रेणी में रहने का अनुमान जताया है।

राजधानी में चली धूल भरी आंधी से हवा जहरीला हो गई है। इससे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) खराब श्रेणी में बरकरार है। शुक्रवार को एक्यूआई 278 दर्ज किया। इसमें बृहस्पतिवार की तुलना में 14 सूचकांक की गिरावट दर्ज की गई।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) का पूर्वानुमान है कि रविवार को हवा मध्यम श्रेणी में पहुंचने की संभावना है। ऐसे में लोगों को प्रदूषित हवा से राहत मिलेगी। शुक्रवार को हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से 25 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चली। शनिवार को हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 से 20 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चल सकती है।

रविवार को हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से 18 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चलने का अनुमान है। इसके अलावा, सोमवार को हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से 20 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चल सकती है।

सीपीसीबी के अनुसार, दिल्ली एनसीआर में दिल्ली के बाद गुरुग्राम की हवा सबसे अधिक प्रदूषित रही। यहां एक्यूआई 267 दर्ज किया गया, जोकि खराब श्रेणी है। वहीं, ग्रेटर नोएडा में एक्यूआई सबसे कम दर्ज हुआ। यहां सूचकांक 191 रहा, जोकि मध्यम श्रेणी में है। इसके अलावा, नोएडा में 240 और गाजियाबाद में 227 एक्यूआई दर्ज किया गया।

दमकल विभाग का नया रक्षक बना स्वदेशी रोबोट आर्मर

ऑटोमैटिक नेविगेशन सिस्टम की मदद से अब जल्द बुझेगी आग

दिल्ली-एनसीआर, एजेंसी। यह अत्याधुनिक रोबोट तेजी से आग बुझाने, सेंसर और कैमरों से लैस ऑटोमैटिक नेविगेशन सिस्टम के साथ खतरनाक परिस्थितियों में काम करने और दमकल कर्मियों की जान बचाने में सक्षम है। स्वदेशी रोबोट आर्मर अब दिल्ली फायर सर्विस का नया रक्षक बन गया है। यह अत्याधुनिक रोबोट तेजी से आग बुझाने, सेंसर और कैमरों से लैस ऑटोमैटिक नेविगेशन सिस्टम के साथ खतरनाक परिस्थितियों में काम करने और दमकल कर्मियों की जान बचाने में सक्षम है।

किसी भी दिशा में स्वचालित रूप से मुड़कर पानी फेंकने की इसकी क्षमता इसे अनूठा बनाती है। शुक्रवार को दिल्ली सचिवालय में सीएम रेखा गुप्ता ने आर्मर सहित अन्य फायर फाइटिंग रोबोट्स और वाहनों का निरीक्षण कर इसे फायर सर्विस के बेड़े में शामिल किया।

सीएम को दिल्ली फायर सर्विस के कर्मचारियों ने फायर फाइटिंग रोबोट आर्मर (स्वचालित रोबोटिक मिस्ट ओमनी यूटिलिटी रक्षक) और पोर्टेबल हाई प्रेशर वाटर मिस्ट सिस्टम दिखाया। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री आशीष सूद भी मौजूद रहे। सीएम ने कहा कि हमारी सरकार दिल्ली फायर डिपार्टमेंट को देश ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की सबसे बेहतर तकनीकी सुविधाएं और उपकरण उपलब्ध कराएगी। राजधानी दिल्ली में आग लगने पर किसी भी गंभीर हालात से निपटने के लिए फायर सर्विस के पास आग पर तुरंत काबू पाने की सबसे आधुनिक तकनीक हमारे पास मौजूद होनी चाहिए। सीएम ने कहा कि दिल्ली में जो फायर फाइटिंग सिस्टम पिछली सरकारों के समय में थे, वह काफी जर्जर हालत में थे, जिसकी वजह से सैकड़ों हादसे हुए। दमकलकर्मी चाहकर भी मनचाहे तरीके से कार्रवाई नहीं कर पाते थे।

उनकी सरकार ने आधुनिक मशीनों, रोबोटिक फायर फाइटिंग सिस्टम, उपकरणों से लेकर कई नई तकनीक से लैस करने के लिए 110 करोड़ रुपये का बजट रखा है। बहुत जल्द दिल्ली फायर सर्विस के पास वाटर बोसर, हाईटेक फायर टावर, हजमत वैन, रोबोटिक फायर फाइटर, ड्रोन के साथ ही नए एयरियल लैडर प्लेटफॉर्म समेत आधुनिक उपकरण और तकनीक मौजूद रहेगी।

बांग्लादेश में महिला अधिकार कार्यकर्ताओं का विरोध प्रदर्शन, कट्टरपंथी इस्लामी समूहों खिलाफ की नारेबाजी

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की राजधानी में शुक्रवार को हजारों महिला अधिकार कार्यकर्ता संसद भवन के निकट माणिक मियां एवेन्यू पर एकत्रित हुईं, जहां उन्होंने महिलाओं के लिए समान अधिकार और सम्मान की मांग की। महिलाओं की पुकार पर

एकजुटता यात्रा (नरिरा डाके मैत्री यात्रा) के नारे के तहत आयोजित इस रैली का उद्देश्य धर्म के नाम पर महिलाओं के अधिकार छीनने के प्रयासों का विरोध करना था। यह प्रदर्शन बांग्लादेश में नारीवाद विरोधी भावना की एक लहर के बीच हुआ, जो अंतरिम सरकार की महिला सुधार आयोग की उस सिफारिश के विवाद से शुरू हुआ, जिसमें सेक्स श्रमिकों को श्रमिक के रूप में मान्यता देने की बात कही गई थी। कट्टरपंथी इस्लामी समूहों ने इस कदम का विरोध किया और महिलाओं के प्रति अपमानजनक टिप्पणियां कीं। कार्यकर्ताओं ने हाल की उन टिप्पणियों की निंदा की, जो महिलाओं को नीचा दिखाती थीं। उन्होंने इस विरोध प्रदर्शन के प्रति एकजुटता व्यक्त की, यह बताते हुए कि महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करना कितना महत्वपूर्ण है। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को पिछले साल अगस्त में एक आंदोलन के दौरान सत्ता से हटा दिया गया था।

ब्रिटेन में मिर्जापुर के राज मिश्रा बने वेलिंगबोरो शहर के मेयर

लंदन, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर के एक किसान के बेटे को ब्रिटेन के वेलिंगबोरो शहर का नया मेयर चुना गया है। वेलिंगबोरो ब्रिटेन के ईस्ट मिडलैंड्स क्षेत्र में स्थित है। उन्हें इस महीने की शुरुआत में स्थानीय नगर पार्षद चुना गया था। राज मिश्रा (37) छह मई को हुए स्थानीय चुनाव में शहर के विक्टोरिया वार्ड से निर्वाचित हुए थे और मंगलवार को नगर परिषद की वार्षिक बैठक में वेलिंगबोरो के पांचवें मेयर चुने गए।

राज के मेयर चुने जाने की खबर से मिर्जापुर में उनके मित्रों और परिवार के बीच खुशी की लहर दौड़ गई। मिश्रा ने एक बयान में कहा, वेलिंगबोरो के मेयर के रूप में सेवा करना सम्मान की बात है। मैं एक जीवंत, समावेशी और समृद्ध समुदाय के लिए सभी निवासियों के साथ मिलकर काम करने की खातिर प्रतिबद्ध हूं। हम सब मिलकर अपने शहर के लिए एक उज्जवल भविष्य का निर्माण करेंगे। राज मिश्रा उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले के भटेवरा गांव के रहने वाले हैं। उनके पिता मुन्ना लाल मिश्रा किसान हैं राज 9 भाइयों और बहनों में छठे नंबर पर हैं। राजकुमार की शादी प्रतापगढ़ की रहने वाली अभिषेकता मिश्रा से हुई है, उनकी पत्नी इंजीनियर है, उनके 2 बच्चे हैं।

आतंकवादी हमलों का जवाब देने की भारत की नीति में आया बदलाव, सटीक हमलों से पस्त पाक

लंदन, एजेंसी। पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में भारत द्वारा ऑपरेशन सिंदूर चलाए जाने और उसके बाद पाकिस्तानी आक्रमण को प्रभावी ढंग से विफल करने के बाद लंदन स्थित एक प्रमुख सुरक्षा विशेषज्ञ ने कहा है कि आतंकवादी हमलों का जवाब देने के मामले में भारत सरकार की नीति में बदलाव आया है। अब नीतिगत रुख यह है कि अपने क्षेत्र में आतंकी समूहों को सुरक्षित पनाहगाह बनाने से रोकने में विफलता ही सैन्य कार्रवाई के लिए पर्याप्त है।

एक साक्षात्कार में किंग्स कालेज लंदन में अंतरराष्ट्रीय संबंध के वरिष्ठ व्याख्याता और सुरक्षा विशेषज्ञ डॉ. वाल्टर लैडविग ने कहा कि भारतीय वायु सेना की कमोबेश सटीकता से विभिन्न लक्ष्यों पर हमला करने की क्षमता का प्रमाण काफी प्रभावशाली है। मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि आतंकवादी हमलों को लेकर भारत सरकार की नीति में बदलाव आया है। आगे बोले कि अतीत में हमने देखा कि सरकारों को डोजियर तैयार करने या आतंकियों से संबंधों के साक्ष्य देने की आवश्यकता महसूस हुई। अब यह नीतिगत रुख अपनाया जा रहा है कि आतंकी संगठनों को आपके क्षेत्र में सुरक्षित पनाहगाह बनाने से रोकने में विफलता सैन्य कार्रवाई के लिए पर्याप्त है। लैडविग ने कहा कि इस्लामाबाद द्वारा दिखाई गई आक्रामकता के बाद भारत पाकिस्तान की तुलना में अधिक व्यापक लक्ष्यों पर हमला करने और मिशनों को अंजाम देने में सफल रहा। भारतीय वायु सेना ने मानक सैन्य प्रक्रियाओं के अनुसार काम किया और कमोबेश सटीक रूप से कई लक्ष्यों पर हमला करने की उसकी क्षमता काफी प्रभावशाली थी।

इतालवी पीएम मेलोनी के सामने घुटने पर बैठे अल्बानियाई प्रधानमंत्री

रोम, एजेंसी। उत्तरपूर्वी यूरोप के देश अल्बानिया के प्रधानमंत्री की वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। उन्होंने इतालवी समकक्ष जियॉर्जिया मेलोनी का अनोखे तरीके से स्वागत किया। मेलोनी जब कार्यक्रम स्थल पर पहुंचीं तो उनके स्वागत में रेड कार्पेट बिछाया गया था। इसी रेड कार्पेट पर अल्बानियाई पीएम ने घुटने के बल बैठकर मेलोनी का स्वागत किया, जिससे मेलोनी भी अभिभूत दिखीं।

इटली की प्रधानमंत्री जियॉर्जिया मेलनी जब तिराना में यूरोपियन पॉलिटिकल कम्युनिटी समिट में पहुंचीं, तो अनोखा नजारा देखने को मिला। अल्बानिया के पीएम एदी रामा ने रेड कार्पेट पर घुटनों के बल झुककर मेलनी का स्वागत किया। सोशल मीडिया पर इसकी खूब चर्चा रही। 3 माह पहले भी फ्यूचर्स एनर्जी समिट के लिए अबूधाबी पहुंची मेलनी का रामा ने इसी तरह स्वागत किया था। उस वक्त अल्बानियाई पीएम ने मेलनी के लिए गाना भी गाया था।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रही वीडियो में देखा जा सकता है कि बारिश की बूंदों के बीच मेलोनी ने कार से उतरने के बाद वहां मौजूद सहायकों को छतरी लाने से मना कर दिया। उनके स्वागत में मौजूद अल्बानियाई पीएम छतरी लेकर कार से कुछ कदमों की दूरी पर खड़े थे। मेलोनी जब उनकी तरफ बढ़ रही थीं, तो अचानक पीएम रामा ने अपनी छतरी किनारे रख दी

और घुटने के बल बैठ गए। अल्बानियाई समकक्ष को ऐसा करते देखकर मेलोनी थोड़ी देर के लिए झेंप भी गईं। बाद में मेलोनी को प्रधानमंत्री रामा ने गले लगाया। अल्बानियाई प्रधानमंत्री के इटली की प्रधानमंत्री के सामने घुटनों के बल बैठकर स्वागत करने को दोनों देशों के बीच मजबूत संबंधों से जोड़कर देखा जा रहा है। अल्बानिया और इटली में गहरे संबंध हैं। गौरतलब है कि अल्बानिया में यूरोपीयन पॉलिटिकल कम्युनिटी सम्मेलन हो रहा है, जिसमें यूरोपीय देशों के 40 से ज्यादा नेता शामिल हुए हैं। इटली की पीएम भी इस सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए अल्बानिया पहुंची हैं।

डीएवी सेक्टर-4 के रैंक होल्डर्स को डीआईजी ने किया सम्मानित

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। डीएवी सेक्टर चार की सुमेधा महेश्वरी 98.8 प्रतिशत अंको के साथ राज्य में तीसरा स्थान प्राप्त की तथा अमर ज्योति एवं शिखा ने 97.6 प्रतिशत अंक के साथ बोकारो जिला में प्रथम स्थान प्राप्त कर-के जिला और झारखंड राज्य में अपनी सफलता का परचम लहराया। इन बच्चों को आज बोकारो के डीआईजी सुरेन्द्र कुमार झा ने सम्मानित किया। इसके अलावा रसायन में शत प्रतिशत अंक लाकर सुहानी ने डीएवी-4 की गौरव गाथा में नया अध्याय जोड़ा। मुख्य अतिथि डीआईजी सुरेंद्र कुमार झा (आईपीएस) बोकारो के करकमलों द्वारा डीएवी पब्लिक स्कूल सेक्टर-4 में कक्षा 10वीं और 12वीं के सीबीएसई बोर्ड में 90% से ऊपर अंक लाकर बेहतरीन प्रदर्शन और इतिहास रचने वाले 80 से ज्यादा बच्चों को ह्लप्रतिभा सम्मान" समारोह में प्रशस्तिपत्र एवं स्मृति चिन्ह द्वारा सम्मानित किया गया। डीआईजी बोकारो सुरेंद्र कुमार झा ने इस स्वर्णिम अवसर पर कहा कि यदि विद्यार्थियों में सफलता का जुनून और अटूट लगन की भावना हो तो वे अपने सपनों को पूरा करने के लिए बड़े से बड़ा त्याग करने को तैयार होते हैं और यही जज्बा उन्हें उनकी मंजिल तक पहुंचाता है। इस अवसर पर वाइस चेयरमैन बीएस जायसवाल समेत एलएमसी सदस्य शशिभूषण, ब्रह्मदेव , चिन्मय विद्यालय के प्राचार्य सूरज शर्मा, उत्तम कुमार राय प्राचार्य डीएवी सेक्टर 8 बी, अनुराधा सिंह प्राचार्या डीएवी सेक्टर-6 समेत कई गणमान्य लोग भी सम्मिलित हुए। सभा के विशिष्ट अतिथि विकास कुमार (करियर काउंसेलर) ने भी बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए नई ऊंचाइयों को छूने की बात कही। साथ ही सफलता के लिए आवश्यक मूल मंत्र भी उन्हें दिए। इस अवसर पर प्राचार्य एस के मिश्रा ने कहा कि हमारे विद्यार्थियों की शानदार सफलता उनके स्वयं के अक्षुण्ण आत्म बल तथा उनके माता-पिता और शिक्षकों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने आगे कहा कि रसायन आईपी अंग्रेजी गणित पोल साइंस हिंदी इलेक्टिव में विद्यालय के परिणाम शत प्रतिशत रहे।

बीजेपी प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से की मुलाकात

विधायक श्वेता सिंह ने चुनाव के दौरान शपथ पत्र में दी गलत जानकारी

रांची/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भाजपा के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मुलाकात कर बोकारो से कांग्रेस की विधायक श्वेता सिंह के वोटर कार्ड और पैन कार्ड समेत कुछ अन्य दस्तावेजों में गड़बड़ी की शिकायत की है। प्रतिनिधि मंडल में राज्यसभा सांसद आदित्य साहू, रांची विधायक सीपी सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश सिन्हा और बोकारो से पूर्व विधायक बीरांची नारायण शामिल थे। राज्यपाल से मुलाकात के बाद पूर्व विधायक बीरांची नारायण और रांची विधायक सीपी सिंह ने बताया कि बोकारो की वर्तमान विधायक श्वेता सिंह ने चुनाव के दौरान शपथ पत्र में गलत जानकारी दी है। वही श्वेता सिंह के नाम से दो-दो पैन कार्ड और चार वोटर कार्ड है। उन्होंने कहा कि एक देश में एक व्यक्ति का दो पैन कार्ड होना काफी गंभीर विषय है। उन्होंने कहा कि श्वेता सिंह का नाम चार जगह पर मतदाता सूची में भी दर्ज है।

धनबाद के 26 सेंटरों में आज होगी पॉलिटेक्निक प्रवेश परीक्षा

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिले के 26 सेंटर में पॉलिटेक्निक प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा 2025 का आज आयोजन किया जाएगा। कदाचार मुक्त एवं शांतिपूर्ण तरीके से परीक्षा संपन्न कराने के लिए उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा, वरीय पुलिस अधीक्षक हृदीप पी जनार्दनन तथा एडीएम लॉ एंड ऑर्डर पीयूष सिन्हा ने संयुक्त आदेश जारी किया है। पॉलिटेक्निक प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा 2025 एसएसएलएनटी महिला महाविद्यालय, जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल डिगवाडीह, पीके रॉय मेमोरियल कॉलेज, झरिया गुजराती हिंदी हाई स्कूल, एसएसएनएमएस इंटर कॉलेज सिजुआ, सरस्वती विद्या मंदिर भूली सहित 26 सेंटर पर आज रविवार, 18 मई को सुबह 10.30 बजे से दोपहर 1.00 बजे तक आयोजित की जाएगी। सभी सेंटर के लिए दंडाधिकारी, गश्ती दल दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई है। परीक्षा को सुचारू रूप से संपन्न करने के लिए कार्यपालक दंडाधिकारी लाल बाल किशन नाथ सहदेव के नेतृत्व में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है।

अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार कंट्रोल रूम के वरीय प्रभार में रहेंगे। वहीं परीक्षा केंद्रों पर मोबाइल फोन, कैलकुलेटर, डिजिटल डायरी, स्मार्ट वॉच सहित अन्य सभी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाने पर पूरी तरह से पाबंदी रहेगी। परीक्षा सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में होगी तथा हर परीक्षार्थी की बायोमेट्रिक उपस्थिति ली जाएगी

संक्षिप्त समाचार

चास प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष आनंद दुबे से मिले

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो विधायक श्वेता सिंह के निर्देशानुसार चास प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष महावीर सिंह चौधरी चाकुलिया पहुंचे। विगत दिनों सड़क दुर्घटना में चाकुलिया निवासी आनंद दुबे ने अपने पुत्र को खोया था। इस दुखद घड़ी में बोकारो विधायक श्वेता सिंह ने उनके आवास पहुंचकर शोक संतप्त परिवार को ढाढस बंधाया था। आज पुनः उन्होंने महावीर सिंह चौधरी को निर्देश दिया कि आनंद दुबे के यहां राहुल गांधी अन्नदान योजना के तहत सहयोग करें एवम उन्हे आश्वस्त करें कि हमेशा बोकारो विधायक उनके साथ हैं। श्री चौधरी के साथ सुषमा सिंह,संतोष चौबे एवम अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

उपायुक्त ने किया बैंक मोड़ फ्लाईओवर का औचक निरीक्षण

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा ने शनिवार को बैंक मोड़ फ्लाईओवर के मरम्मती कार्य का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आर.सी.सी. ढलाई, फ्लाईओवर का जोइंट, मरम्मत में उपयोग हो रही सामग्री, जेसीबी व न्यूमेटिक मशीन से निकाला जा रहा पुराना लेयर, कार्य की प्रगति सहित अन्य बिंदुओं पर निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद उपायुक्त ने तीन शिफ्ट में युद्ध स्तर पर काम करने, काम की गुणवत्ता बरकरार रखने एवं 10 जून 2025 तक फ्लाईओवर के दोनों लेन की मरम्मत पूरी करने का निर्देश दिया। मौके पर पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता मिथिलेश प्रसाद, सहायक अभियंता जीतेन्द्र मिश्रा, ठेकेदार संजय गोतिया व अन्य लोग मौजूद थे।

आईआईटी आईएसएम में सोडियम-आयन बैटरी तकनीक पर राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। धनबाद आईआईटी आईएसएम में सोडियम-आयन बैटरी तकनीक पर राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्देश्य सोडियम-आयन बैटरी निर्माण और परीक्षण में हाथों-हाथ प्रशिक्षण प्रदान करना था। एक्सपर्ट द्वारा बताया गया कि सोडियम-आयन बैटरी तकनीक इजाद होने से देश को एक नया विकल्प मिलेगा। अभी तक लिथेनियम बैटरी ही उपयोग में लाया जाता रहा है। सोडियम-आयन बैटरी निर्माण में जो चीजें उपयोग में ली जाएंगी उसकी उपलब्धता अपने देश में प्रचूर मात्रा में है और इसलिए इसके बनने के बाद यह लोगों तक सस्ते दर पर भी उपलब्ध हो सकेगा। हालांकि इसमें बहुत सारे रिसर्च की आवश्यकता है।सोडियम-आयन बैटरी अभी तक चाइना अमेरिका और टेस्ला जैसे विदेशो में ही कमर्शियलाइज हो सका है। कार्यक्रम के कॉर्डिनेंटर प्रो. जी सी नायक ने बताया कि सोडियम-आयन बैटरी तकनीक अभी रिसर्च भाग में है और इस कार्यशाला में शामिल हुए छात्रों को सोडियम-आयन बैटरी निर्माण की तकनीक पर प्रशिक्षण दिया गया है. उन्होंने लिथेनियम बैटरी और सोडियम-आयन बैटरी के रासायनिक पार्ट पर भी विस्तृत जानकारी दी। वही आईआईटी आईएसएम के निदेशक ने कहा सोडियम आयन बैट्री बनाने को लेकर कार्यशाला का आयोजन किया गया है।इस रिसर्ज का उद्देश्य की देश मे सोडियम आयन बैट्री तैयार करना है।अमेरिका, चीन में यह बनाया जा चुका है।

धूमधाम से मनाया गया लोहरदगा जिला स्थापना दिवस

लोहरदगा/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। लोहरदगा जिला का 42वा स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया गया। जिला स्थापना दिवस पर समाहरणालय मैदान में विकास मेला का आयोजन किया गया। विकास मेला में जिले के कई विभागों के कुल 25 स्टॉल लगाए गए और जिले के विकास का नींव मजबूत किया गया साथ ही कार्यक्रम में कई लाभुकों के बीच परिसंपति का भी वितरण किया गया। साथ ही 10वी और 12वी में बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्रों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से लोहरदगा उपायुक्त वाघमारे प्रसाद कृष्ण, एसपी हारिश बीन जमा, डीडीसी दिलीप सिंह शेखावत सहित जिले के अधिकारी मौजूद रहे। जिला स्थापना दिवस को लेकर सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। 17 मई 1983 ई को रांची जिला से अलग कर लोहरदगा जिला को बनाया गया लोहरदगा एक आदिवासी बाहुल जिला है और यहां बॉक्साइड होने के कारण बॉक्साइड नगरी के रूप में पहचान मिली है। इस मौके पर जिले के अधिकारियों ने कहा लोहरदगा काफी तेजी से विकास कर रहा है और आने वाले समय में लोहरदगा काफी विकसित होगा और यहां के लोगों को इसका लाभ मिलेगा।

लियाफी के पदाधिकारियों ने जोनल मैनेजर को किया सम्मानित

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। ऑल इंडिया लियाफी के पदाधिकारियों ने भारतीय जीवन बीमा निगम के नए जोनल मैनेजर परमेंद्र हरी को बुके एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मानित व अभिनंदन किया गया। ऑल इंडिया लियाफी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नयन कुमार कमल ने अभिकताओं की समस्याओं को विस्तार पूर्वक चर्चा की । चाहे वह समस्या डेथ क्लेम, मेडिक्लेम, ग्रुप इंश्योरेंस या ग्रेच्युटी का हो। नयन ने अभिकर्ता एवं पॉलिसी धारकों का हर एक समस्या से जोनल मैनेजर एवं आर एम मार्केटिंग श्री पांडा को अवगत कराया। जोनल मैनेजर एवं आर एम मार्केटिंग श्री पंडा ने अभिकर्ता एवं पॉलिसी धारकों के सभी समस्याओं को समाधान करने का भरोसा दिलाया। इस मौके पर ऑल इंडिया लियाफी के पूर्व मध्य क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले राष्ट्रीय पदाधिकारी के रूप में राष्ट्रीय अध्यक्ष नयन कुमार कमल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रभात कुमार, ऑल इंडिया लियाफी के संगठन मंत्री गंगा प्रसाद सिंह,जोनल कार्यकारी अध्यक्ष नंदलाल प्रसाद बरनवाल ,कार्यकारी सचिव शंभू कुमार सिंह, मुजफ्फरपुर मंडल अध्यक्ष अनिल कुमार, हजारीबाग मंडल के अध्यक्ष रतन कुमार सिंह, मंडल सचिव अनीश कुमार सिंह, पटना एक मंडल के अध्यक्ष सुशील कुमार सिंहा, संयुक्त सचिव दीपक कुमार दीप, पटना मंडल 2 के अध्यक्ष रंजन शर्मा संयुक्त सचिव अनिल शर्मा, राजू यादव, बेगूसराय मंडल अध्यक्ष पवन कुमार, सचिव संजय कुमार ,सहित कई ऑल इंडिया लियाफी के पदाधिकारी मौजूद थे।

होली क्रॉस स्कूल में 10वीं और 12वीं के मेघावी छात्रों को किया गया सम्मानित

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो के चंदनकियारी होली क्रॉस स्कूल में फेलिसिटेशन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के तौर प्रखंड विकास पदाधिकारी अजय कुमार वर्मा शामिल हुए। इस समारोह में 10 वीं और 12 वीं के मेघावी छात्रों को सम्मानित किया गया। इस दौरान स्कूली बच्चों द्वारा प्रस्तुत एक से बढ़क र एक सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने वहां मौजूद लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। दीप प्रज्ज्वलित कर अतिथियों ने कार्यक्रम की शरूआत की. फेलिसिटेशन समारोह में छात्रों के अभिभावकगण और ग्रामीण अंचल के कई गणमान्य व्यक्ति कार्यक्रम को देखने के लिए होली क्रॉस स्कूल चंदनकियारी पहुंचे. स्कूल के प्रिंसिपल मिस्टर कमला पॉल ने सभी अतिथियों और अभिभावकों का स्वागत किया।।मुख्य अतिथि प्रखंड विकास पदाधिकारी अजय कुमार वर्मा ने कहा कि बच्चों को अच्छा नागरिक बनाने में माता-पिता के बाद शिक्षण संस्थानों का अहम योगदान होता है।. शिक्षकों द्वारा बच्चों को संस्कारवान बनाने के लिए गुणवत्ता पूर्वक शिक्षा देनी चाहिए. जिस तरह होली क्रॉस के छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है. ऐसे में लगता है कि शिक्षक और छात्र काफी मेहनत करते हैं और उन्होंने सभी का उत्साहवर्धन भी किया. शिक्षा के साथ-साथ छात्रों के कौशल विकास के लिए इस तरह की उत्साहवर्धन गतिविधि समय-समय पर होते रहना चाहिए. प्रिंसिपल महोदया सिस्टर कमला पॉल ने कहा कि छात्रों को अपने जीवन में उच्च लक्ष्य निर्धारित जरूर करना चाहिए और उस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए मेहनत अति आवश्यक है. उन्होंने शिक्षकों के समर्पण को सहराते हुए बेहतर परिणामों के लिए प्रेरित किया. यह आयोजन न केवल छात्रों के उत्साहवर्धन किया बल्कि शिक्षा और नवाचारों के प्रति स्कूल की प्रतिबद्धता को भी दशार्या।

30 वर्ष से अधिक आयु के लोग उच्च रक्तचाप की जांच अवश्य कराएं : सिविल सर्जन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। विश्व उच्च रक्तचाप दिवस के अवसर पर सिविल सर्जन डॉ अभय भूषण प्रसाद के निर्देश में कैंप 2 स्थित सिविल कार्यालय से सेक्टर 1 राम मन्दिर चौक तक जागरूकता रैली निकाली गई।

रैली को सिविल सर्जन द्वारा हरी झंडी दिखा कर रवाना किया गया। सिविल सर्जन डॉ अभय भूषण प्रसाद ने बताया कि उच्च रक्तचाप के प्रबंधन के लिये जरूरी है कि नियमित जांच करायें, स्वस्थ आहार लें, व्यायाम करे, तनाव कम करें, नियमित योग करें। उच्च रक्तचाप के दौरान धुम्रपान एवं शराब का सेवन न करें, अत्याधिक सोडियम (नमक) का भी सेवन न करें। उन्होंने आगे बताया कि जिला के सभी स्वास्थ्य संस्थानों में उच्च रक्तचाप की जांच की सुविधा उपलब्ध है। इसके लिए 17 मई से 16 जून 2025 तक उच्च रक्तचाप की जांच हेतु कैम्प मोड में किया जा रहा है। अभी तक बोकारो जिला में पिछले वित्तीय वर्ष में कुल 239363 व्यक्तियों की उच्च रक्तचाप की जांच की गई, जिनकी आयु 30 वर्ष से अधिक थी, जिसमें कुल 19740 मरीज की दवा जारी है। वहीं जिला कार्यक्रम प्रबंधक दीपक कुमार ने विशेष कैम्प में आम जनमानस से अपील किया है कि वह अपने उच्च रक्तचाप की जांच अपने नजदीकी स्वास्थ्य संस्थान में अवश्य करायें और इसका व्यापक प्रचार प्रसार भी करें ताकि एक भी मरीज इस सुविधा से वंचित न हो। कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम समन्वय मनोज महतो, जिला कार्यक्रम सहायक आरती कुमारी मिश्रा, जिला परामर्शी मों0 असलम तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम बोकारो, सीसीपीएम सैफुल्लाह अंसारी एवं शहरी सहिया आदि उपस्थित थे।

सिटी सेंटर मार्केट में महिला के गले से चेन की छिनतई

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील सिटी के सेक्टर 4 सिटी सेंटर स्थित पुलिस क्लब के समीप एक महिला से चैन छिनतई का मामला सामने आया है। बताते चले कि सिटी सेंटर में प्रतिदिन हजारों लोग आते हैं और ऐसे में एक बाइक सवार युवक ने महिला के गले से सोने का चेन जिसमे एक सोने का लॉकेट भी था छिनतई कर मौके से फरार हो गया। महिला ने बताया कि मैं अपने बच्चे और परिवार के साथ मार्केट आयी थी। उसी बीच जब मै क्रॉकरी शॉप के सामने पहुंची तो एक काले रंग के बाइक पर सवार पीला कलर का टी शर्ट पहने युवक गले से चैन छीनकर मौके से फरार हो गया। मैं चिल्लाई आस पास के युवक दौड़कर उसको पकड़ने की कोशिश की परन्तु वह फरार हो गया। साथ ही कहा कि वह काफी डरी हुई है। उसके साथ बच्चा भी था। चेन छीनने के दौरान बच्चे को भी चोट पहुंचा सकता है। जिसके बाद महिला ने अपने परिजन को फोन कर मौके पर बुलाया। फिर पुलिस को सूचना दी गई। सिटी डीएसपी आलोक रंजन, सेक्टर 4 थाना प्रभारी दलबल के साथ मौके पर पहुंच महिला से जानकारी ली। सीसीटीवी फुटेज को खंगालने का काम किया । पुलिस महिला को थाने में कंप्लेन करने की बात कह जांच में जुट गई। इन दिनों बोकारो में चैन छिनतई करने वाला गिरोह सक्रिय है। पूर्व के कुछ दिनों में अन्य थाने में भी चेन छिनतई का मामला सामने आया है। महिला ने पुलिस पर भरोसा जताते हुए कहा कि पुलिस छिनतई करने वालो को पकड़कर चेन वापस करने का काम करेगी। अब देखना होगा कि पुलिस इस महिला के विश्वास पर कितना खरा उतरती है। हम आपको बताते चले कि पुलिस अधिकारियों के निर्देश के वावजूद भी दुकानदार अपनें दुकानों के बाहर कैमरा नही लगा रहें है । दुकानदार अपने दुकानों के अंदर तो सीसीटीवी लगा लेते है पर बाहर नहीं। ऐसे पुलिस को ऐसे दुकानदारों पर शख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

होमगार्ड जवानों की समस्याओं को लेकर कमांडेंट से मिले कुमार अमित

होमगार्ड जवानों को ड्यूटी देने में पारदर्शिता लाने की मांग

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो के होमगार्ड जवानों की समस्याओं को लेकर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कुमार अमित होमगार्ड की जिला कमांडेंट किरण कुमारी से उनके कार्यकाल में मुलाकात की। कुमार अमित ने ज़िला कमांडेंट से होमगार्ड के जवानों को ड्यूटी देने में पारदर्शिता लाने की माँग की है।

भाजपा नेता ने बोकारो के सभी महिला जवानों को भी अधिक से अधिक नियमित ड्यूटी में लगाने की बात ज़िला कमांडेंट से की। कुमार अमित ने इसे लेकर होमगार्ड में महिला जवानों को बहाली की ही तरह ड्यूटी में भी 50 प्रतिशत का आरक्षण देने को लेकर सरकार के स्तर पर भी पहल होनी चाहिए। कहा कि सभी सरकारी कार्यालय, शिक्षण संस्थानों, सार्वजनिक लोक उपक्रमों, रेलवे एवं बड़ी निजी कम्पनियों में भी होमगार्ड के जवानों को सुरक्षा में लगाने की प्राथमिकता तय करने के लिए सरकार स्तर पर नीति बनाई जानी चाहिए। राँची और हजारीबाग की तरह बोकारो में भी होमगार्ड के जवानों को ट्रैफि क को व्यवस्थित करने में ड्यूटी लगाने, हर वर्ष नियमित एवं पारदर्शी तरीके से बोकारो में होमगार्ड की बहाली कराने की भी माँग कुमार अमित ने कमांडेंट से की है। कमांडेंट किरण कुमारी ने इन विषयों पर सकारात्मक पहल करने का आश्वासन भाजपा नेता को दिया है। इस अवसर पर लालबाबू, कृष्णा कुमार, चंद्रप्रकाश भी मौजूद थे।

बोकारो बीएसएल का ग्रीष्मकालीन क्रीड़ा प्रशिक्षण शिविर आरंभ

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील प्लान्ट के क्रीड़ा एवं नागरिक सुविधाएं विभाग के तत्वावधान में ग्रीष्मकालीन क्रीड़ा प्रशिक्षण शिविर- 2025 का शुभारंभ 17 मई को हुआ. शिविर का उद्घाटन मोहन कुमार मंगलम स्टेडियम में मुख्य महाप्रबंधक (नगर सेवाएँ) श्री कुंदन कुमार ने किया. इस अवसर पर महाप्रबंधक (संपर्क एवं प्रशासन) श्री सी आर के सुधांशु, महाप्रबंधक (नगर सेवाएं) एके अविनाश, सहायक महा प्रबंधक (क्रीड़ा एवं नागरिक सुविधाएँ) सुभाष रजक समेत अन्य वरीय अधिकारी विभिन्न खेलों के प्रशिक्षक, मीडिया कर्मी, बच्चे तथा अभिभावक उपस्थित थे. उद्घाटन के पश्चात रजक ने बच्चों तथा अभिभावकों को 03 जून तक चलने वाली इस शिविर के विषय में विस्तृत जानकारी दी. शिविर में प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए 08 से 15 साल तक के लगभग 478 बच्चों ने अपना पंजीयन कराया है. बच्चों को 12 अलग-अलग खेलों के प्रशिक्षकों द्वारा शिविर के दौरान प्रशिक्षण दिया जायेगा. इन खेलों में एथलेटिक्स, बैडमिन्टन, बास्केटबाल, क्रिकेट, फुटबाल, हैंडबाल, हॉकी, कबड्डी, खोखो, वालीबाल, शतरंज एवं तीरंदाजी शामिल हैं. इन खेलों के प्रशिक्षण अलग-अलग स्थानों पर दिए जाएंगे जहां समुचित सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं. ग्रीष्मकालीन क्रीड़ा प्रशिक्षण शिविर 03 जून तक चलेगा.

सूदखोरों की जगह जेल में होनी चाहिए : अमर बाउरी

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सूदखोरों के प्रताड़ना से हमारे लोग आत्महत्या कर लेते हैं। मजदूरों का परिश्रम का पूरा रुपया सूदखोर हड़प जाते हैं। इसमें बीसीसीएल, बैंक के अधिकारी की मिलीभगत होती है। भाजपा नेता अमर बाउरी ने कहा कि ऐसे सभी मजदूरों की सूची बनाई जाएगी। उत्सव भवन में महजनी प्रथा के खिलाफ हुई बैठक में ये बातें पूर्व नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार ने कही। उन्होंने कहा कि सूदखोर पूरा रुपया हड़प लेता है और पुलिस प्रशासन कुछ नहीं करती है। सूदखोर के जाल में फंसकर मजदूर आत्महत्या तक कर लेते हैं। लेकिन पुलिस मुकदर्शक बन देखती रह जाती है। किसी को सजा तक नहीं मिलती है। जिससे ऐसे असामाजिक तत्वों का मनोबल बढ़ता जा रहा है। ऐसे लोगों के खिलाफ बड़ी लड़ाई लड़ी जाएगी। इसे कोयलांचल मजदूर शोषण मुक्ति आंदोलन का नाम दिया गया है।इसे लेकर बीसीसीएल के 12 एरिया के प्रभारी मनोनयन किया गया। जो सूदखोरों की सूची तैयार करेंगे। जिसकी सूची पुलिस प्रशासन के अला अधिकारियों से लेकर आयोग को सौंपी जाएगी। सूदखोरों के चंगुल में फंसे लोगों को अदद की जाएगी। इस दौरान केंद्रीय समिति का गठन किया गया। इसमें केंदीय संयोजक अमर कुमार बाउरी को बनाया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता बलदेव महतो ने की। संचालन मीडिया प्रभारी बप्पी बाउरी ने किया। इस दौरान बलदेव महतो, शेखर सिंह, केपी गुप्ता, योगेंद्र यादव, उचित महतो, गौर चंद बाउरी, डबलू बाउरी, ध्रुव हरि, अजय निषाद, ललन पासवान, प्रकाश बाउरी, परेश चंद्र दास, अश्विनी खेत्रपाल, अजय कुमार दास, विनय रजवार, श्रीमंत बाउरी, फूल जोशी, उरी, मनोज मिश्रा, संजय सिंह, रुदल पासवान, बलराम हरि, गणेश बाउरी, रूपेश पासवान उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145665 8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com

CMYK